

राहुल के पास अर्थव्यवस्था की समझ नहीं, उनके बयान सच से कोसों दूर, न जाने कैसे बने विपक्ष के नेता?

एजेसी ►► नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के बीच हुए हालिया व्यापार समझौते को लेकर देशभर से मिली जुली प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। केंद्र सरकार इसे भारत की बड़ी जीत के तौर पर सामने रख रहा है।

वहीं विपक्ष इसे भारत की हार और अमेरिका की जीत के तौर पर बता रहा है। इसी बीच इस व्यापार समझौते को लेकर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों पर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने तीखा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि इतने नासमझ व्यक्ति को नेता विपक्ष कैसे बना गया।

पीयूष गोयल का नेता प्रतिपक्ष एर तीखा हमला - उन्हें कोई समझ नहीं

केंद्र भारत-अमेरिका ट्रेड डील को भारत की बड़ी जीत के तौर पर सामने रख रहा है। वहीं विपक्ष इस पर लगाता सवाल उठाता रहा है। इस बीच केंद्रीय व्यापार मंत्री पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर पलटवार किया

ट्रेड डील पर सत्तापक्ष और विपक्ष में टकराव गहराता जा रहा



राहुल के पास झूठ, धोखा और ...

गोयल ने आरोप लगाया कि राहुल अर्थव्यवस्था को समझे बिना गलत बयान देते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी यह नहीं समझ पा रही है कि जिस आदमी को अर्थव्यवस्था की कोई समझ नहीं है, उनके पास झूठ, धोखा और ट्वीट करने वाले बयानों के अलावा कुछ भी नहीं है, वह सच से हजारों मील दूर हैं।

पहले के प्रावधानों पर भी उठा रहे सवाल

राहुल ने दावा किया था कि अगर बांग्लादेश अमेरिका से सूत या कपास खरीदता है तो उसे अमेरिका में शुल्क पर कपड़ा निर्यात करने की छूट मिलती है। गोयल ने कहा यह कोई नई व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह प्रावधान पहले से मौजूद हैं।

कपास उत्पादन क्षमता बढ़ेगी

झूठ बोलने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री गोयल ने राहुल के आरोपों को बेबुनियाद और झूठ करार देते हुए उन पर जोरदार हमला बोला है। पीयूष ने कहा कि राहुल को कहा कि वे झूठ बोलने और निराधार आरोप लगाने के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। वे अपने झूठे बयान से हमारे किसानों को गुमराह कर रहे हैं और उन्हें भड़काने की कोशिश कर रहे हैं।

देश की कोई चिंता नहीं

मंत्री गोयल ने आगे कहा कि राहुल गांधी को भारत की कोई चिंता नहीं है। उन्होंने कभी हमारी मातृभूमि की परवाह नहीं की और न ही हम उनसे भारत के मजबूत और समृद्ध भविष्य के लिए काम करने की उम्मीद कर सकते हैं।

किसानों के हित सर्वोपरि

गोयल ने भारत अमेरिका ट्रेड डील का बचाव करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा से हमारे किसानों के प्रति सहानुभूति रखते आए हैं। उन्होंने हमेशा किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है और उनकी समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सभी निर्णय लिए हैं।

खबर संक्षेप

5 जिगरी दोस्तों की मौत गांव में मातम पसरा

गोहाना। यहां के भावड़ गांव में जहां कुछ ही देर पहले डीजे की धुनों पर खुशियां झूम रही थीं, वहीं अचानक आई एक मनहूस खबर ने पूरे माहौल को सन्नाटे में बदल दिया। दो बेटीयों की शादी का जश्न चल रहा था, एक की विदाई हो चुकी थी। दूसरी की बारात का इंतजार था। तभी सड़क हादसे में रोहतक के 5 जिगरी दोस्तों की मौत की सूचना पहुंची। मातम छा गया।

प्रेमिका की हत्या कर खुद को मारी गोली

नोएडा। वैंलैटाइन डे पर नोएडा के सेक्टर 107 से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। शनिवार को एक कार के अंदर प्रेमी जोड़े के शव मिले, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। प्रारंभिक जांच में यह प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है, जिसमें प्रेमी ने पहले प्रेमिका की गोली मारी हत्या की और फिर खुद भी अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

एमसीडी ने पेश किया 175,83 करोड़ का बजट

नई दिल्ली। नगर निगम ने 2026-27 के लिए इतिहास का सबसे बड़ा बजट पेश किया है। सदन के नेता प्रदेश वाही ने शुक्रवार को लगभग 17,583 करोड़ रुपए के बजट का अनुमोदन किया, जिसमें गलियों, मोहल्लों और ग्रामीण क्षेत्रों में विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है। पार्श्वों को अपने वार्ड में विकास कार्य के लिए 2-2 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

बाल-बाल बचे डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा

झुंझुनूं। राजस्थान के डिप्टी सीएम डॉ. प्रेमचंद बैरवा के काफिले में एक्सीडेंट होने का मामला सामने आ रहा है। यह घटना झुंझुनूं जिले के गुडगोडजी इलाके में उस वक्त हुई जब डिप्टी सीएम एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आ रहे थे। इसी दौरान कार काफिले के बीच आ गई और डिप्टी सीएम के काफिले में चल रही एक कार के साथ उसकी टक्कर हो गई।

माई बेबी... वैंलैटाइन डे पर दिया हेलिकॉप्टर

नई दिल्ली। दिल्ली की मंडोली जेल में बंद महाउग्र सुकेश चंद्रशेखर ने वैंलैटाइन डे पर बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडिस को भावुक प्रेम-पत्र लिखते हुए इस बार एयरबस एच -सीरीज हेलीकॉप्टर गिफ्ट करने का दावा किया है। सुकेश ने जैकलीन को 'माई बेबी बोम्मा' 'वावा', 'पंजेल' और 'जैकी' जैसे संबोधनों से लिखा।

गृहमंत्री शाह ने पुडुचेरी में रैली में कांग्रेस पर किया हमला झूठ बोलो, जोर से बोलो और फिर दोहराओ की नीति पर चल रहे राहुल... वे गुमराह कर रहे

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की तरफ से हालिया भारत-अमेरिका व्यापार समझौते और केंद्र की नीतियों पर दिए बयान के बाद सियासत गरमा गई है।



पुडुचेरी में रैली को संबोधित करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह

लोग विपक्षी नेता की झूठ फैक्टरी को पहचान चुके

राहुल गांधी रोजाना झूठ बोलने की नई परंपरा चला रहे

पीएम ने किसानों-मछुआरों का हित 100% सुरक्षित रखा

शाह ने इस बात पर भी जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत अमेरिका के साथ हाल ही में हुए समझौते में किसानों और मछुआरों के हितों की 100 प्रतिशत सुरक्षा सुनिश्चित की है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले यूपीए सरकार के दौरान किसानों के हितों की अनदेखी हुई और उनका फायदा नहीं हुआ। इसके साथ ही अमित शाह ने यह भी भरोसा जताया कि 2029 में भी पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा-नेतृत्व वाली एनडीए सरकार केंद्र में सत्ता में आएगी।

नारायणासामी ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बनाया

शाह ने पुडुचेरी में रैली में तत्कालीन कांग्रेस सरकार पर भी हमला किया। उन्होंने कहा कि नारायणसामी की सरकार ने पुडुचेरी को गांधी परिवार के लिए एक एटीएम बना दिया था। उन्होंने खुलकर कहा कि पीजी और डिप्लोमा सीटों की नीलामी की गई।

शाह ने बताया पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य

शाह ने बताया कि पिछली पांच साल में कांग्रेस ने पुडुचेरी में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का माहौल बनाया था, लेकिन मोदी सरकार ने इसे बदलकर व्यवस्था और विकास की ओर ले जाया है। अब पुडुचेरी को विकसित बनाने का लक्ष्य है।

उधर, कांग्रेस पर भड़के पूनावाला

‘फैमिली ट्रेड एग्रीमेंट’ करने वाले ‘फ्री ट्रेड एग्रीमेंट’ पर सवाल उठा रहे

नई दिल्ली। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, मालेगांव विवाद और ‘सेवा तीर्थ’ के उद्घाटन को लेकर प्रतिक्रिया दी। राहुल पर निशाना साधते हुए पूनावाला ने कहा कि वे ‘आधुनिक पिनाकियो’ की तरह हैं और बार-बार झूठ बोलकर जनता को गुमराह करते हैं। पूनावाला ने आरोप लगाया कि यूपीए सरकार अपने कार्यकाल में एक भी प्रभावी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट नहीं कर सकी और किसानों के हितों से समझौता किया गया। उन्होंने कहा कि आज वही कांग्रेस पार्टी फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर सवाल उठा रही है, जबकि वर्तमान सरकार ने किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा की है।



वंदे मातरम विवाद पर बोले ओवैसी

भारत माता की जय से संविधान की शुरुआत नहीं होती, थोपें नहीं

एजेसी ►► हैदराबाद

तेलंगाना में हुए नगरपालिका चुनाव और फिर सामने आए नतीजों ने पूरे राज्य की राजनीत गरम है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक साथ कई संसद, हिजाब, वंदे मातरम समेत कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। ओवैसी ने कहा कि यह वफादारी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का



महाराष्ट्र के मालेगांव का मामला

डिप्टी मेयर के दफ्तर में टीपू की फोटो आखिरकार हटानी पड़ी

एजेसी ►► मालेगांव

महाराष्ट्र के मालेगांव में डिप्टी मेयर कार्यालय में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस मामले ने स्थानीय राजनीति को गरमा दिया है। भाजपा और शिवसेना सांसद संजय राउत समेत कई और दलों ने इसका खुलकर विरोध किया। बढ़ते विरोध और तनाव की स्थिति को देखते हुए आखिरकार प्रशासन को



हस्तक्षेप करना पड़ा और विवादित तस्वीर को कार्यालय से हटा दिया गया। मालेगांव म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के डिप्टी मेयर ऑफिस में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाए जाने की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। इसके बाद शिवसेना (उद्धव गुट) और दूसरे संगठनों के कार्यकर्ताओं ने इस पर आपत्ति जताई थी। विरोध करने वालों का कहना था कि सरकारी कार्यालयों में किसी विवादित ऐतिहासिक व्यक्तित्व की तस्वीर लगाना उचित नहीं है। इससे सामाजिक तनाव बढ़ सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में मंजूरी

3 मल्टी-ट्रैकिंग रेलवे प्रोजेक्ट्स से नेटवर्क 389 किमी बढ़ेगा

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी की बैठक में 18,509 करोड़ (अनुमानित) लागत वाले 3 रेलवे प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। इन प्रोजेक्ट्स में कसारा-मनमाड (तीसरी और चौथी लाइन), दिल्ली-अंबाला (तीसरी और चौथी लाइन) शामिल हैं। इससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रोजेक्ट्स परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। ये प्रोजेक्ट्स दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र और कर्नाटक के 12 जिलों से होकर गुजरेंगे। इससे भारतीय रेलवे का नेटवर्क करीब 389 किलोमीटर बढ़ेगा। इन प्रोजेक्ट्स से 3,902 गांवों तक कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

97

लाख लोगों को फायदा होगा



को मंजूरी दे दी है। इस कॉरिडोर में 8 एलिबेटेड स्टेशन का निर्माण किया जाएगा। कॉरिडोर के चालू होने के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में 61.62 किमीका एक्टिव मेट्रो रेल नेटवर्क होगा। नोएडा सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन तक का एक्सटेंशन कॉरिडोर शहर के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में मदद करेगा।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में मेट्रो विस्तार की एक बड़ी परियोजना को हरी झंडी मिल गई है। केंद्र सरकार ने नोएडा मेट्रो रेल परियोजना के तहत नोएडा सेक्टर 142 से बॉटनिकल गार्डन तक 11.56 किमी लंबे एक्सटेंशन कॉरिडोर को मंजूरी दे दी है। इस कॉरिडोर में 8 एलिबेटेड स्टेशन का निर्माण किया जाएगा।

शहरी विकास के लिए एक लाख करोड़ स्वीकृत

कैबिनेट ने शहरी चुनौती कोष को मंजूरी दी है। इसके तहत शहरों में उच्च गुणवत्ता वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण के लिए कुल एक लाख करोड़ की केंद्रीय सहायता प्रदान की जाएगी। कैबिनेट ने बताया कि यह कोष बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाकर उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्रोत्साहित करेगा।

राउत के ‘विलय की भविष्यवाणी’ से महाराष्ट्र में मचा बवाल

शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया बड़ा दावा

एजेसी ►► मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर विलय की खबरों ने हलचल मचा दी है। शिवसेना (यूबीटी) नेता और सांसद संजय राउत ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के भविष्य को लेकर एक चौंकाने वाला दावा किया है। राउत का मानना है कि आने वाले समय में न केवल एनसीपी, बल्कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना का भी भाजपा में विलय हो सकता है। शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए राउत ने कहा कि एनसीपी के दोनों गुटों का एक होने की संभावना कम है। उन्होंने असली धमका यह कहकर किया कि एनसीपी का भविष्य अब पूरी तरह से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इच्छा पर निर्भर है। राउत ने दावा किया कि एनसीपी का भाजपा में विलय हो जाएगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का भी यही हथ्र होगा।



भाजपा में समा जाएगी एनसीपी! साथ ही शिंदे की पार्टी का भी यही हथ्र होगा

भाजपा के साथ नहीं की चर्चा

शरद पवार ने विलय की चर्चाओं पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि दोनों गुटों के बीच बातचीत हुई थी, लेकिन इसमें भाजपा का कोई हस्तक्षेप नहीं था। शरद के अनुसार विलय की संभावित चर्चा अजित पवार और जयंत पाटिल के बीच हुई थी, न कि देवेंद्र फडणवीस के साथ। जयंत ने खुलासा किया कि दिवंगत अजित एकता के पक्षधर थे और उन्हें विश्वास था कि उनके सभी 40 विधायक उनके फैसले के साथ रहेंगे।



सीजेआई ने बताई अपनी राय

न्यायिक संस्थानों को हमेशा विकास में सक्षम होना चाहिए

एजेसी ►► नई दिल्ली

भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को कहा है कि जुडिशियल लीडरशिप को तब भुगतना पड़ता है, जब जजों के परफेक्ट होने का दावा किया जाता है। सीजेआई ने उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि जजों और न्यायिक संस्थानों को हमेशा विकास करने में सक्षम होना चाहिए और सुधारों और बेहتری के लिए तैयार रहना चाहिए।



जजों के परफेक्ट होने का दावा नहीं कर सकते

सीजेआई ने कहा कि मेरी राय में यह नजरिया संस्था की सराहना करता है, लेकिन इसे फायदा नहीं पहुंचाता। जुडिशियल लीडरशिप को इससे नुकसान नहीं होता (कि जज परफेक्ट नहीं हैं, इसे तब दिक्कत होती है, जब यह मान लिया जाता है कि वे परफेक्ट हैं। इतिहास में जो सबसे सम्मानित जुडिशियल लीडरशिप हुई है, उन्होंने भी कभी परफेक्शन का दावा नहीं किया, बल्कि सीमाओं के प्रति जागरूक रहे।



फूलों से सजाई गई रंगोली

हरिभूमि

मध्याप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



सिंगापुर, हांगकांग, स्विट्जरलैंड, थाईलैंड और इंडोनेशिया से खास प्रजाति के फूल मंगाए गए

हरिभूमि न्यूज ►► उज्जैन

उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में इस बार महाशिवरात्रि पर भव्य और दिव्य सजावट की जा रही है, जिसमें 5 देशों से 40 प्रकार के विदेशी फूल मंगाए गए हैं। पूरे मंदिर परिसर को नटराज मंदिर की थीम पर सजाया जा रहा है, जिससे श्रद्धालुओं को अनेखा आध्यात्मिक अनुभव मिलेगा। कर्नाटक के उद्योगपति कृष्णमूर्ति रेड्डी पिछले 12 वर्षों से महाकाल मंदिर में विशेष साज-सज्जा करवाते आ रहे हैं और इस बार भी पूरा खर्च स्वयं उठा रहे हैं।

बाबा महाकाल मंदिर में ऐसी है महा-शिवरात्रि की तैयारी

दक्षिण भारत से आए 210 कारीगर दो दिन से दिन-रात जुटे, नटराज थीम पर मंदिर सजाया

सामान्य दर्शन व 250 रु. के शीघ्र दर्शन टिकट तथा वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश द्वार

►► सामान्य श्रद्धालुओं को लगभग 40 मिनट में और शीघ्र दर्शन टिकटधारियों को 25 मिनट में दर्शन होंगे

कर्नाटक के उद्योगपति कृष्णमूर्ति रेड्डी पिछले 12 वर्षों से महाकाल मंदिर में विशेष साज सज्जा करवा रहे हैं

रात ढाई बजे से खुले पट, कतार लगी, करीब 10 लाख श्रद्धालु पहुंचेंगे

महाशिवरात्रि पर्व के तहत शनिवार-रविवार की दरमियानी रात 2.30 बजे मंदिर के पट खोले गए, जो 16 फरवरी की रात 11 बजे बंद होंगे। इस दौरान लगातार 44 घंटे भक्तों को महाकाल के दर्शन होंगे और गर्भगृह में महापूजा संपन्न होगी।

उधर, मंदसौर के पशुपतिनाथ मंदिर के आकाश में जगमगाएंगे स्काय लालटेन



मंदसौर में श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक एवं धार्मिक लोक न्यास द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर भव्य आयोजनों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी।

खबर संक्षेप

अधिवक्ता की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

शिवपुरी। करैरा थाना क्षेत्र में किले के पीछे आनंद सागर मंदिर के पास सिद्धन रोड पर कोर्ट जा रहे एडवोकेट संजय कुमार सक्सेना की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी।

एकांत रास्ते पर घात लगाकर किए गए इस हमले के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। बताया जा रहा है कि रास्ते से गुजर रहे एक अन्य वकील देखा, संजय सक्सेना पर घायल अवस्था में पड़े थे।

बहु से परेशान बुजुर्ग ने खुद को गोली मारी

ग्वालियर। यहां एक बुजुर्ग ने अपनी बड़ी बहु के हरकतों के कारण खुद को मौत से गले लगा लिया है।

बुजुर्ग ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या की है। मृतक की पहचान रामाधार के रूप में हुई है जो डेयरी संचालक थे। मृतक ने अपनी जान इतनी बेरहमी से ली है कि गोली पेट में लगकर पीठ से आर-पार हो गई थी। खुद पर गोली चलाने से पहले रामाधार ने एक सुसाइड नोट लिखा, जिसमें बहु सुनीता का नाम लिखा हुआ है।

जेईई मेन रिजल्ट 16 फरवरी को

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई 2026 सेशन 1 (जनवरी सेशन) का रिजल्ट अब 16 फरवरी तक जारी किया जाएगा। हालांकि पहले यह परिणाम 12 फरवरी को जारी होने की संभावना थी, लेकिन संशोधित सूचना के अनुसार अब उम्मीदवारों को 16 फरवरी तक इंतजार करना होगा। रिजल्ट जारी होने के साथ ही फाइनल आंसर की भी प्रकाशित की जा सकती है।

भेड़ाघाट में फूड पॉइजनिंग की आशंका

हरिभूमि न्यूज ►► जबलपुर

भेड़ाघाट में फूड पॉइजनिंग की शिकायत सामने आई है। बीते बुधवार को एक पारिवारिक कार्यक्रम में भेड़ाघाट चौराहा स्थित बीकानेर स्वीट्स प्रतिष्ठान से मंगाई गई पिस्ता बर्फी सहित अन्य व्यंजन परोसे गए थे। कार्यक्रम के बाद कुछ परिवारों के सदस्यों में उल्टी, पेट



अस्पताल में परीजन

दर्द और दस्त जैसे फूड पॉइजनिंग के लक्षण दिखाई दिए। प्रभावित लोगों को निजी अस्पताल में

►► पुलवामा अटक पर कहा कि भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा

2014 के बाद नार्थईस्ट के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर को नजरअंदाज कर कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फंड आर्वाइट करने से परहेज किया। उन्होंने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार के कार्यकाल में किए जा रहे फैसलों को रेखांकित करते हुए लोकार्पण के बाद खोले गए भास्कर सेतु समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया। असम के पद्म सम्मान विजेता का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ऐसी ही एक संतान कबीन्द्र पुरकायस्थ जी को मैं प्रणाम करता हूं। उन्होंने अपना पूरा जीवन असम और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। वर्ष 2014 के बाद नार्थईस्ट के 125 से अधिक महान व्यक्तित्वों को पद्म पुरस्कार मिले हैं। ये दिखाता है कि असम और नॉर्थईस्ट की धरती का सामर्थ्य कितना बड़ा है।

►► आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया, अब कांग्रेस देश को बंटने में लग गई



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुवाहाटी में लोगों का अभिवादन करते हुए

असम को दी गई प्रमुख सौगातें

- कुमार भास्कर वर्मा सेतु (ब्रह्मपुत्र नदी पर नया पुल)
- इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी
- आईआईएम गुवाहाटी का शुभारंभ
- नेशनल डेटा सेंटर (एनडीएस)
- इलेक्ट्रिक बसों की सौगात
- चाय टू विप्स

तृतीय पुण्य स्मरण



कैलाशवासी

ऊषा भानूप्रकाश अग्रवाल जी

॥ महाशिवरात्रि पर महाप्रयाण ॥

हर परिस्थिति में सत्कर्मप्रधान और मनोधर्मिक मार्गदर्शन देने वाली सरल, विनम्र और सेवाभावी जीवन की आदर्शमूर्ति

हमारी तपस्वी माँ को तृतीय पुण्यतिथि पर सादर प्रणाम।

आपका तपस्वी एवं सात्विक जीवन हमें सदैव मूल्यों और निष्ठाओं के प्रति संकल्पित करता रहेगा।



HIMMATRAM GHOSARIM
Delivering the best since 1913

कॉर्पोरेट ऑफिस: गोविंद बाग, गांधी रोड, शहीद गेट के पास, ग्वालियर - 474011, मध्यप्रदेश | www.hggroup.co.in

FONDLY REMEMBERED BY FAMILY, FRIENDS, RELATIVES AND EMPLOYEES OF HG GROUP

श्रद्धावनत

धीरज प्रकाश अग्रवाल, निधि अग्रवाल, इक्षिता अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल
आशीष अग्रवाल (प्रदेश मीडिया प्रभारी, भाजपा म.प्र.)
उपासना अग्रवाल, अजिषी अग्रवाल, आर्या अग्रवाल,
पूजम अग्रवाल, अरविंद गुप्ता, ईवी अग्रवाल, ईशान अग्रवाल,
दीपाली अग्रवाल, विनय अग्रवाल, लिजा अग्रवाल, इरा अग्रवाल

कुबेरेश्वर धाम में रुद्राक्ष महोत्सव 2026 का शंखनाद: इस बार 'ग्रीन शिवरात्रि' महोत्सव

हजारों की संख्या में रुद्राक्षों का पूजन किया गया

पहले दिन शिवपुराण कथा में पं. मिश्रा ने कहा-मन बैचेन हो तो 10 मिनट वृक्ष के नीचे भगवान शिव का ध्यान करो



शिवलिंग को अर्पित जल से पौधों की सिंचाई होगी

विख्यात कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में इस वर्ष महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में कुबेरेश्वर धाम में एक अनूठा और पर्यावरण-हितैषी ग्रीन शिवरात्रि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन आध्यात्मिकता को प्रकृति संरक्षण से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास है। इस महोत्सव का मुख्य आकर्षण ज्योतिर्लिंग गार्डन की स्थापना है।

पूजा के बाद एकत्रित फूलों और बेलपत्रों (निर्माल्य) को नदियों में विसर्जित करने के बजाए उनसे जैविक खाद बनाई जाएगी

असम में कनेक्टिविटी को मजबूत करने की कवायद

एजेसी ►► नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई आर्थिक मामलों पर कैबिनेट कमेटी (सीसीईए) की बैठक में असम में इंजीनियरिंग प्रोक्वोरमेंट कंस्ट्रक्शन (ईपीसी) के तहत 18,662 करोड़ रुपए की कुल पूंजी लागत से एनएच-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक 715 खंड पर 4-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड कनेक्टिविटी के निर्माण को मंजूरी दी गई है, जिसमें ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे 15.79 किलोमीटर की रोड-कम-रेल टनल भी शामिल है। वर्तमान में, एनएच-715 पर स्थित नुमालीगढ़ और एनएच-15 पर स्थित गोहपुर के बीच की दूरी एनएच-52 पर सिलघाट के पास स्थित कालियाभम्भोरा सड़क पुल से 240 किलोमीटर है, जिसमें नुमालीगढ़, काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और बिश्नाथ कस्बे से होते हुए 6 घंटे का समय लगता है।

खबर संक्षेप

यूएस में 22 वर्षीय भारतीय छात्र लापता

वाशिंगटन। अमेरिका की कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, बर्कले में पढ़ रहे एक 22 वर्षीय भारतीय



छात्र की लापता होने की खबर सामने आई है। कर्नाटक के साकेत श्रीनिवासैया कैलिफोर्निया में रहकर पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे हैं। जो कि मंगलवार यानी 10 फरवरी से लापता है। साकेत का बैग, जिसमें पासपोर्ट और लैपटॉप था पार्क हिल्स इलाके में एक घर के दरवाजे पर मिला। सैन फ्रांसिस्को के स्थित भारतीय दूतावास ने घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की।

भारत-कनाडा के रिश्ते ‘वापस पटरी पर’

ओटावा। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश पटनायक ने कहा है कि भारत और कनाडा के संबंध



अब बेहद अच्छे हो गए हैं और पूरी तरह सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीडीपीए) को लेकर बातचीत कुछ ही हफ्तों में शुरू हो सकती है और इसे जल्दी पूरा किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि जी7 समिट के दौरान पीएम मार्क कार्नी की कननाकारिक्स में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद रिश्ते और मजबूत हुए। जल्द ही एक हाई-लेवल कनाडाई दौरे की उम्मीद है।

देशी बम बनाने के दौरान धमाका, 2 की मौत

ढाका। बांग्लादेश के चापाइनबागज जिले में शनिवार सुबह करीब 5 बजे देशी बम बनाने



समय विस्फोट हो गया। हादसे में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हैं। घटना चर बाडांगा युनियन के पाथापाड़ा गांव की है। सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी नुरे आलम ने बताया कि घर के अंदर कथित तौर पर देशी बम तैयार किए जा रहे थे। इसी दौरान अचानक तेज धमाका हुआ। मृतकों की पहचान तत्काल नहीं हो सकी है। घायल पाथापाड़ा गांव के हैं।

ब्रह्मपुत्र का सीना चीरकर निकलेगी रोड-कम-रेल सुरंग, अब 6 घंटे का सफर सिर्फ 20 मिनट में होगा, विकास के नए द्वार खोलने में अहम

ऐसा भारत का पहला और विश्व का दूसरा प्रोजेक्ट



सांकेतिक तस्वीर

उत्तर पूर्वी राज्यों को होगा फायदा

इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, एनएच-15 पर गोहपुर से नुमालीगढ़ तक ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे रोड-कम-रेल टनल के साथ 4-लेन पहुंच-निश्चित हरित परिवहन परियोजना विकसित करने का प्रस्ताव है। यह भारत की पहली और विश्व की दूसरी अंडरवाटर रोड-कम-रेल-टनल होगी। सीसीईए ने कहा कि इस परियोजना से असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और अन्य उत्तर-पूर्वी राज्यों को महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा। इससे माल ढुलाई की दक्षता बढ़ेगी, रसद लागत कम होगी और क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की जीत के बाद तारिक रहमान का बड़ा संदेश

भारत के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़कर संबंधों को और आगे बढ़ाएंगे

अपने देश के लोगों के लिए कहा

1 अब मिली असली आजादी और अधिकार

2 जवाबदेह संसद और सरकार की वापसी हुई

3 किसी बहाने से लोगों के साथ अन्याय नहीं



प्रेस वार्ता में बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान

अर्थव्यवस्था और संस्थाओं पर भी जताई चिंता तारिक रहमान ने कहा कि नई सरकार ऐसे समय काम शुरू करेगी जब अर्थव्यवस्था कमजोर है, संविधान और संस्थाएं दबाव में हैं और कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दौर की शासन व्यवस्था ने दाने को नुकसान पहुंचाया है, जिसे अब मिलकर ठीक करना होगा।

कानून व्यवस्था कायम रखने की अपील

बीएनपी प्रमुख ने स्पष्ट कहा कि किसी भी कीमत पर कानून व्यवस्था बनाए रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी बहाने से किसी के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। सुरक्षित और मानवीय बांग्लादेश बनाने के लिए सबके सहयोग की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अब देश के पुनर्निर्माण का समय है और हर पक्ष को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी। उन्होंने समर्थकों से भी संयम बरतने और शांति बनाए रखने की अपील की।

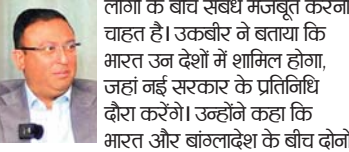
बीएनपी ने पीएम मोदी का किया धन्यवाद

बीएनपी और तारिक रहमान की जीत पर पीएम नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले फोन कर बधाई दी थी। बीएनपी ने 'एक्स' पर लिखा कि बहुत-बहुत धन्यवाद, माननीय नरेंद्र मोदी। राष्ट्रीय चुनाव में बीएनपी की निर्णायक जीत दिलाने में तारिक रहमान के नेतृत्व को आपने जिस तरह से सराहा, उसके लिए हम बहुत आभारी हैं। बांग्लादेश अपने सभी नागरिकों के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों और सबकों साथ लेकर चलने और आगे बढ़ने वाले विकास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। हम आपसी सम्मान, एक-दूसरे की चिंताओं के प्रति संवेदनशीलता और हमारे क्षेत्र में शांति, स्थिरता और खुशहाली के लिए एक साझा समर्पण से प्रेरित होकर, अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए भारत के साथ रचनात्मक तरीके से जुड़ने की उम्मीद करते हैं।

तारिक के करीबी का दावा

भारत के साथ नए संबंधों की होगी शुरुआत: कबीर

तारिक रहमान के करीबी सहयोगी और अंतरराष्ट्रीय मामलों को संभालने वाले हुमायूं कबीर ने कहा कि नई सरकार भारत के साथ



लोगों के बीच संबंध मजबूत करना चाहत है। उक्तबीर ने बताया कि भारत उन देशों में शामिल होगा, जहां नई सरकार के प्रतिनिधि दौरे करेंगे। उन्होंने कहा कि भारत और बांग्लादेश के बीच दोनों तरफ से उच्चस्तरीय दौरे होना सामान्य बात है। लेकिन नई सरकार सिर्फ सरकार की स्तर तक सीमित रिश्ते नहीं चाहती, बल्कि आम लोगों तक इस संबंधन को फैलाना चाहती है।

कई क्षेत्रों में रिश्तों को देंगे मजबूती

उन्होंने कहा कि पहले की तरह संबंध सीमित दायरे में नहीं रहेंगे, बल्कि व्यापार, निवेश और सामाजिक जुड़ाव के जरिए रिश्तों को और मजबूत किया जाएगा। नई सरकार संतुलित और व्यापक विदेश नीति अपनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के मुद्दे पर बांग्लादेश किसी एक पक्ष का साथ नहीं लेगा। उन्होंने साफ कहा कि बांग्लादेश अपने राष्ट्रीय हित और आपसी सम्मान के आधार पर ही दूसरे देशों से संबंध रखेगा। वहीं, बीएनपी नेता अमीर खरूस महमूद चौधरी ने भी कहा है कि हमारी नीतियां देश-केन्द्रित नहीं होंगी, बल्कि सभी देशों के लिए एक ही विदेश नीति होगी। इसमें म्यूचुअल इंटेरेस्ट, म्यूचुअल रेस्पेक्ट और म्यूचुअल स्ट्रेटेजी पर आधारित होंगी।

निर्वासित क्राउन प्रिंस पहलवी की मांग

विश्व नेता ईरान सरकार पर बनाएं दबाव कहा- चुप्पी साधने से तानाशाही बढ़ती

एजेसी ►► म्यूनिख

ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रेजा पहलवी ने विश्व नेताओं से ईरान सरकार पर दबाव बढ़ाने की अपील की है। जर्मनी के म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा कि अगर लोकतांत्रिक देश चुप बैठे रहे तो ईरान में और जानें जाएंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि तेहरान के खिलाफ निर्षक्रयता बुलियों और दमनकारी शासन को बढ़ावा देती है। रेजा ने 'ग्लोबल डे ऑफ एक्शन' का एलान किया। उन्होंने समर्थकों से म्यूनिख, लॉस एंजेलिस और टोरंटो में प्रदर्शन करने को कहा। इनका मकसद ईरानी जनता के समर्थन में ठोस और तुरंत अंतरराष्ट्रीय कदम उठाने का है।

निर्वासन के बाद भी सक्रिय पहलवी



रेजा पहलवी

रेजा पहलवी ईरान के अपदस्थ शाह के बेटे हैं, जिन्होंने 1979 में सत्ता छोड़कर देश छोड़ा था। वह करीब 50 साल से निर्वासन में हैं, लेकिन खुद को ईरान के भविष्य की राजनीति में एक विकल्प के रूप में पेश कर रहे हैं। उनका दावा है कि ईरान में जनता बदलाव चाहती है और अंतरराष्ट्रीय समर्थन से यह संभव है।

47 वर्षों से ईरान वार्ता कर रहा: ट्रंप

परमाणु समझौते पर ओमान की राजधानी मस्कट में दोनों देशों के बीच पहले दौर की वार्ता बेततीजा रही, जिसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 47 वर्षों से ईरान केवल वार्ता को टालता रहा है, जबकि कई लोगों ने अपनी जान गंवाई है। उन्होंने दो टुक कहा कि इसे हमेशा के लिए सुलझा देंगे। देखते हैं आगे क्या होता है? हम इसका सामना करेंगे।

म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में जर्मन चांसलर मर्ज की अमेरिका को दो टूक

यूरोप-यूएस के बीच रिश्तों में गहरी दरार, नियमों से चलने वाली दुनिया अब खत्म

एजेसी ►► म्यूनिख

जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा है कि यूरोप की आजादी की अब गारंटी नहीं है। मर्ज के मुताबिक यूरोप अब यह मानकर नहीं चल सकता कि उसे अपने-आप सुरक्षा मिलती रहेगी। म्यूनिख में सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस (एमएससी) को संबोधित करते हुए मर्ज ने माना कि यूरोप और अमेरिका के रिश्तों में गहरी दरार आ गई है। उन्होंने कहा कि नियमों से चलने वाली दुनिया खत्म हो गई है, वैश्विक व्यवस्था अब उस रूप में मौजूद नहीं रही। मर्ज ने कहा कि दुनिया अब बड़ी शक्तियों की प्रतिस्पर्धा से चल रही है। सम्मेलन में कई यूरोपीय नेता और अमेरिकी के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भी मौजूद रहे। फ्रेडरिक मर्ज ने शुक्रवार को जर्मनी के म्यूनिख में 13 से 15 फरवरी तक हो रहे म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया।

फैसले ताकत और हितों के आधार पर हो रहे

ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं

नाटो की यूरोप के साथ अमेरिका को जरूरत



जर्मन चांसलर मर्ज (बाएं) और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो

मर्ज ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जो वैश्विक व्यवस्था बनी थी, वह अब खत्म हो गई है। उस समय देश आपसी नियमों और समझ के आधार पर काम करते थे, लेकिन अब हालात बदल गए हैं। ऐसे माहौल में यूरोप यह मानकर नहीं चल सकता कि उसकी सुरक्षा और आजादी अपने-आप बनी रहेगी। यूरोपीय देशों को अब ज्यादा जिम्मेदारी लेनी होगी। जरूरत पड़े तो त्याग भी करना होगा और अपनी रक्षा व अर्थव्यवस्था खुद मजबूत करनी होगी। मर्ज के मुताबिक, अब फैसले साझा नियमों से नहीं, बल्कि ताकत और अपने-अपने हितों के आधार पर लिए जा रहे हैं।

अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता

मर्ज ने कहा कि आज की दुनिया में अमेरिका भी अकेले नहीं चल सकता। अब हालात ऐसे हो गए हैं कि कोई भी बड़ी ताकत अपने दम पर हर चुनौती का सामना नहीं कर सकती। महाशक्तियों के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका को भी सहयोगियों की जरूरत है। सुरक्षा, रक्षा, तकनीक और व्यापार जैसे बड़े मुद्दों पर साझेदारी जरूरी है। सिर्फ ताकत के भरोसे आगे बढ़ना अब संभव नहीं है। मर्ज ने साफ किया कि नाटो सिर्फ यूरोप के लिए नहीं, बल्कि अमेरिका के लिए भी फायदेमंद है। यह गठबंधन दोनों पक्षों को मजबूत बनाता है। उन्होंने कहा कि यूरोप नाटो के भीतर ही एक मजबूत ताकत बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है, ताकि साझेदारी बराबरी की हो।

विदेश मंत्री रुबियो का दावा

अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका और यूरोप के बीच रिश्ते टूटने वाले नहीं हैं। उन्होंने साफ कहा कि दोनों पक्षों के बीच मले कुछ मतभेद बढ़ें हों, लेकिन अमेरिका चाहता है कि ट्रांस-अटलांटिक संबंध (अमेरिका-यूरोप साझेदारी) मजबूत ही बने रहें। उन्होंने माना कि अमेरिका ने हाल के समय में यूरोप से बातचीत में काफी सीधी और कड़ी भाषा इस्तेमाल की है। लेकिन उनका कहना था कि इसका मकसद रिश्ते खराब करना नहीं, बल्कि उन्हें फिर से मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि हमने बातचीतों साथ-साथ की हैं, अब मिलकर उन्हें सुधारना होगा।

यूरोप के साथ नहीं टूटेंगे रिश्ते गलतियों को मिलकर सुधारेंगे

यूरोप भरोसेमंद और पुराना दोस्त

रुबियो ने कहा कि अमेरिका यूरोप को अपना सबसे पुराना और भरोसेमंद दोस्त मानता है। दोनों ने इतिहास में कई युद्ध साथ लड़े हैं और बलिदान दिए हैं। आने वाले समय में भी अमेरिका यूरोप के साथ मिलकर आगे बढ़ना चाहता है। ट्रंप सरकार यूरोप से ज्यादा जिम्मेदारी, बराबरी का सहयोग और गंभीर साझेदारी चाहती है। अमेरिका अपने सहयोगियों से अब साफ-साफ और सीधे तरीके से बात करता रहेगा। हमारा घर मले ही पश्चिमी गोलार्ध में हो, लेकिन हम हमेशा यूरोप की संतान रहेंगे।

भगवान शिव के विवाह उत्सव पर बारात आज

महाशिवरात्रि पर्व : शिवालय सजे, धार्मिक अनुष्ठानों की धूम

हरिभूमि जबलपुर।

महाशिवरात्रि पर्व पर, बन रहे कई खास योग, इन चार शुभ मुहूर्त में अभिषेक कर भोलेनाथ को करें प्रसन्न महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। इस साल भोले बाबा का महापर्व महाशिवरात्रि 15 फरवरी को फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को मनाई जाएगा। इस दिन कई शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन विशेष रूप से शुभ चतुर्ग्रही योग बन रहा है। 48 साल बाद फिर महाशिवरात्रि पर्व पर यह योग बने हैं। पंचांग के अनुसार घनिष्ठा नक्षत्र पर परिध योग, शकुनीकरण और मकर राशि की चंद्रमा की उपस्थिति में शिवरात्रि आ रही है। भगवान शिव के महापर्व को लेकर शहर के शिव मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं, महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा-अर्चना करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस दिन शिवलिंग का पंचोपचार पूजन और रात्रि जागरण विशेष फलदायी होता है। इस दिन भगवान शिव की आराधना कई गुना अधिक फल देती है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और पूजा करने से युवतियों को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। महाशिवरात्रि भगवान शिव का विवाह उत्सव है। देवाधिदेव महादेव भोलेशंकर का महापर्व शिवरात्रि फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की त्रियोदशी तिथि आज रविवार 15 फरवरी को नगर में धार्मिक आस्था और श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया जाएगा। इस मौके पर नगर के शिव मंदिरों, देवालयों में विविध धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं।

जगमग रोशनी से सजे शिवालय

आकर्षक विद्युत साज सजा से नहाए शिवमंदिरों में शिवरात्रि पर्व पर सुबह से लेकर देर रात तक भक्तजनकों का जनश्रैलाब उमड़ेगा। मंदिरों में अभिषेक, पूजन के



साथ भजन, कीर्तन का भी दौर चलेगा। कचनार सिटी विजय नगर स्थित बड़े महादेव मंदिर में स्थापित भगवान शिव की भव्य एवं विशालकाय प्रतिमा के समक्ष आज श्रद्धालुओं की अरुंधी खासी भीड़ जुटेगी। भरतीपुर स्थित शिव पार्वती मंदिर से विगत कई वर्षों से निकाली जा रही शिव पार्वती बारात इस साल भी सायंकाल अनेक झांकियों सहित धूम-धाम के साथ निकाली जाएगी। इसी तरह गौरीघाट स्थित साकेत धाम, बड़ा फुहारा स्थित शिव मंदिर, गंजीपुरा शिवमंदिर के अलावा नगर के विभिन्न शिव मंदिरों में आज शिवरात्रि पर दिन भर भक्तों की भीड़ जुटेगी। घरों में श्रद्धालुजन दिन भर का वत रखकर भोलेनाथ का पूजन, अभिषेक करेंगे।

शिव पूजन के अनेक रूप

ज्योतिषाचार्य पं. पीएल गौतमाचार्य के अनुसार शास्त्रों में शिव पूजन के अनेक रूपों की व्यवस्था की गई है। अलग-अलग कामनाओं के आधार पर इनका पूजन विधान भी वर्णित किया गया है परंतु पार्थिव शिवलिंग पूजन का अजना अलग महत्व है। हाथ की लकड़ें बदलती हैं शिवलिंग निर्माण में। इस कारण अनेक भक्त मिट्टी के शंकरजी स्वयं बनाते हैं। माना जाता है कि शिवलिंग बनाने में हाथ की दुर्भाग्य रेखाएं सौभाग्य रेखा में बदलती हैं।

ऐसे करें पूजन

ज्योतिषाचार्य पं.पीएल गौतमाचार्य ने बताया कि इस व्रत में रात्रि जागरण व पूजन का बड़ा ही महत्व है, इसलिए सायंकाल स्नानादि से निवृत्त होकर वैदिक मंत्रों द्वारा प्रत्येक पहर में पूर्व या उत्तराभिमुख होकर रुद्रभिषेक करना चाहिए। इसके बाद सुगंधित पुष्प, गंध, चंदन, विल्व पत्र, धातू, धूपदीप, मांग, नैवेद्य द्वारा रात्रि के चारों पहर में पूजा करनी चाहिए। घर, शिवालयों में भी पहर में करते हुए ओम नमः शिवाय का जप करना चाहिए।

जगह-जगह भंडारे आयोजित

महाशिवरात्रि पर्व पर जगह-जगह भंडारों के कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। नगर के अति प्राचीन शिवालय स्वयं सिद्ध पीठ गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, पिंपलेश्वर महादेव मंदिर, कचनार सिटी के बड़े शंकर जी, सिद्धेश्वर महादेव जिलहरीघाट, बड़े शिवालय गंजीपुरा और बड़े महावीर मंदिर, में स्थित शिवालयों में आज महाशिवरात्रि के मेले का आयोजन भी होगा। बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ भोलेनाथ के दर्शन करने पहुंचेंगे। गुप्तेश्वर में



भगवान का अद्भुत श्रंगार किया जाएगा, वहीं बड़े शिवालय कचनार सिटी में 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन करने मेला भरेगा। बड़े महावीर फुहारे के पास शिवालय में बाबा अमरनाथ की झांकी भी सजाई जावेगी।

भूत-प्रेत, घोड़े-हाथी सब बनेंगे बाराती

इस अवसर पर परम्परानुसार शिव-पार्वती मंदिर भरतीपुर

से सायंकाल भगवान भोलेनाथ की आकर्षक बारात निकाली जाएगी। बारात में भूत-प्रेत, घोड़े-हाथी और अन्य बाराती भी शामिल होंगे। भगवान की मनमोहक झांकियां बारात में प्रस्तुत की जाएंगी। श्रीशिव पार्वती प्राचीन सिद्ध मंदिर अखण्ड मानस महायज्ञ सेवा समिति के तत्वावधान में सायं 6 बजे भरतीपुर सौनकर (खटीक) समाज द्वारा शिव पार्वती शोभायात्रा (बारात) जुलूस शिव पार्वती मंदिर भरतीपुर से धूमधाम के साथ निकाली जाएगी। शोभायात्रा में विशिन्न झांकिया आकर्षण का केन्द्र होंगी। शोभायात्रा भरतीपुर से ओमती, तुलराम चौक, करमचंद चौक, मालवीय चौक, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया गेट, कोतवाला, मिलौलीगंज, हनुमानताल, भानलैया, घमापुर चौक, लकड़गंज, दर्शन चौक होते हुए शिव पार्वती मंदिर भरतीपुर पहुंचेंगी जहां भगवान शिव-पार्वती का विवाह संपन्न होगा।

प्रमुख मंदिरों में उमड़ेगी भीड़

महाशिवरात्रि पर शहर के प्रमुख मंदिर शिव मंदिर कचनार सिटी, गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, रामेश्वरम महादेव मंदिर साकेतधाम गौरीघाट मंदिर, गैबी नाथ मंदिर पिसनहारी मढ़रिया, सर्वमंगला गौरीशंकर मंदिर मिल्टक रस्की, शाहनाला शिव मंदिर, सहित अन्य शिवालयों में भारी भीड़ उमड़ेगी। महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत शिव मंदिर कचनार सिटी में आज से अखंड रामायण का पाठ प्रारंभ हो गया है। सुबह भगवान शिव के रुद्रभिषेक के बाद राम दरबार का पूजन-अर्चन किया गया। इसके साथ ही साकेत धाम गौरीघाट एवं पद्माधाम कटंगी में भी शिवरात्रि महोत्सव के तहत विभिन्न अनुष्ठान हो रहे हैं। इसके साथ ही गुप्तेश्वर महादेव मंदिर में भी अनेक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध जिला, पुलिस और निगम प्रशासन की संयुक्त रूप से की गई बड़ी कार्रवाई 24 घंटे का नोटिस जारी, एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया

जबलपुर। उच्च न्यायालय के आदेशों

का अक्षरशः पालन करते हुए जिला प्रशासन, पुलिस और नगर निगम की संयुक्त टीम ने शहर के अस्पतालों में प्रदूषण नियंत्रण मानकों की जांच के लिए एक व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, पुलिस अधीक्षक सगुप्त उपाध्याय और निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार का नेतृत्व में संयुक्त टोला जा रहा है। इस कार्रवाई का उद्देश्य शहरवासियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित

वातावरण प्रदान करना है।

कार्रवाई के संबंध में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि कटंगी बायपास स्थित अस्पतालों के औचक निरीक्षण के दौरान टीम ने पाया कि मंगलम हॉस्पिटल और हेल्थ सिटी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में ई टी पी. अपशिष्ट उपचार संयंत्र संचालित नहीं थे। सबसे गंभीर विषय तब सामने आया जब अस्पताल स्टाफ को बायोमैडिकल वेस्ट खुले में जलाने हुए पाया गया, जो कि पर्यावरण नियमों का स्पष्ट

उल्लंघन है। नियमों के उल्लंघन पर अस्पताल प्रबंधन के विरुद्ध 1 लाख रुपये का चालान काटा गया। प्रबंधन को नोटिस जारी किया गया है, 24 घंटे के भीतर संतोषजनक जवाब न मिलने पर अस्पताल को सील करने की कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस संयुक्त कार्रवाई में स्वास्थ्य अधिकारी सुश्री अंकिता बर्मन, सहायक स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र राज, पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की साइटिस्ट रश्मा रहंगडाले और अशिया एक्का आदि उपस्थित रहे।

कालेज में लगा निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर



जबलपुर। नविकेता इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में सुख सागर मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल के सहयोग से 13 फरवरी 2026 को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता डॉ. दीपति गुप्ता रहीं, जबकि डॉ. बरखा परमार ने स्वास्थ्य जांच सत्र में सक्रिय सहभागिता की। शिविर में बीपी, शुगर, बीएमआई जांच, चिकित्सकीय परामर्श के साथ विश्व एनीमिया दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क हीमोग्लोबिन जांच भी की गई तथा आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। कार्यक्रम को संचालक डॉ. अनुपम राव एवं प्रबंध संचालक श्रीमती श्रद्धा राव का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। आयोजन डॉ. गरिमा चौबे (प्राचार्य) के नेतृत्व में संपन्न हुआ। रेड रिबन क्लब से प्रो. श्री अंकित खुरसिया (नोडल अधिकारी) एवं प्रो. अभिषेक बैजजिन ने सहयोग किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. श्री रामकांत रजक ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के शिक्षण एवं अशिक्षण कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

“ऋतु रंग नाट्य महोत्सव 2026”

का हुआ गरिमामय समापन

जबलपुर। ऋतु रंगशाला आर्ट कल्चर एंड वेल्फेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय “ऋतु रंग नाट्य महोत्सव 2026” का समापन संस्कृति मंत्रालय दिल्ली, संस्कृति संचालनालय मोहाल एवं शहीद स्मारक ट्रस्ट समिति के सहयोग से हुआ। अंतिम दिन आनंद मिश्रा के निदेशन में कालजयी नाटक “एक कंठ विप्रायी” का मंचन किया गया। नाटक में दक्ष द्वारा भगवान शिव के अपमान, सती के आत्महत्या एवं शक्तिपीठों की स्थापना की कथा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। समापन अवसर पर गोटोगांव विधायक महेंद्र नागेश एवं सांसद प्रतिनिधि पंकज चौधरी उपस्थित रहे। संस्था के निदेशक प्रवीण नामदेव एवं सचिव ने दर्शकों, कला-प्रेमियों और साहित्यकारों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए अगले वर्ष और भव्य आयोजन की घोषणा की।

सिंहोरा में महाशिवरात्रि पर भव्य आयोजन

सिंहोरा। महाशिवरात्रि के

अवसर पर रविवार को बाबाताल शिवमंदिर से शिवजी की भव्य बारात निकाली जाएगी। बारात शाम 5:30 बजे शुरू होकर पुराना बस स्टैंड, बौरी हिराहा, आजाद चौक, झंडा बाजार, काल भैरव चौक, मैना कुआँ और हरदोल मंदिर होते हुए शुभारंभ स्थान पर पहुँचेंगी। मंदिर में शिवलिंग निर्माण, ध्वज यात्रा, मंत्रआरती और विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। महिलाओं द्वारा मंडप में हल्दी रस्स और महददी संगीत की रस्स पहले ही पूर्ण की गई। उपनगर खितौली के नरसिंह मंदिर में भी शिवजी का पूजन, अर्चन और रुद्रभिषेक आयोजित होंगे।

पाटन में जय मातेश्वरी भक्त परिवार के तत्वावधान में 14 से 16 फरवरी तक प्रतिदिन पार्थिव शिवलिंग निर्माण और रुद्रभिषेक का आयोजन ज्ञान विजय परिवार, अनुविभागीय अधिकारियों कक्षालय के पास सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जा रहा है।

एसईसीएल कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई, 60 दिनों में निर्णय लेने के निर्देश

हरिभूमि जबलपुर।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति विशाल धगट की एकल पीठ ने दक्षिण पूर्वी कोल फील्ड्स लिमिटेड के छह कर्मचारियों द्वारा दायर याचिका पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि याचिकाकर्ताओं को 15 दिनों के भीतर नया प्रतिवेदन प्रस्तुत करने और संबंधित अधिकारी को 60 दिनों में उस पर निर्णय लेने के निर्देश दिए हैं। धनपुरी शहडोल निवासी

याचिकाकर्ताओं राजनीश कांत खरे, राकेश कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार गौतम, शरद गुप्ता, राजेश कुमार चंद्रवंशी और नीरज कच्छ ने अपनी सेवा संबंधी गोपनीय रिपोर्ट में अवांछनीय ग्रेडिंग को चुनौती दी थी और वर्ष 2023-24 की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट (एससीआर) के पुनर्मूल्यांकन कर पदेनन्ति की मांग की है।

सभी याचिकाकर्ता एस ई सी एल की सोहागपुर क्षेत्र की डामिनी यूजी खदान में माइनिंग सरदार और ओवरमैन के पद पर

कार्यरत हैं। उनका सेवा रिकॉर्ड अच्छा रहा है और उनकी उपस्थिति भी उत्कृष्ट रही है। याचिकाकर्ता राजनीश कांत खरे को वर्ष 2023-24 का सर्वश्रेष्ठ माइनिंग सरदार पुरस्कार भी मिला था। याचिकाकर्ताओं का आरोप है कि इसके बावजूद उन्हें और डामिनी यूजी खदान के लगभग 80% कर्मचारियों को वर्ष 2023-24 के लिए मनमाने ढंग से औसत ग्रेडिंग दी गई। यह ग्रेडिंग उनके वास्तविक प्रदर्शन के विपरीत है और इससे उनकी पदेनन्ति अवरूद्ध हो गई है।

याचिकाकर्ताओं ने बताया कि उन्होंने इस संबंध में कई बार प्रतिवेदन प्रस्तुत किए, लेकिन अधिकारियों ने कोई कार्रवाई नहीं की। उनके संघ ने भी 28 जुलाई 2025 को एससीआर में हेरेफेर की आशंका जताते हुए इसकी समीक्षा की सिफारिश की। याचिकाकर्ताओं ने आरटीआई के तहत भी जानकारी मांगी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया। याचिकाकर्ताओं की ओर से असीम त्रिवेदी, आनंद शुक्ला, पंकज तिवारी, विनीत टेहनगुनिया, शुभम पाटकर ने पैरवी की।

मध्यस्थता का मूल तत्व संवाद: जस्टिस जेके माहेश्वरी

अधिवक्ता परिषद द्वारा शीघ्र एवं प्रभावी न्याय पर आयोजित की गई न्यायपथ कार्यशाला

जबलपुर। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद द्वारा होटल आईटीसी वेलकम, तिलवारा रोड में आयोजित न्यायपथ कार्यशाला में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेके माहेश्वरी ने कहा कि भारतीय न्याय व्यवस्था में मध्यस्थता का प्रमुख स्थान है। उन्होंने बताया कि विवादों का त्वरित और प्रभावी निराकरण संवाद के माध्यम से संभव है। जस्टिस माहेश्वरी ने बताया कि पूर्व में भी मध्यस्थता द्वारा ही त्वरित न्याय की व्यवस्था रही है और आज भी मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम के प्रावधान इसी उद्देश्य को सुदृढ़ करते हैं। कार्यशाला में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा ने कहा कि भारतीय



संस्कृति में मध्यस्थता एवं सुलह परंपरागत रूप से न्याय प्रदान करने का प्रमुख माध्यम रही है। उन्होंने धारा 11 का उल्लेख करते हुए बताया कि इससे पक्षकार आपसी सहमति से मध्यस्थ चुनकर न्याय प्रक्रिया को सुचारु बना सकते हैं। कार्यशाला के अन्य प्रमुख वक्ताओं में प्रशासनिक न्यायाधिपति विवेक रूसिया,

न्यायमूर्ति आनंद पाठक, छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधिपति संजय एस अग्रवाल, भारत सरकार के अतिरिक्त महान्यायाधी सुनील जैन और अधिवक्ता परिषद के महासचिव विक्रम दुबे शामिल थे। अंतिम सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक रवीनल कुलकर्णी ने संघ की 100वीं वर्षगांठ

और न्याय क्षेत्र में संघ की भूमिका पर प्रकाश डाला। मंचासीन सदस्य थे: प्रदीप सिंह सेंगर, भारत सरकार के अतिरिक्त महान्यायाधी। कार्यशाला में अनेक अधिवक्ता और न्यायविद उपस्थित रहे, जिन्होंने मध्यस्थता के महत्व और त्वरित न्याय प्राप्ति में इसके योगदान पर विचार साझा किए।

नगर निगम की सुहागी एवं रांझी में बड़ी कार्रवाई

जबलपुर। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार के निदेशानुसार शहर के सभी 16 संगमों में बकाया राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में आज संगम क्रमांक 15 सुहागी और 10 रांझी के द्वारा की गई सख्त कार्रवाई के कारण करदाताओं ने मौके पर ही बकाया राशि का अधिक रूप से भुगतान किया गया। वसूली अभियान के दौरान वाई क्रमांक 72 में



तत्काल सक्रियता दिखाई और मौके पर ही 50 हजार रुपये की राशि निगम कोष में जमा कराई। शेष राशि के भुगतान के लिए भी आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। इसी प्रकार संगम क्रमांक 10 रांझी के अंतर्गत महर्षि सुदर्शन वाई के अंतर्गत कुर्की की कार्रवाई के दौरान 32 हजार 61 रुपये का चेक प्राप्त किया गया। वसूली की कार्यवाही के समय राजस्व अधिकारी आनंद मिश्रा, संगमोध्य अधिकारी संतोष अगवाल, नरेश शर्मा, राजस्व निरीक्षक शशिष उपाध्याय, सहा. राजस्व निरीक्षक प्रिया पाठक, राजेश डैनियाल आदि उपस्थित रहे।

हिन्दू सेवा परिषद का वलैटाइन डे पर शहर में रहा पहरा

जबलपुर। हिन्दू सेवा परिषद तत्परता के साथ अश्लीलता फुहाड़ता एवं लव जिहाद के विरुद्ध कार्य रहता है इसी कड़ी में इस वर्ष भी वलैटाइन डे पर लव जिहाद करने वाले एवं अश्लीलता फैलाने वाले प्रेमी जोड़े पर अंकुश लगाने हेतु प्रातः भंवर लाल उद्यान में ताले लगाए गए तथा प्रदर्शन कर वलैटाइन डे का विरोध किया गया। इसलिए हिन्दू सेवा



परिषद ने शहर के मुख्य उद्यानों में पहरे दिए एवं भंवरताल गार्डन में तालाबंदी कर जोड़ों को खदेड़ा गया और पश्चिमी पड़ुति का पुरजोर विरोध किया। हिन्दू सेवा परिषद के प्रखंड प्रमुख अभिषेक अहिरवार ने बताया कि आज हर परिवार में माता-पिता अपने बच्चों से इसीलिए भी परेशान हैं क्योंकि उनके अंदर भारतीय संस्कृति की कमी आ रही है तथा भारतीय संस्कृति दूषित हो रही है इसलिए यह विरोध प्रदर्शन अति आवश्यक है। इस प्रदर्शन के दौरान हिंदू सेवा परिषद के अभिषेक अहिरवार, अंकित विवरकर्मा, उमेश रजक, कुकेश गुप्ता, ओम अहिरवार, सन्नी सौनकर एवं अन्य उपस्थित थे।

पुष्पावती नगरी में ध्वजारोहण के साथ वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव प्रारंभ

जबलपुर। शुक्रवारी बजरिया हनुमानताल स्थित श्री तारण तरण दिगंबर जैन वैद्यालय का तीन दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव शुक्रवार को सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज एवं वेदी सुतान रामडिम मुरी परिवार के तत्वावधान में पुष्पावती नगरी फुटाताल में प्रारंभ हुआ। मांडिया प्रमारी दीपक राज जैन ने बताया कि मेला नायक के रूप में जिनशासन पुष्प परिवार (जबलपुर, सागर, नागपुर, भोपाल) ने ध्वजारोहण किया। मांडीजी



गया। संगमरमर की वेदियों पर विधि-विधान से स्थापना की गई। संस्था में भक्ति, प्रवचन तथा महिला मंडल व बालकों द्वारा 'महासती सीता की अग्नि परीक्षा' नाटक की प्रस्तुति दी गई। वहीं, महोत्सव के दूसरे दिन 14 फरवरी को सामायिक, मंत्र जाप, प्रवचन, पालकी शोभायात्रा, कलशारोहण के साथ रात्रि में उस्मानपुर दिल्ली के भजन गायक संजीव जैन की भजन संध्या हुई। समिति के सतीश समैया, शरद समैया, दीपक राज जैन, सीप राहुल जैन, राजू परासिया, मनोज मंटू कुंटा वाले, पं. संतोष जैन भाईजी, जतिन समैया, अरुण समैया एवं राजेश दिगंबर ने समाजजन से सहभागिता की अपील की है।

24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

जेन जी और मिलेनियल्स की पहली पसंद बना सोना

इस समय सोना निवेश का बढ़िया विकल्प बनकर उभर रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स यानी युवा भारतीयों का सोने पर भरोसा मजबूत बना हुआ है, लेकिन इसे खरीदने का तरीका धीरे-धीरे बदल रहा है। स्मिटन पल्सएआई के सर्वे में सामने आया है कि सोने की खरीद अब अधिक व्यक्तिगत और छोटी रकम/मात्रा में होने लगी है। 18-39 वर्ष के 5,000 उपभोक्ताओं पर आधारित इस अध्ययन के अनुसार पारंपरिक, परिवार-केंद्रित खरीदारी की जगह अब तक-आधारित और व्यक्तिगत फैसलों का महत्व बढ़ रहा है। जेन जी और मिलेनियल्स सोने की खरीद को अब शादी-समारोह से आगे बढ़कर व्यक्तिगत माइलस्टोन और पहली सैलरी जैसे शुरुआती निवेश के रूप में देख रहे हैं।

सुरक्षा के मामले में पहली पसंद

आधुनिक निवेश विकल्पों की बढ़ती पहुंच के बावजूद युवा भारतीयों के लिए सोना अब भी सबसे भरोसेमंद निवेश बना हुआ है। सर्वे के अनुसार यदि आज 25,000 रुपये निवेश करने हों तो 61.9% उत्तरदाता सोने को चुनेंगे। यह आंकड़ा म्यूचुअल फंड (16.6%), फिक्स्ड डिपॉजिट (13%), शेयर बाजार (6.6%) और क्रिप्टो (1.9%) से काफी आगे है। आर्थिक अनिश्चितता के समय भी सोने पर भरोसा कायम है। 65.7% लोगों ने कहा कि बैंक बचत, म्यूचुअल फंड या इक्विटी की तुलना में सोना उन्हें सबसे सुरक्षित विकल्प लगता है। यह ट्रेंड दशाता है कि जेन जी और मिलेनियल्स दोनों के लिए सोना अब भी वित्तीय सुरक्षा का प्रमुख सहारा बना हुआ है।

छोटी खरीदारी बन रही नया ट्रेंड

सर्वे से स्पष्ट संकेत मिलता है कि अब सोने की बड़ी और कम अंतराल वाली खरीदारी से हटकर छोटी और नियमित खरीदारी का रुझान तेजी से बढ़ रहा है। हाल की 61.9% खरीद 5 ग्राम से कम की रही, जिसमें 27.5% लोगों ने 2 ग्राम से कम और 34.4% ने 2 से 5 ग्राम के बीच सोना खरीदा। अब 42% परिवार समय-समय पर छोटी मात्रा में सोना खरीदना पसंद कर रहे हैं, जबकि 58% अभी भी एकमुश्त और अवसर आधारित खरीद करते हैं।

प्राइवेट नौकरी वाले जान लें अहम टिप्स

- ▶ अपने वेतन का करीब 20 फीसदी शुरू से ही निवेश करें
- ▶ अपना बजट बनाएं, लक्ष्य तय करें और गैरजरूरी खर्चों से बचें
- ▶ सैलरी 10% बढ़ती है, तो कम से कम 5% अतिरिक्त निवेश करें
- ▶ व्यक्तिगत हेल्थ इंश्योरेंस जरूर लें, यह बीमारी में काम आएगा



प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करने वाले लाखों युवाओं के लिए करियर की शुरुआत उत्साह और सपनों से भरी होती है। अच्छी सैलरी, कॉर्पोरेट लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते अवसर आकर्षित करते हैं, लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक सच्चाई भी है प्राइवेट नौकरी में सरकारी कर्मचारियों जैसी पेंशन, स्थायी सुरक्षा या व्यापक सामाजिक लाभ अक्सर उपलब्ध नहीं होते। ऐसे में यदि वित्तीय योजना मजबूत न हो, तो भविष्य असुरक्षित हो सकता है। करियर की शुरुआत में की गई छोटी वित्तीय गलतियां समय के साथ बड़ी समस्या बन जाती हैं। इसलिए जरूरी है कि शुरुआत से ही सतर्क रहें और कुछ सामान्य लेकिन गंभीर वित्तीय भूलों से बचें।

अनियंत्रित जीवनशैली की शुरुआत

अक्सर युवा नौकरी लगते ही खर्च की आजादी का आनंद लेने लगते हैं। सैलरी आते ही किराया, घुमना-फिरना, गैजेट्स और ऑनलाइन शॉपिंग पर पैसा खर्च हो जाता है। लेकिन यदि आय और खर्च का स्पष्ट बजट न हो, तो बचत पीछे छूट जाती है। वित्तीय स्थिरता की पहली शर्त है बजट बनाना। 50-30-20 फॉर्मूला एक आसान तरीका है। इसमें 50% आय जरूरी खर्चों के लिए, 30% लाइफस्टाइल और शोक के लिए तथा 20% बचत और निवेश के लिए रखा जाता है। समस्या तब होती है जब लोग बचत वाले हिस्से को टाल देते हैं। कई बार दिखावे या सामाजिक दबाव में जरूरत से ज्यादा खर्च कर बैठते हैं। याद रखें, कमाई से ज्यादा जरूरी है पैसे का प्रबंधन।

वेतन बढ़ा, बचत नहीं

प्राइवेट सेक्टर में समय-समय पर इंक्रीमेंट और प्रमोशन मिलते हैं। लेकिन अक्सर देखा गया है कि वेतन बढ़ते ही खर्च भी उसी अनुपात में बढ़ जाता है। इसे लाइफस्टाइल इन्फ्लेशन कहते हैं। नई कार, महंगा मोबाइल, बांडेड कैफे, बार-बार ट्रैवल ये खब बढ़ती आय के साथ जुड़ जाते हैं। नतीजा यह होता है कि बचत की दर स्थिर रह रहती है या घट जाती है। समझदारी यह है कि हर वेतन वृद्धि के साथ निवेश भी बढ़ाया जाए।



निवेश के मामले में परिवार की भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण है, लेकिन सोने की खरीद के फैसले अब तेजी से व्यक्तिगत होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 66.7% उत्तरदाताओं ने कहा कि आज सोना खरीदना मुख्य रूप से व्यक्तिगत और स्वयं प्रेरित निर्णय बन चुका है, न कि केवल पारिवारिक प्रभाव से लिया गया फैसला। 42.3% लोगों ने बताया कि उनके घर में हाल की सोने की खरीद की पहल उन्होंने खुद की, जबकि 40% ने माता-पिता या बड़े परिवार के सदस्यों को इसका श्रेय दिया। यह बदलाव पीढ़ियों के बीच स्पष्ट अंतर को दिखाता है। जेन जी अब कम और कैसे सोना खरीदना है, इसका फैसला खुद लेने में अधिक आत्मविश्वास दिखा रहे हैं और इसे व्यक्तिगत वित्तीय निर्णय मानते हैं। वहीं, मिलेनियल्स अब भी गोल्ड को परिवार की योजना और दीर्घकालिक सुरक्षा के नजरिए से देखते हैं, जहां खरीदारी सामूहिक प्राथमिकताओं से प्रभावित रहती है।

अब शादियों तक सीमित नहीं

दिलचस्प बात यह है कि पहली बार सोना खरीदना अब केवल शादी जैसे अवसरों तक सीमित नहीं रहा। 24.3% लोगों ने अपनी पहली सैलरी या व्यक्तिगत आय के बाद पहली बार सोना खरीदा, जबकि 23.9% ने इसे निवेश के रूप में चुना। यह ट्रेंड पीढ़ियों के व्यवहार में अंतर भी दिखाता है। जेन जी छोटे और व्यक्तिगत माइलस्टोन से सोने की खरीद शुरू कर रहे हैं, जबकि मिलेनियल्स इसे जीवन की बड़ी घटनाओं और दीर्घकालिक सुरक्षा से जोड़कर देखते हैं।

सोने की खरीद में डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग बढ़ा है। इसके बावजूद सोने की खरीदारी में अभी भी पारंपरिक चैनल्स पर भरोसा अधिक है। सर्वे के अनुसार, 38.3% लोग सबसे अधिक सोना बड़ी ब्रांडेड ज्वेलरी चैन से खरीदते हैं, जबकि 34.7% उपभोक्ता स्थानीय ज्वेलर पर भरोसा करते हैं। इसके विपरीत, केवल 5.2% लोग ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ऐप के जरिए सोना खरीद रहे हैं। खरीद से जुड़ी चिंताओं में शुद्धता और प्रामाणिकता सबसे बड़ी चिंता के रूप में सामने आई, जिसे 49.4% उत्तरदाताओं ने प्रमुख कारण बताया।

शेयर बाजार की बदहाली से इक्विटी म्यूचुअल फंड में घटा निवेश

जानकारी

बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में इन दिनों उठा-पटक का दौर चल रहा है। किसी दिन शेयर बाजार का सूचकांक कुल्लावे भरते हुए ऊपर चढ़ जाता है तो किसी दिन जमीन पर लोटने लगता है। तभी तो इस साल के पहले महीने यानी जनवरी 2026 में इटिवटी म्यूचुअल फंड में निवेश थोड़ा कम हुआ। स्थिति यह रही कि इस महीने गोल्ड ईटीएफ में इटिवटी म्यूचुअल फंड के मुकाबले ज्यादा निवेश हुआ। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के मुताबिक जनवरी महीने के दौरान इटिवटी म्यूचुल फंड्स में 24,028 करोड़ रुपये आए। इससे एक महीने पहले यानी दिसंबर 2025 के दौरान 28,054 करोड़ रुपये आए थे। मतलब कि इस महीने निवेश में 14% की कमी आई है। यदि साल दर साल के आधार पर देखें तो

जनवरी 2025 की तुलना में इस साल जनवरी में यह गिरावट 39% रही है। पिछले साल जनवरी के दौरान इस फंड में 39,681 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था। इटिवटी फंड्स में कौन पहली पसंद जनवरी के दौरान अलग-अलग तरह के इटिवटी फंडों में, फ्लेक्सिकैप फंड निवेशकों की पहली पसंद बने रहे। इनमें सबसे ज्यादा 7,672 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद मिडकैप फंड में 3,185 करोड़ रुपये और लार्ज एंड मिड-कैप फंड में 3,181 करोड़ रुपये का निवेश आया। स्मॉलकैप फंड में 2,942 करोड़ रुपये आए, लेकिन ईएलएसएस फंड से निवेशकों ने 593 करोड़ रुपये निकाल लिए। अगर पिछले महीने से तुलना करें, तो फोकस फंड में निवेश 47% बढ़ा। दिसंबर 2025 में इनमें 1,056 करोड़ रुपये आए थे, जो जनवरी 2026 में बढ़कर 1,556 करोड़ रुपये हो गए। लाजिकैप फंड और सेक्टर/ला थीमैटिक फंड में भी पिछले महीने की

- ▶ गोल्ड ईटीएफ में निवेश 106% बढ़ा
- ▶ शेयर बाजार में इन दिनों खूब दिख रही उठापटक
- ▶ आम निवेशकों का सेंटिमेंट प्रभावित हुआ

तुलना में क्रमशः 28% और 10% ज्यादा निवेश आया। वहीं, मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड में निवेश पिछले महीने के मुकाबले 24% और 23% घट गया। **डेट फंड का चला जादू**

जनवरी 2026 के दौरान डेट फंड में 74,827 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह अच्छी खबर है क्योंकि पिछले दो महीनों (नवंबर और दिसंबर 2025) में डेट फंड से कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये बाहर चले गए थे। पिछले साल जनवरी की तुलना में इस साल डेट फंड में निवेश 42% कम रहा, जब 1.28 लाख करोड़ रुपये आए थे। डेट फंड की 16 अलग-अलग श्रेणियों में से, ओवरनाइट फंड में सबसे ज्यादा 46,280 करोड़ रुपये का निवेश आया। वहीं, कॉर्पोरेट बॉन्ड फंड

में 11,472 करोड़ रुपये निकाल लिए गए। लिक्विड फंड में 30,681 करोड़ रुपये और मनी मार्केट फंड में 12,763 करोड़ रुपये का निवेश आया। **हाइब्रिड फंड में भी रौनक**

बीते जनवरी महीने के दौरान हाइब्रिड फंड में 17,356 करोड़ रुपये का निवेश आया। यह दिसंबर 2025 के 10,755 करोड़ रुपये की तुलना में 61% ज्यादा है। पिछले साल जनवरी 2025 की तुलना में यह आंकड़ा 98% बढ़ा है, जब 8,767 करोड़ रुपये का निवेश आया था। हाइब्रिड फंड की छह श्रेणियों में से, मल्टी-सेक्टर एलोकेशन फंड में सबसे ज्यादा 10,485 करोड़ रुपये का निवेश आया। इसके बाद आर्बिट्रराज फंड में 3,293 करोड़ रुपये आए। आर्बिट्रज फंड

चालीस की उम्र में कर रहे हैं रिटायरमेंट प्लानिंग तो अपना लें ये अहम टिप्स

शुरुआत

बिजनेस डेस्क

रिटायरमेंट प्लानिंग अक्सर लोग 50 की उम्र के बाद शुरू करने की सोचते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि 40 की उम्र वह मोड़ है, जहां से भविष्य की आर्थिक सुरक्षा की असली तैयारी शुरू होती है। यह उम्र आमतौर पर करियर का सबसे स्थिर और आय का सबसे मजबूत दौर होता है। आमदनी अपने शिखर की ओर बढ़ रही होती है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं। बच्चों की पढ़ाई, होम लोन की ईएमआई, माता-पिता की देखभाल और जीवनशैली से जुड़े खर्च। ऐसे में यदि आपने अब तक रिटायरमेंट के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा है, तो अब वकत है, इसका विस्तृत विश्लेषण करें। 40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग का मतलब है सीमित खर्च में अधिक प्रभावी रणनीति अपनाना। आपके पास अब 20–25 साल का कार्यकाल बचा हो सकता है। इस दौरान सही निवेश, अनुशासन और निष्क्रिय प्रबंधन से आप एक मजबूत रिटायरमेंट कॉर्पस तैयार कर सकते हैं। इसके पहले अपनी आय, खर्च, ईएमआई, मौजूदा निवेश और बीमा की स्थिति और स्पष्ट रूप से समझें। हर महीने कितना पैसा बचता है और कितना खर्च होता है, इसका विस्तृत विश्लेषण करें। इसके साथ ही महंगाई दर, भविष्य के मेडिकल खर्च और रिटायरमेंट के बाद की जीवनशैली को ध्यान में रखते हुए यह अनुमान लगाएं कि आपको कितनी रकम की जरूरत होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि रिटायरमेंट के बाद भी वर्तमान खर्च का कम से कम 70–80% हर महीने चाहिए होगा।



रिटायरमेंट को प्राथमिकता बनाएं

अक्सर लोग बच्चों की पढ़ाई या घर खरीदने को प्राथमिकता देते हैं और रिटायरमेंट को टालते रहते हैं। लेकिन याद रखें, बच्चों को शिक्षा के लिए लोन मिल सकता है, रिटायरमेंट के लिए नहीं। इंजीएफ, पीपीएफ, एनपीएस और म्यूचुअल फंड एसआईपी जैसे साधनों में नियमित निवेश बढ़ाएं। कोशिश करें कि अपनी आय का कम से कम 15–25% हिस्सा रिटायरमेंट के लिए सुरक्षित रखें। यदि संभव हो तो हर साल आय बढ़ने के साथ निवेश राशि भी बढ़ाएं। **महंगे कर्ज से जल्दी छुटकारा पाएं**

क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर 12% से 24% तक ब्याज देना आपकी संपति निर्माण की क्षमता को कमजोर करता है। ऐसे कर्ज को प्राथमिकता से खत्म करें। होम लोन अपेक्षाकृत सस्ता होता है, लेकिन यदि अतिरिक्त राशि उपलब्ध हो तो प्री-पेमेंट जरूर करें। कर्ज मुक्त जीवन रिटायरमेंट की दिशा में बड़ा कदम है।

इमरजेंसी फंड बनाना न भूलें

रिटायरमेंट निवेश के साथ-साथ एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना भी जरूरी है। कम से कम 6 से 9 महीने के खर्च के बराबर राशि सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखें। यह फंड अचानक नौकरी छूटने, बीमारी या किसी अप्रत्याशित खर्च के समय सुरक्षा कवच का काम करेगा। इससे आपको निवेश तोड़ने की जरूरत नहीं पड़ेगी। **टैक्स प्लानिंग से बचाएं बचत**

सही टैक्स प्लानिंग से आप अपनी निवेश क्षमता बढ़ा सकते हैं। आयकर की धारा 80सी, एनपीएस में अतिरिक्त निवेश (80सीसीडी(बी)), हेल्थ इंश्योरेंस (80डी) और कैपिटल गेन प्लानिंग का लाभ उठाएं। टैक्स बचत केवल बचत नहीं है, बल्कि आपके भविष्य के लिए अतिरिक्त निवेश का अवसर है। **पर्याप्त बीमा सुरक्षा सुनिश्चित करें**

40 की उम्र में परिवार आप पर निर्भर होता है। इसलिए पर्याप्त र्म लाइफ इंश्योरेंस जरूर लें, जो

कम से कम आपकी वार्षिक आय का 10–15 गुना हो। साथ ही, एक अच्छा हेल्थ इंश्योरेंस प्लान भी रखें, क्योंकि उम्र बढ़ने के साथ मेडिकल खर्च तेजी से बढ़ते हैं। समय-समय पर अपनी पॉलिसी की समीक्षा करना भी जरूरी है। बच्चों की शिक्षा एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, लेकिन इसे रिटायरमेंट की कीमत पर पूरा करना समझदारी नहीं है। शिक्षा के लिए अलग निवेश योजना बनाएं, जैसे कि इटिवटी म्यूचुअल फंड या वाइल्ड प्लान। ध्यान रखें कि लंबी उम्र एक बड़ा वित्तीय जोखिम है। यदि रिटायरमेंट फंड पर्याप्त नहीं होगा, तो बाद में आर्थिक निर्भरता की स्थिति बन सकती है। **नियमित समीक्षा सफलता की कुंजी**

रिटायरमेंट प्लानिंग एक बार का निर्णय नहीं, बल्कि निरंतर प्रक्रिया है। हर साल अपने निवेश, खर्च और लक्ष्यों की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है या जिम्मेदारियां कम होती हैं, तो निवेश की गति बढ़ाएं। पोर्टफोलियो में इटिवटी और डेट का संतुलन उम्र के अनुसार रखें। जैसे-जैसे रिटायरमेंट नजदीक आए, जोखिम कम करते जाएं। **स्पष्ट रणनीति अपनाएं**

40 की उम्र में रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करना देर नहीं है, बसते आप अनुशासित और स्पष्ट रणनीति अपनाएं। सही दिशा में उठाना गया कदम आपको आर्थिक स्वतंत्रता और सम्मानजनक जीवन दे सकता है। याद रखें, रिटायरमेंट कोई अंत नहीं, बल्कि जीवन का नया अध्याय है और इसकी तैयारी आज से ही शुरू होती है।

महंगाई के दौर में बच्चों के लिए बनाएं फंड

उच्च शिक्षा के लिए करें मजबूत प्लानिंग

तैयारी

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा केवल एक आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी बन चुकी है, लेकिन इसके साथ स्कूल और कॉलेज की फीस सामान्य महंगाई दर से कहीं ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। इंटरनेशनल बोर्ड, प्रोफेशनल कोर्स, विदेश में पढ़ाई, हॉस्टल और रहने-खाने का खर्च ये सभी मिलकर उच्च शिक्षा को बेहद महंगा बना देते हैं। ऐसे में माता-पिता के लिए यह जरूरी हो गया है कि वे समय रहते अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए व्यवस्थित और दीर्घकालिक वित्तीय योजना बनाएं। अक्सर देखा जाता है कि माता-पिता एक अनुमानित रकम तय कर लेते हैं और हर महीने एसआईपी शुरू कर देते हैं। यह एक अच्छा कदम है, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल एसआईपी पर निर्भर रहना पर्याप्त है? बदलते आर्थिक हालात और शिक्षा महंगाई को देखते हुए जवाब है नहीं। जरूरत है एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति की।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ा फायदा

उच्च शिक्षा की योजना में समय सबसे महत्वपूर्ण कारक है। यदि बच्चा छोट है और आप अभी से निवेश शुरू करते हैं, तो कंपाउंडिंग का लाभ कई गुना बढ़ जाता है। उदाहरण के तौर पर, यदि आप 10–15 साल तक नियमित एसआईपी करते हैं, तो छोटी-छोटी मासिक बचत भी बड़ा फंड बना सकती है। देर से शुरुआत करने पर आपको अधिक रकम निवेश करनी पड़ सकती है, जिससे घरेलू बजट पर दबाव बढ़ सकता है।

एक निवेश विकल्प पर निर्भर न रहें

अक्सर लोग पूरे शिक्षा फंड को इटिवटी म्यूचुअल फंड में निवेश कर देते हैं और फीस भरने तक उसे वहीं रखते हैं। लेकिन यदि फीस के समय बाजार में गिरावट आ जाए, तो आपके फंड की वैल्यू घट सकती है। इसलिए जरूरी है कि जैसे-जैसे फीस का समय नजदीक आए, निवेश की सुरक्षित विकल्पों में शिफ्ट किया जाए। उदाहरण के लिए लक्ष्य से 3–4 साल पहले धीरे-धीरे डेट फंड या एफडी में ट्रांसफर करें। अंतिम 1–2 साल में जोखिम बहुत कम कर दें और पैसा लिक्विड या सुरक्षित साधनों में रखें। यह रणनीति आपको बाजार के उतार-चढ़ाव से बचाती है।

शिक्षा महंगाई का सही अनुमान लगाएं

भारत में शिक्षा महंगाई दर सामान्य महंगाई से अधिक, लगभग 8–12% तक मानी जाती है। यदि आज किसी कोर्स की फीस 10 लाख रुपये है, तो 10 साल बाद वही कोर्स 20–25 लाख रुपये तक हो सकता है। इसलिए भविष्य की लागत का अनुमान लगाते समय महंगाई को शामिल करना जरूरी है। केवल वर्तमान फीस देखकर योजना बनाना पर्याप्त नहीं है।

- तेजी से महंगी हो रही पढ़ाई, अभी नहीं संभले तो पड़ेगा भारी
- एसआईपी समेत कई निवेश विकल्पों के बारे में सोचना होगा
- एक संतुलित, बहुआयामी और समयबद्ध रणनीति बनानी होगी

अन्य खर्चों को भी जोड़ें

अक्सर माता-पिता केवल ट्यूशन फीस को ध्यान में रखकर फंड बनाते हैं, जबकि वास्तविक खर्च इससे कहीं अधिक होता है। विशेषकर विदेश में पढ़ाई के मामले में रहने और खाने का खर्च, हेल्थ इंश्योरेंस, यात्रा खर्च, लैपटॉप और अन्य गैजेट्स, एलिकेशन फीस, इंटरशिप या प्रोजेक्ट खर्च इन सभी खर्चों को जोड़कर ही वास्तविक लक्ष्य तय करें। विदेश में पढ़ाई का खर्च तो डॉलर या अन्य विदेशी मुद्रा में होने के कारण और भी बढ़ सकता है।

एजुकेशन लोन से न घबरायें

कई माता-पिता एजुकेशन लोन को नकारात्मक नजर से देखते हैं, लेकिन यह सोच हमेशा सही नहीं होती। यदि समझदारी से लिया जाए, तो एजुकेशन लोन रिटायरमेंट सेविंग्स को बचाने में मदद कर सकता है। उदाहरण के लिए, यदि आपके पास शिक्षा और रिटायरमेंट दोनों के लिए सीमित फंड है, तो शिक्षा के लिए आंशिक लोन लेकर आप अपने रिटायरमेंट कॉर्पस को सुरक्षित रख सकते हैं। इसके अलावा, एजुकेशन लोन पर टैक्स लाभ भी मिलता है और पढ़ाई पूरी होने के बाद बचें खुद इसे चुकाने में योगदान दे सकते हैं।

रिटायरमेंट से समझौता न करें

बच्चों की पढ़ाई महत्वपूर्ण है, लेकिन अपनी रिटायरमेंट सुरक्षा को नजर अंदाज करना भविष्य में आर्थिक संकट पैदा कर सकता है। शिक्षा के लिए आप लोन ले सकते हैं, लेकिन रिटायरमेंट के लिए नहीं। इसलिए दोनों लक्ष्यों में संतुलन बनाना जरूरी है। **नियमित समीक्षा करें**

हर साल अपनी योजना की समीक्षा करें। यदि आपकी आय बढ़ती है, तो SIP की राशि भी बढ़ाएं। अगर लक्ष्य की लागत बढ़लती है या बच्चे की रुचि अलग दिशा में जाती है, तो योजना में संशोधन करें।

अनुशासन ही सफलता की कुंजी

बढ़ती महंगाई के इस दौर में बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए पहले से तैयारी करना अनिवार्य हो गया है। केवल बचत नहीं, बल्कि स्मार्ट निवेश, जोखिम प्रबंधन और समय पर समीक्षा ही मजबूत शिक्षा फंड का आधार बनते हैं। जल्दी शुरुआत, विविध निवेश, महंगाई का सही अनुमान और जरूरत पड़ने पर एजुकेशन लोन पर सभी कदम मिलकर आपके बच्चे के सपनों को साकार कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन में हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

- 600 करोड़ रुपए की नई सिंचाई परियोजना से खेत होंगे सिंचित, 33 गांवों को मिलेगा लाभ
- तेंदूखेड़ा और हटा में बनेंगे नए स्टेडियम
- नोहलेश्वर महोत्सव आस्था के साथ संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का उत्सव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि नोहलेश्वर महादेव की महिमा ऐसी है जो यहां एक बार आता है, उसका मन बार-बार यहां आने को करता है। कृपावंत, कृपाशंकर भगवान नोहलेश्वर महादेव के आशीर्वाद से हम प्रदेश के विकास और जनकल्याण के लिए पूरी ऊर्जा और जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

नोहलेश्वर महोत्सव आस्था ही नहीं, स्थानीय संस्कृति, परम्परा और सामाजिक समरसता का भी उत्सव है। हमारी सरकार आस्था के स्थलों के संरक्षण और पर्यटन विकास के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को दमोह जिले के ग्राम नोहटा में नोहलेश्वर महोत्सव मेले के अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने नोहलेश्वर मंदिर परिसर और मेला परिसर में विभिन्न विभागों की ओर से लगाई गई विकास प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।



मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का महोत्सव मेले में हल भेंट कर अभिनंदन किया गया।



युवक को प्रशस्ति-पत्र प्रदान करते सीएम।

नगर परिषद बनाने की घोषणा की

मुख्यमंत्री ने क्षेत्रीय जनता की मांग पर नोहटा को परीक्षण के उपरांत नगर परिषद बनाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि दमोह में 2 करोड़ रुपए की लागत से गीता मवन का निर्माण किया जाएगा। दमोह जिले में बादकपुर-सेमरखी जलाशय की क्षमता में वृद्धि कर 600 करोड़ रुपए की नई सिंचाई परियोजना विकसित की जाएगी। इससे 33 गांवों के खेतों को सिंचाई के लिए भरपूर पानी मिलेगा।

खबर संक्षेप

वन अमले पर हमला दर्ज नहीं हुआ मामला

भोपाल। शहडोल दक्षिण वन मंडल के डीएफओ, रंजर एवं वन कर्मचारियों पर 12 फरवरी को वन भूमि पर कोल खनन करने वाले माफिया ने जानलेवा हमला कर दिया था। कोल खनन माफिया के हमले में कर्मचारी और अधिकारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं, लेकिन पुलिस ने अभी तक प्रकरण दर्ज नहीं किया है। वन कर्मचारी मंच ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर कोल खनन माफिया पर अपराध दर्ज कर रासुका लगाने के साथ एसआईटी गठित कर आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग की। मंच ने अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि यदि जल्द ही एसआईटी गठित कर जांच करने एवं आरोपियों पर रासुका लगाने की कार्रवाई नहीं की तो मप्र वन कर्मचारी मंच आंदोलन करेगा।

3 दिनी एडवांसड पंचकर्म थैरेप्यूटिक वर्कशॉप 19 से

भोपाल। राजधानी भोपाल में आयुर्वेद पद्धती को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से एडवांसड पंचकर्म थैरेप्यूटिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। संस्थान के प्राचार्य डॉ. उमेश शुक्ला ने बताया कि यह कार्यशाला 19, 20 और 21 फरवरी को पंडित खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान में आयोजित होगी। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पंचकर्म की आधुनिक और उन्नत चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी, प्रशिक्षण से रोगियों को लाभ पहुंचाना है।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जनगणना देश की सबसे बड़ी और महत्वपूर्ण डेटा प्रक्रिया है। जनगणना के आधार पर सरकार की योजनाएं बनती हैं, संसाधनों का वितरण तय होता है और समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति तैयार होती है। आज भारत विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला राष्ट्र है। यह जनगणना केवल राष्ट्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक महत्व की भी है। उन्होंने कहा कि जनगणना का कार्य केवल प्रशासनिक प्रक्रिया तक सीमित नहीं है बल्कि यह भारत के भविष्य की दिशा तय करने वाला सबसे व्यापक और निर्णायक अभियान है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सत्र में मुख्य सचिव अनुराग जैन, रजिस्ट्रार जनरल तथा जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) नीरज मंडलोई, गृह शिवशेखर शुक्ला मौजूद थे। सम्मेलन में प्रदेश के सभी संभागायुक्त, कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त तथा अन्य प्रशासनिक अधिकारी सम्मिलित हुए।

जनगणना से ही समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने की रणनीति होती है तय कलेक्टर-कमिश्नर्स समय-सीमा में पूर्ण करें जनगणना कार्य, मजरों-टोलों का भी किया जाए आंकलन: सीएम



जनगणना-2027 के प्रथम चरण के लिए आयोजित राज्य स्तरीय प्रशिक्षण सम्मेलन को संबोधित करते मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिजिटल जनगणना कराने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। देश में आखिरी बार वर्ष 1931 में सामाजिक स्तर की जनगणना की गई थी। उन्होंने जनगणना की प्रक्रिया में गांवों, मजरों-टोलों के साथ-साथ बेचारा गांवों की स्थिति के आंकलन की व्यवस्था करने की भी आवश्यकता बताई। जनगणना केवल संख्या गिनने की प्रक्रिया नहीं है, यह राज्य की संवेदनशीलता, प्रशासन की विश्वसनीयता, प्रतिबद्धता और शासन की पारदर्शिता की परीक्षा है।

प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न हैं: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग अंचलों की चुनौतियां भिन्न हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष रणनीति अपनाते हुए समयबद्ध रूप से जनगणना की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाए। इस पूरी प्रक्रिया की सफलता का केन्द्र मैदानी प्रशासनिक अधिकारी हैं। मुख्यमंत्री ने कलेक्टर और कमिश्नर्स से जनगणना कार्य को रणनीतिक नेतृत्व प्रदान करते हुए जनगणना के सभी उद्देश्यों की समय सीमा में पूर्ति करने का आह्वान किया। उन्होंने सम्मेलन में उपस्थित प्रदेश के सभी कमिश्नर-कलेक्टरों से कहा कि मप्र प्रधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होकर 6 मार्च तक चलेगा। उन्होंने महाशिवरात्रि और होली जैसे त्योहारों के दृष्टिगत शांति समितियों के साथ बैठक कर अन्य आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने में जन भावनाओं का विशेष ध्यान रखा जाए।

अपने अनुभवों का समुद्र करने का श्रेष्ठ अवसर

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कहा कि चुनाव और जनगणना को प्रशासनिक व्यवस्था का सबसे कठिन कार्य माना जाता है। देश में हर 10 साल में जनगणना होती है। मप्र में करीब 1 लाख 27 हजार मजरे-टोले हैं, यदि मकानों की गणना के पत्रक में एक कॉलम मजरे टोले का रखा जाए, तो इससे राज्य सरकार को भविष्य की योजना बनाने में मदद मिलेगी।

सीएम साय ने वीर जवानों के असाभियक निधन पर जताया शोक

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शनिवार को धमतरी में हुए सड़क हादसे में कोबरा बटालियन के वीर जवानों के असाभियक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।



उन्होंने कहा कि राष्ट्रसेवा में समर्पित हमारे जांबाज जवानों का निधन अत्यंत हृदयविदारक है और यह क्षति अपूरणीय है। मुख्यमंत्री साय ने दिवंगत जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित

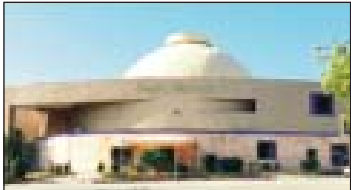
करते हुए कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने में कोबरा बटालियन के जवानों की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में राज्य सरकार पूरी संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री साय ने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायल जवान के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हर आवश्यक सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को घायल जवान के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

वाहनों की एंट्री और मूवमेंट पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा

विधायकों के साथ केवल एक निज सहायक और एक वाहन चालक को ही विधानसभा में दिया जाएगा प्रवेश

हरिभूमि न्यूज़ ►► गोपाल

सोमवार से शुरू रहे हरे मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र को लेकर इस बार अभूतपूर्व सुरक्षा और प्रशासनिक सख्ती देखने को मिलेगी। मध्यप्रदेश विधानसभा सचिवालय ने व्यवस्थाओं में बड़ा बदलाव करते हुए विधायकों के वाहनों के लिए साल में एक बार जारी होने वाला पार्किंग पास अनिवार्य कर दिया है। अब प्रत्येक सत्र में अलग से पास बनवाने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि एक वर्ष के लिए वैध पास जारी किया जाएगा। विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा के निर्देश पर यह नई व्यवस्था लागू की गई है। सचिवालय का कहना है कि इससे न केवल



प्रक्रिया सरल होगी, बल्कि सुरक्षा निगरानी भी अधिक प्रभावी हो सकेगी। पार्किंग व्यवस्था में आंशिक बदलाव करते हुए वाहनों की एंट्री और मूवमेंट पर सख्त नियंत्रण रखा जाएगा। विधानसभा परिसर को लगभग किले जैसी सुरक्षा व्यवस्था में तब्दील कर दिया गया है, ताकि सत्र निर्विघ्न और व्यवस्थित तरीके से चल सके।

अंगरक्षकों की एंट्री पर पूर्ण प्रतिबंध

सुरक्षा कारणों से इस बार मंत्रियों और विधायकों के अंगरक्षकों को विधानसभा भवन में प्रवेश नहीं मिलेगा। उन्हें केवल पार्किंग स्थल स्थित द्वार क्रमांक तीन तक ही अनुमति होगी। भवन और सदन की लॉबी में उनका प्रवेश पूरी तरह वर्जित रहेगा। यह कदम सुरक्षा एजेंसियों की सलाह पर उठाया गया है। विधायकों के साथ केवल एक निज सहायक और एक वाहन चालक को ही वैध प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। यहां तक कि किसी गैर-अधिकृत व्यक्ति को वाहन में बैठाकर भी परिसर में लाने पर रोक रहेगी।

एक दिन पहले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन का काम हुआ पूरा

भोपाल। राजधानी की नरेशा, उत्तर, दक्षिण पश्चिम और मध्य विधानसभा में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) का काम पूरा कर लिया है, जबकि हुजूर और बैरसिया और गोविंदपुरा में भी 99.99 प्रतिशत काम कंपलीट हो गया है। शेष विधानसभाओं में भी 99 फीसदी से अधिक काम हो गया है। हालांकि 118 लोगों की सुनवाई बाकी है। जिससे 16 लाख 86 हजार 915 मतदाताओं के नाम फाइनल कर लिए गए हैं। चार नवंबर से शुरू हुए एसआईआर का काम भोपाल में लगभग पूरा हो गया है। 21 फरवरी को एसआईआर की फाइनल वोटर लिस्ट जारी होगी। उपजिला निर्वाचन अधिकारी भुवन गुप्ता का कहना है कि सभी विस् में काम लगभग पूरा कर लिया गया है। अब फाइनल वोटर लिस्ट के प्रकाशन की तैयारी चल रही है।

तीन बेटों और एक बेटी में बड़े पुत्र थे हीराराम

कार्तिक उईके तीन पुत्रों और एक पुत्री के पिता थे, जिनमें हीराराम उच्छेठ पुत्र थे। हीराराम के दो पुत्र हैं, जो दोनों एमबीबीएस डॉक्टर हैं। पिता और पुत्र के एक साथ हुए इस दुखद निधन ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। गांव के लोग भी इस अजूबी घटना से व्यथित हैं और परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर जीवन की अनिश्चितता का अहसास कराया है। हालांकि लेख में हीराराम उईके के बीमार होने का उल्लेख है, लेकिन दोनों की मृत्यु के उपर कारणों का विस्तृत विवरण नहीं दिया गया है। यह घटना एक ऐसे समय में हुई है जब परिवार पढ़ने से ही एक सदस्य के गंभीर रूप से बीमार होने के कारण चिंत में था। पिता के निधन के सदमे और पुत्र के अंतिम क्षणों के बीच, यह घटना परिवार के लिए एक असहनीय पीड़ा लेकर आई है।

डोंगरगढ़ के भैंसरा गांव में हृदय विदारक घटना से गांव में पसरा मातम पिता के निधन की खबर सुनकर बेटे की मौत, एक साथ उठीं दोनों अर्थियां

हरिभूमि न्यूज़ ►► राजनंदगांव

जिले के डोंगरगढ़ ब्लॉक के भैंसरा गांव में एक हृदय विदारक घटना सामने आई है, जहां सेवानिवृत्त शिक्षक 81 वर्षीय कार्तिक उईके और उनके 52 वर्षीय शिक्षक पुत्र हीराराम उईके का एक साथ निधन हो गया। इस दुखद घटना से परिजनों और पूरे गांव में गहरा शोक व्याप्त है। जानकारी के अनुसार, सेवानिवृत्त शिक्षक कार्तिक उईके का निधन उनके घर पर ही हुआ। वहीं, उनके पुत्र हीराराम उईके करीब डेढ़ माह से रायपुर के एक अस्पताल में वेंटिलेटर पर भर्ती थे। पिता के निधन की खबर मिलने पर, परिजन उन्हें अंतिम दर्शन के लिए भैंसरा वापस ला रहे थे। इसी दौरान रास्ते में ही हीराराम उईके ने भी दम तोड़ दिया। पिता-पुत्र के एक साथ हुए इस आकस्मिक निधन से समूचे क्षेत्र में मातम पसर गया है। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन पहुंचे हैं, जहां दोनों का अंतिम संस्कार एक साथ किया जाएगा।



संकेत एवं दूरसंचार विभाग खुली निविदा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु निर्धारित ई-निविदा आमंत्रित करते हैं। निविदा सूचना क्रमांक: जबल-एन-सिग-टेण्डर-2026-8. कार्य का नाम लोकेशन सहित: पश्चिम मध्य रेल पर जबलपुर मंडल के ईटारसी-माणिकपुर खंड (कुल 09 संख्या) के कोडल लाइक के आधार पर आउटलाइव इलेक्ट्रिक सिपिंटिंग बैरियर को बदलना (सिग्नलिंग कार्य)। निविदा का अनुमानित मूल्य: ₹ 1,12,28,559.65. निविदा फार्म की कीमत: 00. कार्यालय का पता: मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, प्रथम तल, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, जबलपुर। बयाना राशि: ₹ 2,06,200/-, समापन अवधि: 11 माह। निविदा बंद होने एवं खुलने की अंतिम तिथि एवं समय: दिनांक 09.03.2026 को 15.00 बजे बंद होगी एवं 15.00 बजे के बाद खोली जाएगी। निविदा सूचना की पूर्ण जानकारी रेलवे वेबसाइट "https://reps.gov.in" पर उपलब्ध है तथा मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर भी उपलब्ध है। उक्त निविदा उक्त वेबसाइट से ऑनलाइन आवेदन की जा सकती है।

सख्त भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

</

कार्यालय नगर परिषद बरही जिला कटनी (म.प्र.)						
फोन नं. 07622 274220 ईमेल- cmobarhi@mpurban.gov.in						
क्र./3332/NP/2026		निविदा आमंत्रण सूचना		बरही, दिनांक 13/02/2026		
कार्यालय नगर परिषद, बरही द्वारा नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग म.प्र. शासन के प्रचलित आइ. एस. एस. आर प्रभावशील दिनांक 02/08/2021 (निविदा जारी दिनांक तक हुये सभी संशोधनों सहित) अनुसार कम / प्रशिक्षित दत्त पर लोकनिर्माण विभाग में केन्द्रीकृत पंजीयन पद्धति में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है ।निविदा का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://www.moteters.gov.in पर देखी जा सकती है।						
सं. क्र.	टेंडर क्रमांक	निविदा का प्रकार	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं प्राक्कलन राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अमानत राशि	निविदा की अंतिम तिथि
01	2026_UAD_481223_1	प्रथम आमंत्रण	वार्ड क्रमांक 08 में स्टेशन रोड मुख्यमार्ग पर आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	04 माह (वर्षा काल सहित) 656700.00	2000.00 6567.00	02/03/2026
02	2026_UAD_481714_1	द्वितीय आमंत्रण	वार्ड क्र.02 में सामुदायिक भवन / बारात घर निर्माण कार्य।	06 माह (वर्षा काल सहित) 17,18,343.00	2000.00 12900.00	02/03/2026
धर्तः-1. आनलाईन निविदा प्रपत्र दिनांक 14/02/2026 सुबह 10:30 बजे से 02/03/2026 साय 17:30 बजे तक । 2. अमानत राशि एवं अन्य समस्त निविदा संबंधी दस्तावेज (हार्डकोपी) केवल आनलाईन ही मान्य की जावेगी। निविदा दिनांक 03/03/2026 को 17:30 से खोली जावेगी । 3. अतिरिक्त जानकारी वेबसाईट https://www.mptenders.gov.in पर टेंडरडाक्यूमेंट पर देखी जा सकती है या कार्यालय नगरपरिषद बरही में उपस्थिति होकर कार्यालयीन समय पर प्राप्त की जा सकती है ।नोट:- (1) निविदा में किसी भी प्रकार के संशोधन की स्थिति में आनलाईन संशोधन किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं । (2) निविदाकार को ईपीएफ का पंजीयन प्रमाण देना अनिवार्य होगा । (3) निविदाकार लेबर विभाग का पंजीयन प्रमाण देर स्वीकृति उपरांत देना अनिवार्य होगा। Cost Escalation Clause लागू नहीं होगा ।						
मुख्य नगर पालिका अधिकारी नगर परिषद बरही जिला कटनी (म.प्र.)						

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? ज्ञातव्य है कि 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से वहां अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात तो बांग्लादेश में उनके मुख्यालिक राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्लख होता हुआ दिखाई दिया। अब बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। हालांकि, इतिहास देखकर डर लगता है। बीएनपी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मतभेद रहे हों, उनको पूर्णतः मुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं। इन्हीं हालातों की पड़ताल करता *आजकल* का यह खास अंक...

बीएनपी की जीत के भारत के लिए मायने



विरलेषण

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी ने बड़ी जीत हासिल की है। पार्टी ने संसद की 299 सीटों में से कम से कम 210 से ज्यादा सीटें जीती हैं, जो दो-तिहाई बहुमत है। यह जीत 20 साल बाद बीएनपी की सत्ता में वापसी है। पार्टी के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान अब बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री बनने की राह पर हैं। अहम सवाल यह है कि बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार का कार्यकाल भारत के लिए कैसा होगा? क्या यह खालिदा जिया के कार्यकाल की तरह होगा, जहां बांग्लादेश में हर समस्या के लिए भारत पर आरोप लगाया जाता था और भारत-विरोधी नैरेटिव चलाया जाता था? या फिर बीएनपी नए अवतार में सामने आएगी और भारत के साथ संबंध बेहतर बनाकर अवसर को भुनाएगी?

बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार जब भी रही है, तब भारत के साथ संबंधों में गर्मजोशी नहीं रही है। ऐसे में तारिक रहमान की अगुआई वाली बीएनपी का रुख क्या होगा? इस सवाल को लेकर चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। बीएनपी की स्थापना 1978 में जियाउर रहमान ने की थी, जो भारत से दूरी और संप्रभुता पर जोर देती थी।

बीएनपी का इस्लामी राष्ट्रवाद

बीएनपी की विचारधारा इस्लामी राष्ट्रवाद और 'बांग्लादेश फ्रस्ट' पर आधारित है। यह अवामी लीग की भारत-समर्थक और सेन्सुअलर नीति से अलग थी। खालिदा जिया के कार्यकाल 1991-96 और 2001-06 में संबंध सबसे खराब रहे। भारत ने बीएनपी पर आरोप लगाया कि वह उत्तर-पूर्व के उग्रवादी गुटों को शरण देती है, बॉर्डर पर घुसपैठ और आतंकवाद को बढ़ावा देती है। बीएनपी ने भारत पर बॉर्डर किलिंग्स, पानी बंटवारे और ट्रॉजिट जैसे मुद्दों पर कड़ी आलोचना की। 2001-06 में बीएनपी-जमात गठबंधन के दौरान संबंध निचले स्तर पर पहुंच गए। अवामी लीग की शेख हसीना के दौर 2009-



2024 में अवामी लीग की भारत-समर्थक नीतियों के कारण बीएनपी को विपक्ष में रहते हुए भारत-विरोधी नैरेटिव अपनाया पड़ा। अवामी लीग भारत-समर्थक थी, जबकि बीएनपी भारत को संदेह की नजर से देखती रही, लेकिन 2024-2025 में एक बड़ा टर्निंग पॉइंट आ गया। छात्र आंदोलन से शेख हसीना की सरकार गिरी और वे भारत में शरण लेने को मजबूर हुईं। इसके बाद भारत-बांग्लादेश संबंध सबसे खराब दौर में पहुंचे।

मुलाकात के सकारात्मक संकेत

भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ढाका जाकर तारिक से मुलाकात की, जो सकारात्मक संकेत है। हाल के समय में बीएनपी रिशते सुधारने की कोशिश कर रही है। तारिक ने कहा कि बीएनपी भारत से अच्छे रिशते चाहती है, लेकिन बांग्लादेश के हित पहले हैं। वे अर्थव्यवस्था-आधारित विदेश नीति चाहते हैं और भारत से 'सम्मान और बराबरी' पर रिशते। उनके संकेत बताते हैं कि वे हसीना के समय की 'निर्भरता' से दूर रहेंगे, लेकिन संघर्ष नहीं चाहते। बहरहाल, दोनों देशों के बीच व्यापार, सुरक्षा और सीमा के मुद्दे जुड़े हैं। शेख हसीना के समय भारत-बांग्लादेश रिशते गोल्डन एरा में थे, लेकिन

2024 के आंदोलन के बाद तनाव बढ़ा। क्योंकि भारत की बांग्लादेश नीति हसीना पर ज्यादा निर्भर थी, जो अब एक गंभीर रणनीतिक भूल के रूप में देखी जा रही है। सुरक्षा और व्यापार में घनिष्ठ सहयोग के बदले भारत ने लोकतंत्र से जुड़ी चिंताओं को अपेक्षाकृत कम महत्व दिया। चीन ने लंबी अवधि के निवेशों के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूत किया, जो राजनीतिक परिवर्तनों के बावजूद टिके रह सके।

भारतीय कपास पर निर्भरता

दूसरी तरफ अमेरिका ने इसमें एक नया आयाम जोड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कच्चे माल से बने कुछ बांग्लादेशी वस्त्र निर्यात पर जीरो टैरिफ कर दिया है। बांग्लादेश का कपड़ा उद्योग उसकी अर्थव्यवस्था की जीवनेरेखा है। चीन के बाद बांग्लादेश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कपड़ा निर्यातक है। बता दें, भारत-बांग्लादेश के बीच सालाना 14 अरब डॉलर का व्यापार है। इससे भारत को करीब 10 अरब डॉलर का सरप्लस मिलता है। बांग्लादेश का वस्त्र उद्योग भारतीय कपास पर काफी हद तक निर्भर है। अगर बांग्लादेश ने इसके लिए चीन की ओर झुकाव दिखाया तो भारतीय निर्यात, खासकर

कपास के किसानों पर इसका असर देखने को मिल सकता है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बीएनपी की जीत पर बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि भारत एक लोकतांत्रिक, प्रगतिशील और समावेशी बांग्लादेश के समर्थन में खड़ा रहेगा। मैं बहुआयामी संबंधों को मजबूत करने और साझा विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए तारिक रहमान साथ काम करने के लिए उत्सुक हूँ। साफ है, पीएम मोदी का बधाई संदेश यह भी जा रहा है कि भारत बांग्लादेश की नई सरकार के साथ संबंधों को सुधारना चाहता है। भारत चाहता है कि पिछले 18 महीनों की उथल-पुथल को पीछे छोड़कर, जिसमें बांग्लादेश का चीन और पाकिस्तान के साथ बढ़ता संपर्क और हिंदू अल्पसंख्यकों की हत्याएं शामिल रहीं, एक स्थिर और कामकाजी रिश्ता बनाया जाए, ताकि दशकों पुराना सहयोगी साथ बना रहे।

शेख हसीना के दौर में दिल्ली और ढाका के रिशते स्थिर माने जाते थे। उनके कार्यकाल में व्यापार, परिवहन, सीमा सुरक्षा और जल बंटवारे पर ध्यान दिया गया। हालांकि दोनों मुल्कों के बीच कई विवादित मुद्दे अब भी बने हुए हैं, जिनमें तीस्ता नदी का प्रश्न शामिल है।

पुराने संबंध बहाल के प्रयास

भारत की कोशिश रहेगी कि अगर पुराने संबंध बहाल न हों तो भी आगे और रणनीतिक दूरी न पैदा हो, क्योंकि दोनों देशों के संबंध कई दशकों में सबसे निचले स्तर पर हैं। ढाका में यह धारणा व्यापक है कि दिल्ली ने अपद्रव्य प्रधानमंत्री हसीना का समर्थन कर लोकतांत्रिक गिरावट को बढ़ावा दिया। इस सोच ने भारत विरोधी भावनाओं को तेज किया है और उस संबंध को कमजोर कर दिया है, जिसे कभी आदर्श पड़ोसी संबंध कहा जाता था। बहरहाल, रिशते सुधारने के लिए दोनों पक्षों को प्रयास करने होंगे। दोनों देशों को मिलकर काम करना होगा, ताकि सीमा सुरक्षित रहे, व्यापार बढ़े और अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।

बांग्लादेश में अब हिंदुओं के लिए उम्मीद या खतरा



सूत्र

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में 12 फरवरी को हुए आम चुनावों ने सबको चौंका दिया है। इन चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने भारी बहुमत हासिल कर लिया। तारिक रहमान अब नव प्रधानमंत्री बनने वाले हैं। और उनकी पार्टी ने 209 से ज्यादा सीटें जीतीं, जो दो-तिहाई बहुमत है। जमायते-ए-इस्लामी जैसी इस्लामी पार्टी दूसरे नंबर पर आई है, लेकिन बीएनपी की जीत से लगता है कि लोग बदलाव चाहते हैं। 2024 के छात्र विद्रोह के बाद शेख हसीना की अवामी लीग को बैन कर दिया गया था और ये पहला चुनाव था, जहां लोग आजादी से वोट डाल सके। अब सवाल ये है कि क्या इस नई सरकार में हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों को सुरक्षा मिलेगी, या उनकी हालत पहले जैसी ही खराब रहेगी?

यदि एक देश की नहीं, बल्कि इंसानियत की बात है। सबसे पहले तो बांग्लादेश के इतिहास को समझना जरूरी है। 1971 में जब बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ, तो वो धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में बना था। उसके बाद से अल्पसंख्यकों, खासकर हिंदुओं की हालत लगातार खराब होती गई। उस समय हिंदू आबादी 30 फीसद के करीब थी, लेकिन अब घटकर 8-9 फीसद रह गई है। बार-बार हमले, लूटपाट, बलाकार और जमीन हड़पने की घटनाएं हुईं। अवामी लीग के समय में भी हमले होते थे, लेकिन बीएनपी और जमात के साथ मिलकर सरकार बनने पर ये और बढ़ जाते थे। हजारों घर जलाए गए, महिलाओं के साथ जुल्म हुए और कई लोग मारे गए। मानवाधिकार संगठनों ने रिपोर्ट की कि ये हमले बीएनपी के समर्थकों और जमायते- ए- इस्लामी के लोगों ने किए थे, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता था। 1971 के मुक्ति संग्राम में जमात ने पाकिस्तान का साथ दिया था और हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार किए थे। बीएनपी की जीत से पुरानी यादें ताजा हो रही हैं। अब बात करें हाल की। 2024 में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार आई, लेकिन उसके बाद से अल्पसंख्यकों पर हमलों की बाढ़ आ गई। हिंदू घरों को जलाया गया, मंदिर तोड़े गए, और लोग मारे गए। चुनाव से पहले ये और बढ़ गए। ये हमले सिर्फ हिंदुओं पर नहीं, बल्कि बौद्ध, ईसाई और आदिवासी समुदायों पर भी हुए। कई लोग कहते हैं कि ये हमले धार्मिक नहीं, बल्कि राजनीतिक हैं, क्योंकि हिंदुओं को अवामी लीग का समर्थक माना जाता है, तो बदला लिया जा रहा है। बांग्लादेश सरकार कहती है कि ज्यादातर घटनाएं सांप्रदायिक नहीं, बल्कि साधारण अपराध हैं। लेकिन मानवाधिकार संगठन और हिंदू नेता कहते हैं कि ये सिस्टेमेटिक है, और चुनाव के समय में बढ़ रहा है। बीएनपी ने चुनाव में हिंदू उम्मीदवार दिए हैं, और जमात ने भी एक हिंदू को टिकट दिया। तारिक रहमान ने कहा है कि उनकी सरकार सबको सुरक्षा देगी। लेकिन इतिहास देखकर डर लगता है। अगर जमात के साथ गठबंधन हुआ, तो इस्लामी कानूनों की मांग बढ़ सकती है, जो अल्पसंख्यकों के लिए मुश्किल होगी। अब सवाल ये है कि क्या हालत सुधरेगी? बीएनपी की जीत से कुछ लोग उम्मीद कर रहे हैं। चुनाव में वोटर टर्नआउट 59 फीसद था, और लोग लोकतंत्र चाहते हैं। बीएनपी ने अर्थव्यवस्था सुधारने और लोकतंत्र बहाल करने का वादा किया है, लेकिन अल्पसंख्यकों के लिए ये टेस्ट होगा। अगर सरकार में सख्त कदम नहीं उठाए, तो हमले जारी रहेंगे। अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर भारत को दबाव बनाना चाहिए। भारत ने पहले ही कहा है कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा जरूरी है। सोशल मीडिया पर भी लोग बात कर रहे हैं, जैसे एक यूजर ने कहा कि बीएनपी की जीत से हिंदुओं की सुरक्षा मजबूत होगी चाहिए, लेकिन निगरानी जरूरी है। ये कोई राजनीतिक खेल नहीं है। ये लाखों लोगों की जिंदगी का सवाल है। बांग्लादेश में हिंदू, बौद्ध, ईसाई सबको बराबर हक मिलना चाहिए। अगर बीएनपी सरकार ने पुरानी गलतियां नहीं दोहराईं, और जमात जैसे कट्टरपंथियों को काबू में रखा, तो शांद्व हालत सुधरे। अगर नहीं तो स्थिति और खराब हो सकती है। हमें उम्मीद करनी चाहिए कि नई सरकार सबको साथ लेकर चले, क्योंकि एक देश तभी तरक्की करता है जब सब सुरक्षित महसूस करे। भारत जैसे पड़ोसी देशों को मदद करनी चाहिए, लेकिन बिना दखल दिए। आखिर में, इंसानियत से ऊपर कुछ नहीं।

मोहम्मद यूनुस के किरदार की गंभीरता को समझना होगा



बांग्लादेश

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

बीते दो वर्षों में बांग्लादेश में राजनीतिक भूचाल आया। पहली बार ऐसा हुआ कि किसी वरिध्याई प्रधानमंत्री को देश से मागना पड़ा, लेकिन अब बांग्लादेश की सियासत में आए दिन लिखी जाने वाली नई गथा के बाद एक नया कूटनीतिक अक्षय्य शुरू होगा। आम चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने कई स्तर में कहा कि सत्ता संभालते ही उसका पहला बड़ा एजेंडा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का प्रत्यर्पण होगा। सवाल सिर्फ कानूनी नहीं, बल्कि भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला भी है। चूंकि बीते लंबे समय से हसीना को लेकर भारत-बांग्लादेश के अलावा पूरी दुनिया की निगाह है कि आखिर शेख हसीना को लेकर अगला अध्याय क्या होगा, लेकिन अब चुनाव के बाद दिशा मिल गई। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहद्वीन अहमद ने स्पष्ट कहा है कि उनकी पार्टी भारत से औपचारिक रूप से शेख हसीना को दायल के लिए बांग्लादेश प्रत्यर्पित करने का आग्रह करेगी। उनका कहना है कि यह मामला दोनों देशों के संवैधानिक मंत्रालयों के बीच तय कानूनी प्रक्रिया के तहत सुलझाया जाना चाहिए। बीएनपी का तर्क है कि हसीना के कार्यकाल में हुए कथित दमन और भ्रष्टाचार के मामलों की निष्पक्ष सुनवाई जरूरी है। पार्टी ने भारत से सहयोग की उम्मीद जाई है, लेकिन यह भी स्पष्ट कर दिया है कि व्यापिक प्रक्रिया से पीछे हटने का सवाल नहीं उठता। बांग्लादेश चुनाव में बीएनपी की बड़ी जीत के बाद पार्टी नेता तारिक रहमान देश की चुनाव समारोह के लिए तैयार हैं। इसके साथ ही दो दशक बाद बांग्लादेश की सत्ता में बीएनपी की वापसी हो रही है। इसका असर भारत पर भी होगा। पूर्व सत्ताधारी अवामी लीग को निजी अंगवस्त्रों के साथ छोटा सोशल मीडिया पर डाले, जिससे विश्व पटल पर थू-थू हुई। किसी भी सरकार का जीतना एक बार को सफल है, लेकिन शांति कायम करना और व्यवस्थित तौर पर संचालित करना करना बेहद चुनौतीपूर्ण, चूंकि वहां की जनता जो शेख हसीना के समय कर चुकी, वह दोबारा न हो। मोहम्मद यूनुस एक बांड के रूप में जाने जाते हैं। उनकी वैश्विक पहचान एक सामाजिक उद्यमी और नागरिक समाज के नेता के रूप में रही है। उनकी यह घोषणा थी कि वह चुनाव के बाद सत्ता में नहीं रहेंगे, लेकिन आज बांग्लादेश की सरकार को यूनुस की कितनी आवश्यकता है और क्या वह उनके किरदार व अनुभव का इस्तेमाल करके अपने आप को सशक्त करने का प्रयास करेंगे। कुछ मिलकर शांति स्थापित करने के लिए किस तरह उत्कृष्ट लिखी जाएगी, अभी यह तय होना बाकी है। लेकिन सरकार को यूनुस का फायदा यह मिल सकता है कि उनकी साख सभी नेताओं से बहुत मजबूत मानी जाती है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय समुदाय भी इस ट्रॉजिकन पर जजर बनाए हुए है और संभावना जताई जा रही है कि चुनाव के बाद यूनुस फिर से सामाजिक विकास, गरीबी उन्मुलन और फिनटेक आधारित वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। इस तरह उनका भविष्य प्रयक्ष राजनीति से दूर, लेकिन राष्ट्रीय पुनर्निर्माण से जुड़ा रह सकता है। ज्ञात हो कि टाइम मैगजीन ने बुधवार को वर्ष 2025 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों की लिस्ट जारी की थी जिसमें मोहम्मद यूनुस को जगह मिली है, जिससे उन्हें विश्व पटल पर बड़ी पहचान मिली थी। बहरहाल, अब बांग्लादेश को स्वयं को लेकर अपनी सकारात्मक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी चूंकि जितना कुत्सान बीते कुछ समय में हुआ है उसकी भरपाई करना बेहद मुश्किल है। सरकार का नया स्वप्न ऐसा होना चाहिए कि वह अपनी छवि को सुधारते हुए सभी के साथ चले और देश की जनता में अपना विश्वास बनाए रखे।



चुनौती

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

बांग्लादेश में तारिक रहमान की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी यानी बीएनपी की भारी जीत के बाद लंदन की जगह दिल्ली ने ले ली है। जब शेख हसीना की सरकार चलाती थीं, तब तारिक लंदन से उन पर निगाह रखते थे। अब रहमान सरकार चलाएंगे और हसीना दिल्ली से उस पर निगाह रखेंगी। उसका मतलब यह नहीं है कि रहमान हसीना के प्रत्यर्पण की मांग नहीं करेंगे। हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस भी करते रहे हैं और तारिक भी करते रहेंगे। बांग्लादेश में विद्रोह के बाद शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई जा चुकी है। इस बहाने उनके प्रत्यर्पण की मांग तारिक समेत कई अन्य नेता भी करते रहे हैं, लेकिन अब तारिक का सुर नरम हो सकता है। इसकी वजह यह है कि वे यूनुस की तुलना में कहीं ज्यादा वैध

लोकतांत्रिक सरकार के मुखिया बनने जा रहे हैं। लोकतांत्रिक सत्ता उतनी कठुर और कठोर नहीं हो सकती, जैसी वीणा वैध मतदान के बाद आई सरकारें होती हैं। वैसे भी भारत शेख हसीना को बांग्लादेश नहीं भेजने जा रहा है। बीएनपी का रुख भारत समर्थक तो नहीं ही रहा है, लेकिन बीएनपी प्रमुख खालिदा जिया के निधन के बाद भारत में बीएनपी का रुख अपनाया, उससे तारिक के मन की गांठ खुली है। खालिदा के शोक के वक्त जिस तरह भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कदम उठाया और ढाका जाकर तारिक से दुख व्यक्त किया, उसे बांग्लादेश के साथ भारत की भावी रणनीति और सांभावनाशील संबंधों की बानगी माना जा सकता है। भारत को अदेशा था कि चुनावों में बीएनपी को समर्थन मिल सकता है, इसलिए उसने सही समय पर सही कदम उठाने में कोई हिचक नहीं दिखाई। वैसे भी बांग्लादेश की सबसे प्रभावी पार्टी रही अवामी लीग ने चुनावों का बहिष्कार करने की घोषणा कर रखी थी। फिर यूनुस सरकार और कट्टरपंथी जमात ए इस्लाम के नेताओं ने अवामी लीग की राह में जमकर काटे बोए। ऐसे में बीएनपी की जीत की उम्मीद बेमानी भी

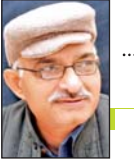
नहीं थी। भारत की ओर से तारिक रहमान से संपर्क साधना शुरू हो गया था। इसका असर तारिक के चुनाव प्रचार में भी दिखाई दिया। उन्होंने अपने चुनाव प्रचार के दौरान भूलकर



चुनाव जीतने के बावजूद बांग्लादेश के भावी प्रधानमंत्री तारिक की चुनौतियां कम नहीं होने जा रही हैं। इसकी वजह है, बांग्लादेश के बीते चुनाव में बेहद कम मतदान।

भी भारत के खिलाफ कोई बयान नहीं दिया, जिससे भविष्य में दोनों देशों के बीच बेहतर रिश्तों की उम्मीद जगी है। हसीना की वापसी पर भारत कहता रहा है कि शेख हसीना को

भारत को चीन और पाकिस्तान पर भी रखनी होगी नजर



दृष्टिकोण

प्रभात कुमार राय

विदेशी मामलों के जानकार

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी वस्तुतः तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश का आम चुनाव दो तिहाई बहुमत से जीत चुकी है। उल्लेखनीय है मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा बांग्लादेश के आम चुनाव में शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग को प्रतिबिधित करके चुनाव में शिरकत नहीं करने दी गई। उम्मीद की जा रही है कि खालिदा जिया के सहजबादों तारिक रहमान बांग्लादेश के प्रधानमंत्री पद पर आसीन हो जायेंगे। तारिक तकरीबन 17 वर्षों तक लंदन में राजनीतिक शरण में रहे। उनके पिता लेफ्टिनेंट जनरल जियाउर रहमान ने सन 1978 में बांग्लादेश नेशनल पार्टी का गठन किया था। 1981 में जियाउर रहमान के कल के बाद पार्टी का संचालन जियाउर रहमान की बेगम खालिदा जिया ने किया, जोकि बांग्लादेश की तीन दफा प्रधानमंत्री रही।

2007 में बांग्लादेश में सैन्य समर्थन वाली कार्यवाहक सरकार के कार्यकाल के दौरान तारिक रहमान को भ्रष्टाचार के संगीन इल्जाम में गिरफ्तार किया गया और तकरीबन 18 महीने जेल कानूने के बाद सितंबर 2008 में तारिक रहमान को रिहा कर दिया गया। रिहाई के बाद में सार्वसार

बांग्लादेश से पलायन करके लंदन में शरणागत हो गए। बांग्लादेश में अगस्त 2024 में शेख हसीना हुकूमत का तख्ता पलट हो जाने के पश्चात, तारिक वापस बांग्लादेश लौट आए। यक्ष प्रश्न है कि बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के सतानशील हो जाने के तत्पश्चात पाकिस्तान के साथ बांग्लादेश के ताल्लुकात किस कदर परवान चढ़ेंगे। बांग्लादेश की राजसत्ता पर आसीन हुई मोहम्मद यूनुस हुकूमत द्वारा पाकिस्तान के साथ अपने ताल्लुकात सुधारने की जरूरतदस्त कोशिश अंजाम दी गई। राजनीतिक विस्लेषकों का मानना है कि बीएनपी की हुकूमत का पाकिस्तान के साथ दोस्ताना रवैया स्थापित हो जाएगा। शेख हसीना के दौरान बांग्लादेश का रवैया भारत के प्रति अत्यंत दोस्ताना बना रहा था, किंतु इसके तत्पश्चात यूनुस हुकूमत में भारत और बांग्लादेश के ताल्लुकात बिगड़ते हुए दिखाई देने लगे। शेख हसीना को भारत द्वारा राजनीतिक शरण दिए जाने के पश्चात बांग्लादेश में उनके मुख्यालिक राजनेताओं का रुख भारत के प्रति बेहद विरोधी और तल्लख होता हुआ दिखाई दिया। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकदाई हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरखास्त करते रहे। यूनुस की अंतरिम हुकूमत के दौर में बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के बेगुनाह इंसानों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा निरंतर वधशियाना हमले होते रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने बांग्लादेश को हिंदू समुदाय पर निरंतर होने वाले कातिलाना

हमलों के विरोध में अपनी आवाज बुलंद की। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के प्रति भारत सरकार की मानवीय मांगनाओं और संवेदनाओं को बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस हुकूमत ने अपने



बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सरकदाई हाकिम मोहम्मद यूनुस भारत सरकार से शेख हसीना को बांग्लादेश प्रत्यर्पण करने की निरंतर दरखास्त करते रहे।

आंतरिक मामलों में दखलंदाजी करार दिया। हिंदू विरोधी और भारत विरोधी वधशियाना पागलपन को कुटनीतिक और आर्थिक रिशते बहुत गहरे और नजदीकी रहे हैं। विस्तारवादी फिक्तार का चीन यकीनन बालाबल में भी अपनी आर्थिक और सामरिक घुसपैठ निरंतर जारी रखेगा। कूटनीतिक

के संपूर्ण बैर में पाकिस्तान और बांग्लादेश के परस्पर रिशते निरंतर खराब बने रहे। अवामी लीग की हुकूमत द्वारा 1971 के युद्ध में बांग्लादेश मुक्ति वाहिनी के खिलाफ कातिलाना राजिशि रचने और बेगुनाह बांग्लादेशियों के नरसंहार में पाकिस्तानी फौज की सक्रिय मदद करने के इल्जाम में अनेक पाकिस्तान समर्थक जनात ए इस्लामिया के कारकूनों को सजा ए मौत दे दी गई। अगस्त 1924 के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज खान ने बांग्लादेश के मोहम्मद यूनुस से दो बार फौज कूटनीतिक मुलाकात अंजाम दी। इन मुलाकातों के दौरान पाकिस्तान और बांग्लादेश के मध्य सैन्य कूटनीतिक संबंधों को ताकतवर बनाने की कोशिश की गई। जनरल जियाउल हक की हुकूमत के दौर में पाकिस्तान और पाकिस्तान की फौज का इस्लामीकरण किया गया था। बांग्लादेश की जनमत ए इस्लामिया एक कट्टरपंथी इस्लामी नीतिम है जो कि पाकिस्तान की कट्टर समर्थक रही है। दुर्भाग्यवश बांग्लादेश के समाज और सरकार पर इस्लामी कट्टरपंथियों का प्रभाव निश्चित रूप से ही बढ़ रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के मध्य निरंतर बढ़ती हुई कूटनीतिक और राजनीतिक घनिष्ठता भारत के लिए खतरनाक संकेत प्रबल कर रही है। जहां तक साम्यवादी चीन का संबंध है, विगत अनेक दशकों से ये पाकिस्तान के साथ चीन के कुटनीतिक और आर्थिक रिशते बहुत गहरे और नजदीकी रहे हैं। विस्तारवादी फिक्तार का चीन यकीनन बालाबल में भी अपनी आर्थिक और सामरिक घुसपैठ निरंतर जारी रखेगा। कूटनीतिक

तौर पर भारत के लिए बांग्लादेश में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की सरकार का सत्तासीन होना और इस्लामी कट्टरपंथियों का निरंतर शक्तिशाली होते जाना भारत के लिए एक कड़ी चुनौती के तौर पर सामने आया है। बांग्लादेश के साथ भारत की तकरीबन 4000 किलोमीटर सरहद जुड़ी हुई है। बांग्लादेश की ओर से घुसपैठ का खतरा निरंतर बढ़ रहा है। भारत को अब अपनी सरहद पर चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश की तरफ से होने वाली घुसपैठ से निरंतर सतर्क और सावधान निगरानी रखनी होगी। वर्ष 2025 के जून में चीन के कुनमिंग शहर में बांग्लादेश और पाकिस्तान के विदेश सचिवों के साथ चीन के विदेश मंत्राली सुन वेइदांग की त्रिपक्षीय बैठक ने भारत के लिए प्रबल चिंता का संकेत दे दिया है। भारत सरकार ने बांग्लादेश नेशनल पार्टी के साथ अपने संबंधों को सामन्य बनाने के लिए कोशिश प्रारंभ की है, जबकि भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर खालिदा जिया के निधन के वक्त बांग्लादेश गए थे। खालिदा जिया की हुकूमत के दौर में बांग्लादेश ने भारत के उत्पत्ता के पृथकतावादीयों को शरण और संरक्षण प्रदेन उपमथा था। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के विगत कार्यकालों में जो भी कड़वाहटें और मरिभेद रहे हैं, उनको पूर्णतः मुलाकर भारत आगे बढ़ाने के लिए तत्पर प्रतीत रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो दोस्ती का पैगाम तारिक रहमान को दिया है, उससे भारत और बांग्लादेश के मध्य परस्पर संबंध सुधारने के सकारात्मक संकेत मिल रहे हैं।

अद्भुत रहस्यों को संजोय है रुपनाथ धाम, सम्राट अशोक का छिपा है खजाना

भगवान शिव ने प्यास बुझाने तीन कुंड किये थे निर्मित रुपनाथ धाम से सुरँगी रास्ता पहुँचता है बांदकपुर धाम

हरिभूमि न्यूज़ 卐 स्लीमनाबाद

देवाधिदेव महादेव व माता पार्वती के विवाहोत्सव का पावन पर्व महाशिवरात्रि आज रविवार को मनाया जाएगा। महाशिवरात्रि पर जिले भर के शिव मंदिरों में विविध आयोजन होंगे। बहोरीबंद स्थित रुपनाथ धाम अपने अद्भुत रहस्यों को संजोय रखा है जो अपनी कविदंतियों को लेकर जाना जाता है। रुपनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर्व पर विविध आयोजन होंगे। बड़ी संख्या मे भक्तो का जनसैलाब उमड़ेंगा जहां पूजन अर्चन कर सुख समृद्धि की कामना की जाएगी।

रुपनाथ धाम की यह किंवदंती है कि यहां पर भोले बाबा की गुफा देखने के लिए मिलती है जिसमें शिवलिंग विराजमान है। रुपनाथ मंदिर में पार्वती माता का मंदिर भी बना हुआ है। यहां पर पहाड़ी के किनारे मंदिर बने हैं। यहां पर पहाड़ी के किनारे तीन कुंड देखने के लिए मिलते हैं। इन कुंड को राम कुंड, लक्ष्मण कुंड और सीता कुंड के नाम से जाना जाता है।

रुपनाथ धाम में प्राचीन अभिलेख भी देखने के लिए मिलता है। यह अभिलेख सम्राट अशोक का है। बौद्ध धर्म के प्रचार प्रसार करने के लिए, सम्राट अशोक यहां पर



आए थे।वर्तमान में पूरा परिसर पुरातत्व विभाग के अधीन है।

सुरँगी रास्ता पहुँचता है बांदकपुर

रूपनाथ धाम में एक सुरंगी रास्ता है मौजूद है जो यह रास्ता बांदकपुर के जागेश्वरधाम तक पहुंचता है।भगवान शिव इसी गुफा के रास्ते बांदकपुर के जागेश्वर नाथ गए थे। हालांकि यह रास्ता कई वर्षों से बंद है। लोगों को सुरंगी गुफा के भीतर जाना प्रतिबंधित है। एक ओर जहां रूपनाथ अर्थात भगवान भोलेनाथ का मंदिर है तो वहीं दूसरी ओर यहां श्रीराम, सीता व लक्ष्मण नाम के तीन कुंड भी हैं, जिनमें जल स्तर बारह महीनों बना रहता है। वहीं



रूपनाथ धाम प्राकृतिक सौंदर्य से भी भरपूर है। रूपनाथ धाम को लेकर एक धार्मिक किंवदंती भी यह है कि यहां भगवान शिव की बारात रूकी थी। बारातियों की प्यास बुझाने के लिए भगवान शिव की कृपा से यहां तीन कुंड निर्मित हुए थे जिन्हें आज श्रीराम कुंड, सीता कुंड व लक्ष्मण कुंड के नाम से जाना जाता है। यह तीनों कुंड एक इमारत के पहले, दूसरे व तीसरे तल की तरह हैं।इस स्थान पर प्राकृतिक सौंदर्य की छटा भी चारों ओर बिखरी हुई है। जहां एक ओर यहां धार्मिक आस्था से जुड़े लोग पहुंचते हैं तो वहीं दूसरी ओर सैलानियों का भी यहां आना जाना बना ही रहता है। वहीं यहां पर अशोक सम्राट के रहने के निशान

और विशेष लिपि में लिखे गए शिलालेख पुरात्व की कहानी बखान रहे हैं।

आज होंगे विविध कार्यक्रम

रूपनाथ धाम में महाशिवरात्रि पर भव्य विवाह महोत्सव मनाया जायेगा!आयोजन की शुरुआत दोपहर 12 बजे भजन-कीर्तन से होगी। इसके बाद दोपहर 2 बजे हल्दी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। दोपहर 3 बजे भगवान की बारात निकलेगी और 3:30 बजे जयमाला का कार्यक्रम होगा। शाम 4 बजे श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया जाएगा, जबकि शाम 5:30 बजे महा आरती के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। आयोजकों ने श्रद्धालुओं पहुंचने अपील की है

बांधवगढ़ की सरहद पर भालू, ग्रामीण पर किया हमला

उमरिया।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बफर जोन से सटे इलाकों में अब इंसानी ज़िंदगी की कीमत कौडियों के दाम रह गई है। शुक्रवार की देर शाम धमोखर परिक्षेत्र के रायपुर इलाके में एक खूंखार भालू ने 65 वर्षीय बुजुर्ग पर मौत बनकर हमला कर दिया। इस रोंगटे खड़े कर देने वाली घटना ने वन विभाग के सुरक्षा दलों की कलाई खोलकर रख दी है। इलाके में दहशत का ऐसा मंजर है कि लोग अब अपने ही घरों में कैद होने को मजबूर हैं। कुम्हारों गांव निवासी कमल सिंह शुक्रवार शाम रायपुर से गेहूँ पिसवाकर अपने घर की ओर पैदल लौट रहे थे। महुआ हार के पास सूनसान रास्ते पर घात लगाए बैठे दो भालूओं ने उन्हें रोके लिया। इससे पहले कि बुजुर्ग संभल पाते, एक आक्रामक भालू ने उनके ऊपर छलांग लगा दी। भालू के नुकीले पंजों ने कमल सिंह की जांच को बुरी तरह चीर दिया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े ग्रामीणों ने किसी तरह उनकी जान बचाई, वरना मंजर और भी खौफनाक हो सकती था। लहलुहान हालत में बुजुर्ग को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद नींद से जागे वन विभाग के अमले ने आनन-फानन में अस्पताल पहुंचकर खानापूर्ति शुरू कर दी है। हालांकि, ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। लोगों का कहना है कि जब वन्यजीव आबादी वाले क्षेत्रों (राज्यव्य क्षेत्र) में घुसकर शिकार कर रहे हैं, तो गश्ती दल कहीं चेन की नींद सो रहा है? वन विभाग ने अब गांवों में मुनादी पिटवाकर अलर्ट जारी किया है।

महाशिवरात्रि आजः जानिए राशि अनुसार पूजन विधि

कटनी। इस महाशिवरात्रि में 25 साल बाद बन रहें हैं दुर्लभ संयोग मेष राशि वाले दूध तो कर्क वाले चढ़ाएं चमेली का तेल मीन वाले इत्र, महाशिवरात्रि पर आपकी राशि अनुसार मान्यता है कि अगर महाशिवरात्रि के दिन राशि के अनुसार कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो पूरे साल भगवान शिव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।महाशिवरात्रि को अत्यंत पवित्र और फलदायी पर्व माना गया है. यह हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है, जिसका भवत पूरे वर्ष इंतजार करते हैं. हर साल फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को यह महापर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया जाता है. शिव उपासकों के लिए यह दिन विशेष साधना और आराधना का अवसर होता है. इस वर्ष महाशिवरात्रि 15 फरवरी को आ रही है, जिस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाती है. मान्यता है कि यदि इस दिन अपनी राशि के अनुसार कुछ विशेष उपाय किए जाएं, तो पूरे साल महादेव की कृपा बनी रहती है और जीवन में सुख-समृद्धि आती है।प्रसिद्ध आचार्य श्रीनाथ प्रपन्नाचार्य जी महाराज से जानते हैं कि महाशिवरात्रि के दिन 12 राशियों के लिए कौन-कौन से उपाय शुभ माने गए हैं?चैसे तो शिवरात्रि में रात्रि के चार पहर के पूजन का अत्यधिक महत्व है जैसे प्रथम प्रहर सायं 6 बजे से 9 बजे रात्रि तक द्वितीय प्रहर रात्रि 9 से बजे से 12 बजे रात्रि तकतृतीय प्रहर रात्रि 12 बजे से 3 बजे रात्रि तक चतुर्थ प्रहर प्रातः 3 बजे से 6 बजे प्रातः तक यह शिवरात्रि के चार प्रहर हैं अर्थात् शिव की रात्रि शिवरात्रि आइये अब जानते हैं राशित्त पूजन विधि।
मेष- भगवान शिव की प्रसन्न करने के लिए महाशिवरात्रि वाले दिन मेष राशि के जातकों को भोलेनाथ को गायकी दूध अर्पित करने चाहिए और हलुआ वारीबों को तथा भक्तों को खिलायें ऐसा करने से भगवान शंकर जी कृपा सदैव बनी रहेगी.वृषभ- फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को इस राशि के जो जातक हैं, उन्हें भगवान शिव को दूध मिश्रित जल चढ़ाना चाहिए और पूड़ी सब्जी खिलाये इससे उनके हर कार्य संपन्न होंगे। मिथुन- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव को दही मिश्रित जल चढ़ाएं फलों का दान करें जिससे उनके आने वाले कष्ट समाप्त होंगे।।कर्क- महाशिवरात्रि के दिन कर्क राशि के जातक भगवान शिव को चमेली का तेल या इत्र अर्पित करें और खिचड़ी का दान करें जिससे उन्हें महादेव का विशेष आशीर्वाद मिलेगा। सिंह- भगवान शिव की विशेष कृपा पाने के लिए सिंह राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव के मंदिर जाकर घी का दीपक जलाएं और वारीबों को खीर खिलायें ऐसा करने से उनके आने वाले सभी कार्य बिना किसी रुकावट के संपन्न हो सकेंगे।।कन्या- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि पर काले तिल और जल मिलाकर शिवलिंग का अभिषेक करें तथा केले का दान करें जिससे उनके रुके हुए कार्य जल्द पूरे होंगेतुला- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन महादेव की विशेष कृपा पाने के लिए शिव मंदिर जाकर जल में सफेद चंदन मिलाकर भगवान शंकर को चढ़ाएं और चावल का दान करें ऐसा करने से उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिलेगी।वृश्चिक- महाशिवरात्रि के दिन वृश्चिक राशि के जातक भगवान शिव की जल और बेलपत्र चढ़ाएं. ऐसा करने से महादेव की विशेष कृपा प्राप्त होगी तथा लहू का दान करें। धनु- भोलेनाथ की विशेष कृपा पाने के लिए धनु राशि के जातक भगवान शंकर के मंदिर जाकर उन्हें जल अर्पित करें. इसके बाद तिल, जौ और चावल का दान करें. महादेव की कृपा मिलेगी। मकर- इस राशि के जातक भगवान शिव की असौम कृपा पाने के लिए महाशिवरात्रि पर शिव मंदिर जाकर पूजन के बाद गरीबों को धन का दान करें इससे आर्थिक तंगी से छुटकारा मिलेगा।कुंभ- इस राशि के जातक महाशिवरात्रि के दिन शिव मंदिर जाकर गुलाल का फूल तथा नीली वस्तु चढ़ाये भगवान के दर्शन के बाद गरीबों और जरूरतमंदों को भोजन कराएं. इससे जीवन में अन्न और धन की कमी नहीं होगी.मीन- महाशिवरात्रि के दिन मीन राशि के जातक भगवान शंकर को रुद्राभिषेक करें. इत्र अवश्य चढ़ाये इसके बाद गरीबों को चावल, दाल, चीनी, सौंफ और सुगंधी का दान करें।

गांव की रहन सहन पारम्परिक वेश-भूषा देखकर हुए गदगद

मानपुर ब्लॉक दमना गांव में पहुंचे फ्रांस के टूरिस्ट

परम्परा अनुसार हल्दी चावल और गुलाल से किया स्वागत

उमरिया।

मध्य प्रदेश शासन की प्रदेश में टूरिज्म को बढ़ावा देने के उद्देश्य से रिसर्पासिबल टूरिज्म के कॉन्सेप्ट पर काम करते हुए प्रदेश के ऐसे टूरिस्ट गांव में जहां पर प्राकृतिक रूप से सुंदरता झरना, खेती और अन्य प्रकार की गतिविधियां की जा सके ऐसे गांव का चयन कर वहां के निवासियों के सहयोग से होमस्टे के कॉन्सेप्ट के साथ होम स्टेट निर्माण किये जा रहे हैं जहां पर देशी व विदेशी अतिथि आकर वहां रहकर गांव के चूल्हे में बना खाना,बैलगाड़ी में घूमने, बांस के बर्तनों की डिजाइन, मिट्टी से बनाए गए बर्तनों की जानकारी से आनंदित होते हैं।

गांव के समूह की महिलाएं अपने दिनचर्या की



गतिविधियों में मेहंदी लगाना, साड़ी पहनाना, हाथ से रोटी बनाना, चटनी पीसना, अपने खेत से सब्जी तोडना आदि छोटी-छोटी गतिविधियों के द्वारा उन विदेशी मेहमानों को अपने भारतीय संस्कृति से प्रभावित कर रही हैं। होमस्टे में उमरिया जिले के मानपुर ब्लॉक के दमना गांव में फ्रांस के टूरिस्ट पहुंचे

। जहां पर उनका स्वागत ग्रामीणों के च्चारा चावल, गुलाल से किया गया। टूरिस्ट ग्रामीण परंपरा से अवगत होकर गदगद हो गए । विदित हो कि दमना मरईकला और पपपथा में होमस्टे बनकर तैयार है।जो आने वाले दिनों में ग्रामीण जनो की आमदनी का जरिया बनेगा। बैलगाड़ी में गांव घूमना अपने आप में विदेशी मेहमानो



के लिए बहुत ही नया अनुभव रहा। बघेलखण्ड के बरा, मुंगौरा, कढ़ी,मक्का की रोटी, कुटकी महुआ की खीर आदि देशी व्यंजनों का भरपूर स्वाद चखा। गांव में ही शाम को रामायण का पाठ भी किया गया।गांव के (टाईगर होमस्टे) चन्द प्रकाश शुक्ला (महुआ होमस्टे) कमलेश गुप्ता (बांधवी होमस्टे) बालमुकुंद शुक्ला

आंचलिक हरिभूमि 9

दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से बुरी तरह पीटा

हरिभूमि न्यूज़ 卐 कटनी

बड़वारा थाना क्षेत्र ग्राम रोहिनया में एक दुकानदार ने दो महिलाओं को लाठी से पीट दिया। मारपीट में घायल महिलाओं को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मामला पंजीबद्ध कर लिया है। घटना 12 फरवरी की है। पुलिस के अनुसार एक बालिका दीपांशु गुप्ता की किराना दुकान पर 5 का सिक्का लेकर बिस्कुट लेने गई थी दिवांशु गुप्ता ने लड़की को बिस्किट नहीं दिया वह रोते हुए घर वापस आ गई। बिठौरलिया बाई ने दुकान पर जाकर पूछा कि लड़की को बिस्किट क्यों नहीं दिया तो उसने कहा सिक्का खराब है दूसरा लाओ।पीड़िता ने बोला की लड़की रो रही है आप बिस्कुट दे दो तो दीपांशु गुप्ता गाली गलौज करने लगा।

महिला ने गाली देने का विरोध करने पर उसने डंडा निकालकर विमला बाई और बिठौरलिया बाई पर हमला कर दिया जिससे वह दोनों लहुलुहान होकर गिर पड़ी। आरोपित दीपांशु गुप्ता जल्दी से दुकान बंद कर कर भाग गया। घायलों को बड़वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। चोट अधिक होने के चलते दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।



शिकायत पर बड़वारा पुलिस ने बीएनएस की धारा 296 (b) BNS 2023 की धारा 115(2) BNS 2023 धारा 351 (2) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अधिनियम 1989 3(1) द , 3(1) ध, 3(2) ध के तहत मामला दर्ज किया है। भीम आर्मी उपाध्यक्ष जय सूर्यवंशी ने पुलिस से निष्पक्ष कार्यवाही कर पीड़ितों को न्याय दिलाने मांग की है।

व्यापारी से हथियारबंद बदमाशों ने की लूट, ओवरटेक कर स्कूटी से गिराया, साढ़े तीन तोले की चेन, नकदी लेकर फरार

रीवा। जिले मंनगवा थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 09 स्थित मनगवां बस्ती में शुक्रवार रात एक व्यापारी के साथ लूट की सनसनीखेज वारदात सामने आई। तिवनी रोड मलकपुर तालाब के समीप दूरसंचार कार्यालय के सामने चार नकाबपोश बदमाशों ने स्कूटी सवार व्यापारी को ओवरटेक कर गिरा दिया और मारपीट कर सोने की चेन व नकदी लूटकर फरार हो गए।पीड़ित पिण्णु गुप्ता, निवासी मनगवां बस्ती, रोज की तरह मनगवां बस स्टैंड स्थित अपनी दुकान बंद कर पुराने बस्ती स्थित घर लौट रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार चार बदमाशों ने उनकी स्कूटी को ओवरटेक कर उन्हें जबर्न सड़क पर गिरा दिया। बताया जा रहा है कि बदमाश हथियारों से लैस थे।गिराने के बाद आरोपियों ने लाठी से हमला कर पिण्णु गुप्ता के साथ बेरहमी से मारपीट की। हमलावरों ने उनके पैर पर भार किया, जिससे फ्रैक्चर हो गया। सिर और मांथे पर भी गंभीर चोटें आई हैं। मारपीट के बाद बदमाश उनके गले से लगभग साढ़े तीन तोले वजनी सोने की चेन (लॉकेट सहित) और करीब 10 हजार रुपये नकद छीनकर मौके से फरार हो गए। घटना के दौरान पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश भाग चुके थे। तत्काल डायल 112 पर सूचना दी गई। गंभीर रूप से घायल पिण्णु गुप्ता को पहले रीवा के संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए प्रयागराज रेफर किया गया है। शनिवार सुबह पीड़ित एवं उनके परिजन थाने पहुंचे और रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की।

जिसके साथ होना था विवाह उसी ने गला घोट मार डाला

हरिभूमि न्यूज़ 卐 कटनी

रोटी थाना क्षेत्र के ग्राम खम्हरिया में एक युवक की सदिग्ध मौत के मामले की गृन्थी को पुलिस ने 24 घंटे के भीतर सुलझाते हुए आरोपिता को गिरफ्तार कर लिया है। यह सफलता वरिष्ठ अधिकारियों ने निदेशन एवं मार्गदर्शन में रोटी पुलिस को मिली। गौरतलब है कि 11 फरवरी को सूचना प्राप्त हुई कि थाना रोटी के ग्राम खम्हरिया में एक युवक की सदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई है। मृतक की पहचान सुनील भुमिया पिता रमेश भुमिया 19 वर्ष निवासी ग्राम परधरवाहा थाना विजयराघवगढ़ के रूप में हुई थी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची एवं मर्ज दर्ज कर जांच प्रारंभ की गई। एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाकर साक्ष्य संकलित किए गए। शव का पोस्टमार्टम कराया गया, जिसमें डॉक्टरों द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि मृतक की मृत्यु गला घोटें जाने के कारण हुई है। घटनास्थल का निरीक्षण, शव पंचनामा, पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध हत्या का पक़रण दर्ज किया गया। गहन पूछताछ एवं साक्ष्यों के विश्लेषण में यह तथ्य सामने आया कि मृतक 10 फरवरी की रात अपनी होने वाली ससुराल ग्राम खम्हरिया आया था। वहां शराब सेवन के पश्चात उसका अपनी होने वाली पत्नी से विवाद हो गया।

आदिवासी लड़की के साथ दुष्कृत्य के आरोपियों को पहुंचाया जेल

पन्ना। जिले के अमानगंज थाना अन्तर्गत पण्डवन पुल के पास की घटना विगत दिवस की बताई जा रही है पुलिस के द्वारा जिसमें एक आदिवासी लड़की जो पण्डवन घुमने अपने दो दोस्तों के साथ गई वहीं दो लोग जिन्होंने इनको डरा-धमकाकर जबर्न लड़की के साथ दुष्कृत्य किया फरियादिया के साथ घटना विगत दिवस की थाना अमानगंज में फरियादिया ने रिपोर्ट की अमानगंज पुलिस ने 24 घंटे के अंदर उक्त आरोपियों को साथ ही मोटर साइकिल सहित धरा गया वहीं वैधानिक कार्यवाही को अंजाम देते हुये माननीय न्यायालय में पेश किया गया जहां से आरोपियों को जेल की रलाखों के पीछे भेजा गया। यहां आदिवासी लड़की के साथ जो दिन-दहाड़े बल पूर्वक दुष्कृत्य का मामला जो किया गया जिसकी लेकर पुलिस ने तत्परता पूर्वक कार्यवाही की तो अंजाम दे दिया आखिर यह मामला अपने आप में कहीं न कहीं सुरक्षा व किस तरह से बेस्ती व वहीं कई तरह के प्रश्न खड़े कर रही है।



‘एक दिन’ का एक नया पोस्टर आया सामने ...

मुंबई। वेलेंटाइन डे के मौके पर जुनैद खान और साई पल्लवी अभिनीत फिल्म ‘एक दिन’ के निर्माताओं ने फिल्म का एक प्यारा सा पोस्टर जारी किया। पोस्टर में साई पल्लवी को एक मफिन पकड़े हुए देखा जा सकता है, मानो वह जुनैद को वेलेंटाइन डे की शुभकामनाएं दे रही हों। दोनों एक दूसरे को प्यार भरी निगाहों से देख रहे हैं, जिनमें स्नेह और मिठास झलक

रही है। एक गर्मजोशी भरे, रोमांटिक सर्दियों के माहौल में फिल्माए गए इस पोस्टर में जुनैद और साई के किरदार बर्फ से ढकी सड़क पर कंधे से कंधा मिलाकर चलते हुए, हल्की मुस्कान बिखेरते नजर आ रहे हैं। दोनों ने आरामदायक सर्दियों के कपड़े पहने हैं, जिससे पोस्टर में ऐसा लग रहा है मानो वे अपनी ही दुनिया में खोए हुए हों।

लाइफ Style

अभिनेत्री मृणाल ठाकुर और अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी जल्द ही रोमांटिक ड्रामा फिल्म ‘दो दीवाने शहर में’ में नजर आएंगे। यह फिल्म दो ऐसे लोगों की कहानी है, जो यह सिखाती है कि हर वक्त परफेक्ट होना जरूरी नहीं है।

‘सिंगल’ होने का दिया अपडेट

एजेसी ► मुंबई

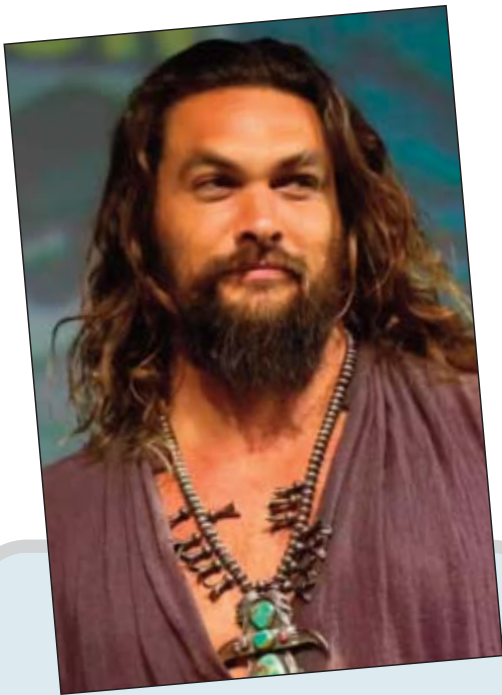
फिल्म की टीम इन दिनों प्रमोशन के लिए कर रही है। अक्षय कुमार के गेम शो ‘व्हील ऑफ फॉर्च्यून’ के आने वाले एपिसोड में फिल्म की टीम नजर आएगी, जिसमें मृणाल ठाकुर, सिद्धांत चतुर्वेदी और डायरेक्टर रवि उदयावर नजर आएंगे। इस एपिसोड में अभिनेत्री ने खुलासा किया कि वह फिलहाल किसी रिलेशनशिप में नहीं है। अक्षय कुमार इस एपिसोड में मृणाल की टांग खींचते हुए पूछते हैं, मृणाल, सोशल मीडिया पर आपके बारे में काफी चर्चा चल रही है। आपका अभी रिलेशनशिप स्टेटस क्या है?” यह सवाल सुनकर मृणाल ने बिना झिझक के जवाब दिया, मैं अभी सिंगल हूँ और मिंगल होने के लिए तैयार हूँ। बता दें कि कुछ समय से सोशल मीडिया पर मृणाल और साउथ एक्टर धनुष के रिश्ते और शादी के बारे में काफी अफवाहें उड़ी थीं। हालांकि, अभिनेत्री ने अपने इस जवाब से अफवाहों पर विराम लगा दिया है। रवि उदयावर की ओर से निर्देशित, यह एक आधुनिक, यथार्थवादी प्रेम कहानी है। इस फिल्म में सिद्धांत चतुर्वेदी और मृणाल ठाकुर मुख्य भूमिकाओं में हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में ईला अरुण, जाँय सेनगुप्ता, आयशा राजा, विराज गेंडलानी, संदीपा धर, दीपराज राणा, मोना अम्बेगांवकर, अचिंत कोर और नवीन कौशिक भी नजर आएंगे।



हॉलीवुड मसाला

तलाक के बाद निकोल का पहला पोस्ट

लॉस एंजेलिस। वेलेंटाइन डे ‘प्यार का दिन’ माना जाता है। लेकिन ऐसा कोई नियम नहीं है कि वेलेंटाइन डे मनाने के लिए आपका रिलेशनशिप में होना जरूरी हो। अगर आप सिंगल हैं, तो भी आप खुद के लिए कुछ खास करके भी इसे मना सकते हैं। इसी का उदाहरण दिया मशहूर एक्ट्रेस निकोल किडमैन। ऑस्कर जीत चुकी निकोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो शेयर की, जिसमें वह बेड पर आराम करती नजर आ रही हैं। फोटो में उन्होंने गुलाबी और स्फेद धारियों वाली शर्ट पहनी हुई है। खिड़की से आती धूप उनके चेहरे पर पड़ रही है और वह काफी शांत और खुश नजर आ रही हैं।



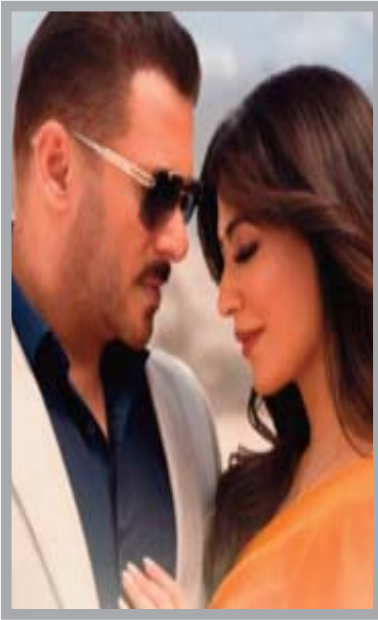
‘द रेंकिंग कू’ के प्रमोशन में जुटे जेसन

लॉस एंजेलिस। अपनी आगामी फिल्म ‘द रेंकिंग कू’ के प्रमोशन में जुटे हॉलीवुड स्टार जेसन मोमोआ ने शाहरुख की तारीफ की है। शाहरुख से अपनी मुलाकात के बारे में बात करते हुए जेसन ने कहा कि हां, वह बहुत हैडसम हैं। जब जेसन से पूछा गया कि पहली मुलाकात में दोनों ने किस बारे में बात की, तो उन्होंने कहा कि हम दोनों आपसी दोस्त और एक-दूसरे के काम के प्रशंसक हैं। वह बहुत ही प्यारे इंसान हैं। वह बेहद विनम्र थे। वह मुझसे बेहतर अभिनेता और कलाकार हैं। इसलिए यह आपसी सम्मान की बात थी। जेसन मोमोआ के करियर की बात करें तो 1999 में टीवी शो बेवॉच: हवाई से अपने करियर की शुरुआत करने के बाद उन्होंने 2011 में गेम ऑफ थ्रोन्स के पहले सीजन में खाल द्रोगो का किरदार निभाया।



राशा की तेलुगु फिल्म का पोस्टर आउट

मुंबई। अभिनेत्री राशा थडानी हिंदी सिनेमा में अपनी अदाकारी का जलवा बिखेरने के बाद तेलुगु सिनेमा में एंट्री करने जा रही हैं। अभिनेत्री जल्द ही निर्देशक अजय भूपति की आगामी तेलुगु फिल्म ‘श्रीनिवासा मंगापुरम’ में नजर आएंगी। इस एक्शन-रोमांस फिल्म में वह महेश बाबू के भतीजे जया कृष्ण घट्टामनेनी के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म का पहला पोस्टर जारी कर दिया गया है। इसमें राशा और जया कृष्ण घट्टामनेनी दोनों एक-दूसरे के करीब नजर आ रहे हैं। पोस्टर में राशा ने एक खूबसूरत लैवेंडर कलर की साड़ी पहनी हुई है। उनके बाल खुले हैं। वहीं, पोस्टर में लिखा है, “हैप्पी वेलेंटाइन डे।” राशा ने पोस्ट कर लिखा, “बस एक बार अपनी आंखें खोलकर देखो... मैं यहीं रहूंगी, इतनी पास कि तुम्हारी सांठों को महसूस कर सकूँ।”



बैटल ऑफ गलवान का गाना रिलीज...

मुंबई। वेलेंटाइन डे के मौके पर फिल्म ‘बैटल ऑफ गलवान’ का रोमांटिक गाना “मैं हूँ” रिलीज हुआ। सलमान खान और चित्रांगदा सिंह के इस गाने में उनकी लविंग केमिस्ट्री दिखाई गई है। सलमान खान फिल्म्स ने इस गाने को अपने ऑफिशियल प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया। इससे पहले “मातृभूमि” गाना रिलीज हुआ था, जिसे 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले थे। मेकर्स ने स्पेशल ट्रेक “मैं हूँ” 14 फरवरी को रिलीज किया था। यह गाना एक सैनिक और उसके परिवार के रिश्ते की इमोशनल कहानी दिखाता है। मेकर्स ने गाने को सोशल मीडिया पर शेयर किया और इसका ऑफिशियल लिंक भी रिलीज किया। यह ट्रेक परिवार के साथ बिताए खुशी के पलों से लेकर ड्यूटी की वजह से अलग होने तक की एक इमोशनल जर्नी दिखाता है।

टीवी मसाला

रश्मि देसाई को दो बार बदलना पड़ा अपना नाम

मुंबई। टीवी और ओटीटी की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकी रश्मि देसाई आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं, लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस नाम से देश उन्हें जानता है, वह उनका असली नाम नहीं है। उनकी



पहचान के पीछे एक दिलचस्प किस्सा है, जो दो बार बदले गए नाम से जुड़ा हुआ है। रश्मि देसाई का जन्म 13 फरवरी 1986 को असम के नागांव में हुआ था। उनका जन्म एक गुजराती परिवार में हुआ। इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले रश्मि का असली नाम शिवानी था। जब उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में आने का फैसला किया, तब उन्हें नाम बदलने की सलाह दी गई, ताकि नया नाम किस्मत के लिए शुभ साबित हो। इसके बाद शिवानी ने अपना नाम बदलकर रश्मि रख लिया। इसी नाम से उन्होंने अपने करियर की शुरुआती कोशिशें शुरू कीं। दिया नाम से उन्होंने शुरुआत में कई प्रोजेक्ट्स किए, लेकिन उन्हें वह पहचान नहीं मिल पा रही थी, जिसकी उन्हें तलाश थी। उनके पास काम आने भी बंद हो गए थे। उसी समय एक जर्मन मित्र की सलाह पर उन्होंने एक बार फिर नाम बदलने का फैसला लिया। इसके बाद दिया नाम से वह रश्मि देसाई बनीं। यही नाम उनके जीवन का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। नाम बदलने के बाद न सिर्फ काम मिलने लगा, बल्कि उनकी पहचान भी बनने लगी।

बचपन की तस्वीरों में छुपा श्रुति का मिजाज

मुंबई। अभिनेत्री श्रुति हासन अपने शानदार अभिनय से न सिर्फ साउथ सिनेमा, बल्कि बॉलीवुड में भी राज करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक मजेदार और नॉस्टेल्जिक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उनके बचपन से लेकर अब तक की तस्वीरें शामिल हैं। वहीं, श्रुति ने वीडियो में लिखा, “किसी लड़की के बचपन की तस्वीरों से उसके स्वभाव और व्यक्तित्व की झलक साफ दिखाई देती है।” अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, “मैं तो हमेशा से ही बहुत मूडी रही हूँ, हाहा।” श्रुति अभिनेत्री होने के साथ-साथ गायिका और संगीतकार भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी



दर्ज करवाई। इस बात से बहुत कम लोग वाकिफ हैं, लेकिन श्रुति ने अपने करियर की शुरुआत अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि गायिका और संगीतकार के रूप में की थी। उन्होंने महज छह साल की उम्र में ही अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया था। इसके बाद उन्होंने हिंदी फिल्म ‘चाची 420’ (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म ‘हे राम’ में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम ‘रामा रामा’ भी गाया था। अभिनेत्री जल्द ही फिल्म निर्देशक पवन साधिनेनी की फिल्म ‘आकासमलो ओका तारा’ में नजर आएंगी।



मुंबई। महाशिवरात्रि के पावन पर्व से पहले म्यूजिक इंडस्ट्री भी हर-हर महादेव के जयकारों से गुंज उठी है। भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक रोज नए शिव भक्ति गीत रिलीज हो रहे हैं, लेकिन अब शिव भक्ति से सराबोर गीत गाने वाले सिंगर हंसराज रघुवंशी ने महादेव की शादी से जुड़ी रस्मों का नया गीत रिलीज किया है, जिसमें देवताओं से लेकर असुर बाबा

की बारात में मस्तमौला अंदाज में नाच रहे हैं। हंसराज रघुवंशी का नया भक्ति गीत ‘महादेव की शादी’ रिलीज हो चुका है, और गीत को सिंगर ने अपने आधिकारिक चैनल पर रिलीज किया है। गीत में शिव बारात का वर्णन किया गया है कि कैसे भस्म और नागों से बाबा शृंगार कर मां पार्वती को ब्याहने ले जा रहे हैं। गीत

के बोल और बीट दोनों ही शानदार हैं, जो पूरी तरह डॉसिंग वाइब दे रही है। गीत के सिंगर और कंपोजर खुद हंसराज हैं, जबकि गीत के बोल दीप फतेह ने लिखे हैं। ‘महादेव की शादी’ के बोल मिस्ता बाज ने लिखे हैं और प्रोड्यूसर कोमल सकलानी ने किया है, जो सिंगर की पत्नी हैं।

पैपराजी पर भड़कीं धुरंधर की आयशा

मुंबई। एक्ट्रेस आयशा खान का करियर इन दिनों ऊपर चढ़ रहा है। उन्होंने फिल्म ‘धुरंधर’ के गाने ‘शरारत’ पर अपने डांस से सबका दिल जीत लिया है और खूब तारीफें बटोर रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शनाया कपूर और आदर्श गौरव की फिल्म ‘तू या’ में की स्क्रीनिंग में पहुंचीं और पैपराजी को डांट लगाईं। दरअसल, जब आयशा खान पैपराजी को पोज दे रही थीं, तो एक ने उनसे पीछे मुड़ने को कहा। इसी बीच, एक और पैपराजी ने ऐसा कमेंट किया, जिससे एक्ट्रेस नाराज हो गईं। आयशा ने पैपराजी को डांटे हुए कहा, तुम अपनी

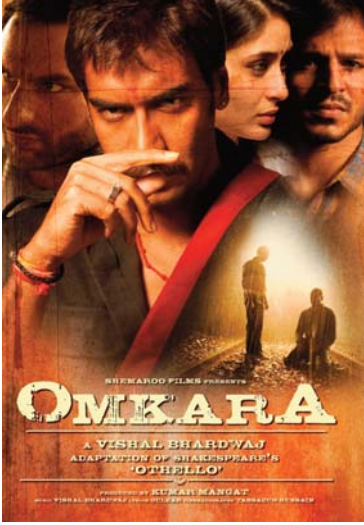
हज्जत खुद कमाले हो और खुद ही खो देते हो। प्लीज ऐसा मत करो। अच्छा नहीं लगता। इसके बाद आयशा मुझे से वहां से चली गईं। आयशा खान के इस वायरल वीडियो के बाद फैस उनके सपोर्ट में आगे आ रहे हैं और पैपराजी को गलत फोटो खींचने के लिए डांट रहे हैं। वहीं, कुछ लोग आयशा को ट्रोल कर रहे हैं। उनका कहना है कि आयशा ओवरएक्टिंग कर रही हैं। आयशा सबसे पहले बिग बॉस 17 में आई थीं। उन्होंने शो में वाइल्ड कार्ड के तौर पर एंट्री की थी, लेकिन मुनव्वर फारूकी के साथ उनके लव-हेट रिलेशनशिप ने खूब ध्यान खींचा।



बॉलीवुड अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर

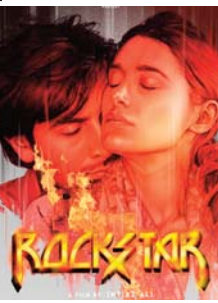
इश्क की परतें खोलती बॉलीवुड की सदाबहार प्रेम कहानियां

मुंबई। बॉलीवुड फिल्में अपनी खूबसूरत लव स्टोरीज और म्यूजिक के लिए मशहूर हैं। हालांकि, हिंदी सिनेमा ने कुछ ऐसी फिल्में भी बनाई हैं, जो हमेशा खुश नहीं होतीं, लेकिन आखिर में हमें सच्चा प्यार करना सिखाती हैं। ये ऐसी फिल्में नहीं हैं जो दिल टूटने को कुछ समय के लिए दिखाती हैं। बल्कि, ये दिखाती हैं कि हर लव स्टोरी का अंत अच्छा नहीं होता। खामोशी, जुदाई और इमोशनल संघर्ष से भरी ये फिल्में कुछ वाकई खूबसूरत लेकिन दिल तोड़ने वाली कहानियां पेश करती हैं, फिर भी ये इमोशन का एक जोज भी देती हैं जो दिल को सुकून देता है।



ओमकारा (2006) : ओथेलो का यह अडैप्टेशन दिल टूटने को धोखे और भरोसे के तौर पर दिखाता है। प्यार धोखे और धोखे की वजह से खत्म होता है, जिससे तबाही होती है। विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में सैफ अली खान, करीना कपूर और अजय देवगन हैं।

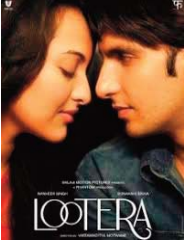
रॉकस्टार (2011) : रॉकस्टार प्यार के बारे में है, लेकिन दर्द लंबे समय तक रहता है। रणबीर कपूर लीड रोल में हैं। जॉर्डन के तौर पर, उसका दिल टूटने का असर उसकी पर्सनैलिटी और कामों पर पड़ता है, यहाँ तक कि उस लड़की को खोजने के बाद भी, जिससे वह प्यार करता है। हालांकि, हीर (नर्गिस फाखरी) जॉर्डन की जिंदगी में वापस आती है, लेकिन उसे पाने के बाद उसे फिर से खोया हुआ देखना एक दिल तोड़ने वाला अनुभव है।



आशिकी 2 (2013) : श्रद्धा कपूर और आदित्य रॉय कपूर स्टारर, आशिकी 2 रोमांस से ज्यादा ट्रेजेडी के बारे में है। यह म्यूजिकल लव स्टोरी दिखाती है कि कैसे वंश और सेल्फ-इमेज प्यार पर हावी हो सकते हैं।

सनम तेरी कसम (2016) : जो एक खूबसूरत लव स्टोरी के तौर पर शुरू होती है, वह धीरे-धीरे एक दिल तोड़ने वाली कहानी में बदल जाती है। हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन स्टारिंग, यह सनम तेरी कसम एक ऐसी फिल्म है जो दिल टूटने को एक हालत के तौर पर दिखाती है, न कि कुछ समय के लिए।

लूटेरा : 2013 में रिलीज हुई लूटेरा, ओ. हेनरी की शॉर्ट स्टोरी “द लास्ट लीफ” से इंस्पायर्ड है, जो जुदाई और कुर्बानी के जरिए दिल टूटने की कहानी दिखाती है। यह दिल टूटने के दर्द को शांत और सधे हुए तरीके से दिखाती है। विक्रम आदित्य मोटवानी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं।



लैला मजनू (2018) : लैला मजनू का यह नया वर्जन जुनून और तड़प का जंथन मनाता है। इंतजार, दिल टूटने और खोए हुए भरोसे की इसकी कहानी किसी की भी आंखों में आंसू ला देगी। तुफ्त डिमरी और अविनाश तिवारी की यह फिल्म दुख को ऐसे तरीके से दिखाती है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया।

दुनिया की सबसे खतरनाक झील! जिसके पानी का रंग है खून जैसा लाल



लंदन। दुनिया में एक इतनी खतरनाक झील है कि उसके भीतर जाने पर इंसान और जानवर पत्थर बन सकते हैं। आइए आज हम आपके इस झील के बारे में कुछ रोचक बातें बताते हैं। दुनियाभर में कई ऐसी झील और नदियां हैं, जिन्हें खतरनाक माना जाता है। एक ऐसी ही झील है, जिसके बारे में जानकर आपके रोंगटे खड़े हैं। साल 2013 में इस झील की डरा देने वाली तस्वीरें सामने आई थीं। इस झील का नाम नैट्रॉन है। वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर निक ब्रांट ने इस झील की तस्वीरें ली थीं। इन तस्वीरों में जानवरों की जम चुकीं लाशें थीं। इस झील के पानी के कारण जानवर पत्थर में बदल गए थे। इन दर्दनाक तस्वीरों को देखने के बाद दुनियाभर के लोग हैरान हो गए थे।

इंसान और जानवर पानी में बन सकते हैं पत्थर



खूबसूरत झील का नाम है नैट्रॉन झील

इस खतरनाक और खूबसूरत झील का नाम नैट्रॉन झील है जो तंजानिया में स्थित हैं। अरुशा क्षेत्र के उत्तरी नागोरोगोरो जिले में स्थित नैट्रॉन झील को नमक का झील या क्षारीय झील कहा जाता है। माना जाता है कि यह झील बेहद खतरनाक है। बताया जाता है कि इस झील के संपर्क में आने वाला जीव पत्थर बन जाता है। दरअसल, नैट्रॉन झील वन्यजीवों का घर माना जाता है। इस झील के पानी में पौध की मात्रा लगभग 12 है। यह घरेलू ब्लीच के बराबर होता है। इस झील के पानी में शिकारी जीव अधिक समय तक जिंदा नहीं रह सकते हैं। ओल डोइब्यो लेगाई ज्वालामुखी की वजह से इस झील का पानी खारा है। यह ज्वालामुखी दुनिया की पहली ऐसी झील है जिससे अजीब लावा यानी नेट्रोकार्बोनाइट बाहर आता है।

बेहद खतरनाक कहा जाता है झील को

प्लेमिंगो (राजहंस) पर त्वचा संजत और पपड़ीदार होने की वजह से पानी का प्रभाव नहीं पड़ता है। लेकिन, इंसान की त्वचा नरम होती है। कभी 60 डिग्री सेल्सियस तक इस झील का पानी गर्म हो जाता है। यह नमक की झील आपको पत्थर तो नहीं बना पाती है, लेकिन त्वचा पर ऐसा कोई घाव हो जाए, जिसके बारे में आप सोच भी नहीं सकते हैं। इस झील के पानी में इंसान जितनी देर तक रुकता है और उतना ही जलता है। लेकिन, बारिश के मौसम में पानी में पौध की मात्रा बदलती रहती है। परिस्थितियां अगर खराब हुईं तो इंसान बुरी तरह जल सकता है। इसलिए, इस झील को बेहद खतरनाक कहा जाता है।

वैज्ञानिकों ने दी बड़ी चेतावनी पैर तले खिसक रही है जमीन! घड़ी की तरह घूम रहा है स्पेन और पुर्तगाल

मैड्रिड। वैज्ञानिकों का कहना है कि स्पेन और पुर्तगाल जिस जमीन पर बसे हैं। वह बहुत धीरे-धीरे घूम रही है। यह बदलाव अफ्रीका और यूरोप की टेक्टोनिक प्लेटों की टक्कर की वजह से हो रहा है। यह गति इतनी धीमी है कि आम लोगों को महसूस नहीं होती ,लेकिन इससे भूकंप को समझने का तरीका बदल सकता है। नई रिसर्च के मुताबिक इबेरियन प्रायद्वीप जिसमें स्पेन और पुर्तगाल शामिल हैं सिर्फ उत्तर की ओर नहीं खिसक रहा बल्कि घड़ी की दिशा में हल्का सा घूम भी रहा है। यह घुमाव हर साल कुछ मिलीमीटर की रफ्तार से हो रहा है। वैज्ञानिकों ने जीपीएस और भूकंपीय आंकड़ों की मदद से इस बदलाव को समझा है।

घूम रही हैं प्लेटें

अब तक किताबों में पढ़ाया जाता रहा है कि धरती की प्लेटें एक-दूसरे के साथ सीधी रेखा में खिसकती हैं। पश्चिमी भूमध्यसागर का इलाका अलग तरह से व्यवहार कर रहा है। जर्मल गोंडवाना रिसर्च में छपी एक स्टडी के अनुसार स्पेन और पुर्तगाल मिलकर बना इबेरियन ब्लॉक सिर्फ यूरोशियन प्लेट के साथ उत्तर की ओर नहीं बढ़ रहा बल्कि धीरे-धीरे घड़ी की दिशा में घूम रहा है। अफ्रीकी और यूरोशियन प्लेट हर साल करीब 4 से 6 मिलीमीटर की रफ्तार से एक-दूसरे की तरफ बढ़ रही हैं। यही दबाव इबेरियन क्षेत्र में सीधा धक्का देने के बजाय हल्का घुमाव पैदा कर रहा है।



यह इलाका अलग क्यों

दुनिया के कई हिस्सों में प्लेटों की सीमा साफ दिखाई देती है। कहीं एक प्लेट दूसरी के नीचे जाती है तो कहीं दोनों प्लेटें एक-दूसरे के साथ सरकती हैं। हालांकि, स्पेन के दक्षिण और जिबाल्टर के पास यह सीमा साफ नहीं है। यहां दबाव बड़े इलाके में फैला हुआ है। बता दें, वैज्ञानिक आसियर मादरिएला और उनकी टीम का कहना है कि दक्षिणी स्पेन के आसपास चट्टानों में कई छोटी दरारें और संरचनाएं हैं जो अलग-अलग दिशाओं में दबाव झेल रही हैं। इसे ऐसे समझा जा सकता है जैसे किसी किताब को कोने से दबाया जाए तो वह सीधी आगे बढ़ने के बजाय मुड़ने लग जाती है।

जिबाल्टर और अलबोरांन क्षेत्र की भूमिका

दक्षिणी स्पेन और उत्तरी मोरक्को के बीच अलबोरांन सागर का इलाका अहम भूमिका निभा रहा है। यहां की धरती पश्चिम की ओर धकेली जा रही है। इसी दबाव ने स्पेन की बेटिक पर्वतमाला और मोरक्को की रिफ पहाड़ियों को उठाया जिसे जिबाल्टर आर्क कहा जाता है। दक्षिण-पश्चिम जिबाल्टर के पास अफ्रीकी प्लेट का दबाव ज्यादा सीधा है।

वैज्ञानिकों ने कैसे पकड़ा बदलाव

यह बदलाव इतना धीमा है कि लिखन या सेरिया में खड़े लोगों को कुछ महसूस नहीं होगा। इसे समझने के लिए वैज्ञानिकों ने स्थायी जीपीएस स्टेशनों से कई साल का डेटा इकट्ठा किया। साथ ही छोटे-बड़े भूकंपों के रिकॉर्ड भी देखे गए। दोनों आंकड़ों को मिलाकर पाया गया कि जमीन के अलग-अलग हिस्सों में खिंचाव, दबाव और सरकाव हो रहा है।



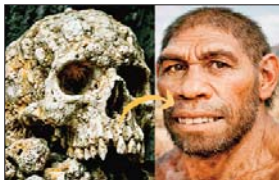
भूकंप पर क्या असर पड़ेगा

स्पेन और पुर्तगाल बहुत ज्यादा भूकंप वाले देश नहीं हैं, लेकिन 1755 का लिस्बन भूकंप याद दिलाता है कि यहां बड़ा झटका आ सकता है। नई स्टडी से उन इलाकों को समझने में मदद मिलेगी जहां सतह पर बड़ी दरारें नहीं दिखती हैं, फिर भी खतरा हो सकता है। दक्षिणी पुर्तगाल, कैडिज की खाड़ी और दक्षिणी स्पेन ऐसे इलाके हैं जहां दबाव और घुमाव दोनों काम कर रहे हैं। आने वाले समय में इसी आधार पर इमारतों और पुलों के डिजाइन में बदलाव किया जा सकता है।

वैज्ञानिकों ने 3डी तकनीक से तैयार किया चेहरा

इथियोपिया में मिली 15 लाख साल पुरानी इंसानी खोपड़ी

अदीस अबाबा। वैज्ञानिकों ने इथियोपिया में मिली 15 लाख साल पुरानी एक खोपड़ी का कंप्यूटर ने नया चेहरा बनाया है। यह खोपड़ी होमो इरेक्टस की है और इस चेहरे से पता चलता है कि शुरुआती इंसान कैसे दिखते थे। वैज्ञानिकों की एक टीम ने इथियोपिया में मिली 15 लाख साल पुरानी एक खोपड़ी के जीवाश्म की मदद से इंसानों के पूर्वजों के बारे में नई जानकारी दी है। इस खोपड़ी को डीएनए5 नाम दिया गया है। डॉ. करेन बाव और उनके साथियों ने कंप्यूटर की मदद से इस खोपड़ी का चेहरा फिर से बनाया है। यह अफ्रीका में मिली अब तक की सबसे सुरक्षित और पूरी खोपड़ी है। इसे देखकर पता चला है कि शुरुआती इंसान एक-दूसरे से कितने अलग थे। इस खोज ने वैज्ञानिकों की पुरानी सोच को बदल दिया है कि इंसान धीरे-धीरे कैसे विकसित हुए।



छोटे दिमाग वाले अनोखे पूर्वज

यह खोपड़ी काफी अलग है, क्योंकि इसका दिमाग छोटा था और चेहरा बहुत पुराना दिखता था। डॉ. बाँब ने बताया कि हमें पहले ही पता था कि इसका दिमाग छोटा है, लेकिन अब चेहरा बगाने के बाद पता चला है कि यह अपनी ही प्रजाति के दूसरे लोगों से भी बहुत अलग और पुराना दिखता था।

क्लासीफाइड
आवश्यकता है
आपके अपने ब्रेन के बटुई पार्सर, कॉन्सेप्टिंग गैप, जनरल रीडर, मॉडेल रीडर में Alfa Youth Brand के परलैन डेयर (कॉन्सेप्टिंग) बेबी डायर, सेन्ट्री पेंस की मॉडर्निंग, सीरिंग हेनु लवर्क लव्हियों की आवश्यकता है। पेंसेट 26000 से 34000
Whatsapp Only
9098427938 (39948)

वैवाहिकी वधु चाहिए

धु चाहिए- जाति मुस्लिम कुंवारा उम्र 54/हाइट 5'9'' , रंग गेहुआ,शिक्षा BA , खुद का घर तलाकशुदा, विधवा,कुंवारी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं है मो. 9425253078 (10378)

मुस्लिम वधु चाहिए- सुन्नी मुस्लिम खान उम्र 42 वर्ष हाईट 5'5'' तलाकशुदा नि:संतान छत्तीसगढ़ निवासी शिक्षित युवक के लिए अच्छे परिवार से पढ़ी लिखी लड़की चाहिए। जाति बंधन नहीं, संपर्क:- कॉलिंग /व्हाट्सएप 93039 03469 (530)

ब्राह्मण सरयूपारी
47 वर्षीय 5'7"
एजुकेशन b.com
सुबई निवासी हेतु
सुंदर सुशील
युवती चाहिए
संपर्क करें:-
8839287764
7977728830

वधु चाहिए
बिलासपुर निवासी
बिजनेस एवं प्राइवेट
जॉब कर रहे 28 वर्षीय
सरयूपारी ब्राह्मण युवक
हेतु सुयोग्य वधु चाहिए
सर्व ब्राह्मण स्वीकार्य
सम्पर्क करें:-
6263215412
9229991967

तीनों अस्पताल में मर्ती, पत्नी की हालत बेहद नाजुक

हरिभूमि न्यूज ►►कोरबा

कोतवाली थाना क्षेत्र के सीतामणी वैष्णो दरबार बस्ती में एक पति ने घरेलू विवाद के चलते अपनी पत्नी, मां और बहन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस हिंसक वारदात में तीनों महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिनमें पत्नी की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। घटना



की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया।

मां, बहन और पत्नी पर प्राणघातक हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

घटना का विवरण और बचाव का प्रयास

जानकारी के अनुसार, आरोपी पति रामेश्वर साहू ने अपनी पत्नी सुकृता साहू पर कमरे के अंदर चापड़ से हमला किया। जब पत्नी की चीख-पुकार सुनकर उसकी मां सावन साहू और बहन निर्मला साहू उसे बचाने पहुंचीं, तो आरोपी ने उन पर भी धारदार हथियार से वार कर दिया। निर्मला साहू ने बताया कि वह घर के पास दुकान में थी, तभी चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंची। उसने देखा कि उसका भाई अपनी पत्नी को कमरे में बंद कर मारपीट कर रहा है। दरवाजा न खुलने पर खिड़की तोड़कर अंदर जाने पर बीच-बचाव करते समय उसने मां और बहन पर भी हमला कर दिया। आसपास के लोगों की सूचना पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों के अनुसार, सुकृता साहू की स्थिति गंभीर बनी हुई है।

हार्टअटैक की संभावना, बोधघाट थाना क्षेत्र की घटना संदिग्ध हालत में कार में मिला एसडीओ का शव, जांच जारी

हरिभूमि न्यूज ►►जगदलपुर

बोधघाट थाना क्षेत्र के इंदिरा स्टेडियम के पास एक कार में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान बालोद जिले निवासी और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन के नियामन कार्यालय में एसडीओ के पद पर पदस्थ शोभा राम देहारी के रूप में हुई है। बोधघाट थाना प्रभारी लीलाधर राठौर ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में

सामने आया है कि मृतक को बीती रात करीब 12 बजे तक कार के अंदर शराब पीते हुए देखा गया था। प्रथम दृष्टया मौत का कारण हार्ट अटैक होने की संभावना जताई जा रही है। पुलिस ने परिजनों को सूचित कर दिया है और शव का पोस्टमार्टम कराया दिया है। मृतक शोभा राम देहारी, वृन्दावन कॉलोनी के निवासी थे और छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेज कॉर्पोरेशन में एसडीओ के पद पर कार्यरत थे। उनका मूल निवास स्थान बालोद जिला है। घटना की सूचना मिलते ही बोधघाट पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को कार से बाहर निकाला।

वैज्ञानिकों की चेतावनी ने उड़ा होश!

प्रशांत महासागर के कूड़ेदान में बस गई है एक गुप्त दुनिया

न्यूयार्क। सालों से हम सुनते आ रहे हैं कि प्लास्टिक समुद्र को बर्बाद कर रहा है। छोटे-छोटे माइक्रोप्लास्टिक से लेकर बड़े टुकड़े तक, सब समुद्री जीवों के लिए खतरा हैं। मछलियां, कछुए और पक्षी तक इसे गलती से खा लेते हैं। इसलिए समुद्र की सफाई को जरूरी कदम माना जाता है। लेकिन, अब कुछ वैज्ञानिक एक अलग राय दे रहे हैं। उनका कहना है कि हम पूरी तरह सफाई शुरू करने से पहले और रिसर्च करनी चाहिए, क्योंकि हो सकता है कि इस प्लास्टिक पर कुछ खास जीव बस गए हों।



प्लास्टिक के टुकड़ों पर टिके रहते हैं। वहीं अपना जीवन चलाते हैं। फ्रांस की वेबसाइट साइंसपोस्ट ने इन निष्कर्षों को लोगों तक पहुंचाया। न्यूस्टन वे जीव हैं जो समुद्र की बिल्कुल ऊपरी सतह पर रहते हैं। इनमें कुछ शैवाल, बैक्टीरिया और बहुत छोटे जानवर शामिल हैं। ये इतने छोटे होते हैं कि आमतौर पर इन पर किसी का ध्यान नहीं जाता है। इनकी भूमिका बहुत अहम है। ये समुद्र की खाद्य श्रृंखला को बनाए रखने में मदद करते हैं। ये हवा और समुद्र के बीच गैसों के आदान-प्रदान में हिस्सा लेते हैं। तैरते हुए मरे हुए जीवों को तोड़कर दूसरे जीवों के काम लायक बनाते हैं। अगर ये खत्म हो जाएं तो कई प्राकृतिक प्रक्रियाएं प्रभावित हो सकती हैं।

नई सोच क्यों आई सामने

समुद्री जीव विज्ञानी रेबेका हेल्म जो इस समय जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी में काम कर रही हैं इस नई सोच की सामने ला रही हैं। उनका कहना है कि समुद्र की सतह पर रहने वाले कुछ छोटे जीव, जिन्हें मिलकर न्यूस्टन कहा जाता है अब तैरते प्लास्टिक को अपना ठिकाना बना चुके हैं। यह कोई अचानक आई सोच नहीं है। हाल की कुछ स्टडी में देखा गया है कि ये छोटे जीव

ग्रेट पैसिफिक गार्बेज पैच का मामला

प्रशांत महासागर में मौजूद विशाल कचरा क्षेत्र, जिसे कई लोग सातवां महाद्वीप भी कहते हैं इसका बड़ा उदाहरण है। वहां लाखों टन प्लास्टिक जमा है। यह साफ तौर पर एक गंभीर समस्या है। फिर भी कुछ वैज्ञानिकों का कहना है कि इसी कचरे के बीच कुछ जीवों ने खुद को ढाल लिया है। हो सकता है वहां ऐसे पूरे समुदाय बस गए हों जिनके बारे में हम अभी बहुत कम जानते हैं। रेबेका हेल्म ने चेतावनी दी है कि अगर बड़े पैमाने पर सफाई की गई तो हो सकता है हम एक ऐसे इकोसिस्टम को खत्म कर दें, जिसे हम ठीक से समझ भी नहीं पाए हैं।

मामला इतना आसान नहीं

वैज्ञानिक यह नहीं कह रहे कि प्लास्टिक को समुद्र में बढ़ने दिया जाए। वे बस यह कह रहे हैं कि हमें पूरी तस्वीर समझनी होगी। अगर हम अचानक प्लास्टिक हटाने लगेंगे तो उससे जुड़े जीवों पर क्या असर पड़ेगा, यह साफ नहीं है।

राशिफल

किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। सन्तान के स्वास्थ्य में सुधार होगा। मानसिक शान्ति रहेगी। शिक्षा में व्यवधान आ सकते हैं।

अनियोजित खचों में वृद्धि होगी। कुटुम्ब की किसी महिला से धन की प्राप्ति हो सकती है। मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है।

चिकित्सीय खर्च और भवन के सम्पत्त पर खर्च बढ़ सकते हैं। वाणी में कठोरता रहेगी। वाणी का प्रभाव भी बढ़ेगा। समाज में मान- सम्मान मिलेगा।

मन में निराशा एवं असन्तोष रहेगा। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

न परेशान रहेगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बढ़ सकता है। आत्मविश्वास रहेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते

शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। आत्मविश्वास बढ़ेगा। मन में शान्ति का प्रभाव रहेगा। धैर्यशीलता में कमी रहेगी।

बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है। आय के स्रोत भी विकसित होंगे। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ेगा। भवन सुख में वृद्धि हो सकती है।

शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से रोजगार के अवसर मिल सकते हैं। कारोबार की स्थिति मजबूत होगी।

वाणी में सौम्यता रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता रहेगी। नौकरी में बदलाव की स्थिति बन रही है। भाई-बहनों का सान्निध्य एवं सहयोग मिलेगा।

शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। किसी मित्र के सहयोग से किसी सम्पत्ति में निवेश कर सकते हैं।

नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा। क पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। क्रोध एवं आवेश की अधिकता रहेगी।

परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार रहेगे। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे।

शब्द पहली - 6139

	1	2		3	4	5	6
7				8		9	
13		10		14	15	16	17
			18				
19	20			21	22		23
			24	25			
26		27	28		29		
		30	31		32		
33	34		35			36	
37					38		

बाएँ से दाए
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा,रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी)-4
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3, 2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छाया, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3

36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3, 2
ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठिर ने हल किये थे-2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2, 3
4. दसवीं राशि-3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2, 2
12. सम्मान-2
15. माफका, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुर्कम, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, धान-3
22. इकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता-5

25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्दोशशाल-4
31. डेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहली - 6138 का हल
अ स ह नी य क लि का क
व र ला स ग र बु आ
प य ह सा ग ण ख ओ
र स खा न ह म क प ड
ण लि न स च र र ल
आ स स भी ल ग ल
रा प ह न ना रु ड
शा म त त आ तार तार
य है आ हि र ल
व म र सी ला पी ज ग
न नी ना म न म र ना

खूडीकु नवताल - 6149

3	9				1		
5	4				6	8	
			1		7		9
	8	9			5	3	
6	1		4	9		2	3
	3	4		1		8	
7	5		8	3			2
			6				7

खूडीकु नवताल - 6148 का हल
■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते
■ पहली का केवल एक ही हल है.

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
4	3	2	1	6	9	4	8	7
3	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

तेज रफ्तार से थका मन चाहे सुकून भरी स्लो लाइफ

पिछली एक सदी में तकनीकी विकास में क्रांति के साथ ही लोगों की जीवनशैली भी बहुत तेज रफ्तार वाली हो गई थी। लेकिन कोविड के बाद से लोगों की सोच बदलने लगी और जल्दी से सब कुछ पा लेने के बजाय जीवन में सुकून को तरजीह देने लगे हैं। यही वजह है कि पूरी दुनिया में अब लोग तेज रफ्तार से ऊबकर स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ रहे हैं।

कवर स्टोरी लोकमित्र गौतम

एक समय तक ‘तेज रफ्तार’ होना, रोमांच का सबब माना जाता था, कामयाबी की निशानी थी। इसलिए अधिकांश लोग तेज-तेज और तेज की तरफ पिछली लगभग एक सदी से दौड़ते रहे हैं। इस भागम-भाग में वाकई ईंसान ने अपनी जिंदगी की रफ्तार बहुत तेज कर ली। फास्ट इंटरनेट, बुलेट ट्रेन, आवाज की गति से उड़ते हवाई जहाज, इंस्टेंट अपडेट और कुछ महीने या साल में ही करियर की बुलंदी छ्ना, ये सब इसी तेज रफ्तार के उदाहरण हैं। लेकिन बीते कुछ समय से अब अधिकतर ईंसान इस तेज रफ्तार ज़िंदगी को रोमांच की बजाय आफत का सबब मानने लगे हैं। यही कारण है कि अब दुनिया, तेज रफ्तारी से रोमांचित नहीं है बल्कि स्लो लाइफ की तरकीबें खोज रही है। अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक आज स्लो लाइफ न्यू लाइफस्टाइल बन रही है, क्योंकि लोग मशीन बनने से थक चुके हैं, अब वे थोड़ा ठहरकर जीना चाहते हैं। **क्यों लौट रहे हैं धीमे की ओर:** पूरी दुनिया में लोग स्लो लाइफ की तरफ लौट रहे हैं, तो इसकी वजह है कि पिछले कई दशकों के भागम-भाग के कारण परिवार की संरचना कमजोर होती जा रही है। फोन आपको किसी क्षण बेफिक्र नहीं होने देता, फुर्सत में नहीं रहने देता। नए-नए रेडीमेड पकवानों की कुछ मिनटों में सल्लाई ऐसे होने लगी है कि लोग अपने स्वाद का स्वाई सुख ही भूल गए हैं। नींद अब दुनिया की सबसे बड़ी नियामत बन चुकी है और सबसे बड़ी बात यह है कि ईंसान खुद को ही भूलने लगा है। यही वजह है कि अब अमेरिका हो या एशिया, अफ्रीका और यूरोपीय देश के लोग परिवार के साथ समय बिताना चाहते हैं। कुछ घंटे या हफ्ते में एक दिन कम से कम बिना फोन के रहना चाहते हैं। कभी आराम से धीरे-धीरे पकाकर अपनी मनपसंद डिश खाना चाहते हैं और चाहते हैं कि कम से कम हफ्ते का एक दिन तो ऐसा हो, जब सोकर जगने का टाइमर सेट न हो। इस सबके बीच लोग अब अपने साथ भी कुछ घंटे, कुछ दिन बिताना चाहते हैं, इसलिए लोग तेज रफ्तार को छोड़कर धीमी और सुकून भरी जिंदगी की तरफ लौटना चाहते हैं।

स्लो लाइफ का सही मतलब: भले ही एक दौर में धीमी रफ्तार, आलस्य का पर्याय मानी जाती रही हो, लेकिन आज जब फास्ट लाइफ को विश्व स्वास्थ्य संगठन बर्नआउट और डिप्रेशन का सबसे बड़ा कारण बता रहा है, तब लेकिन अर्थपूर्ण काम करना। स्लो लाइफ का मतलब है डिजिटल डिवाइसेस से घिरे न रहना। बीच-बीच में पूरी तरह से डिजिटल डिटॉक्स होना। स्लो लाइफ का मतलब है स्थानीय जीवन का आनंद लेना और पारिवारिक जीवनशैली का लुत्फ उठाना। स्लो लाइफ का मतलब है, अपने पिढ़ियों पुराने व्यंजनों का आनंद लेना और प्रकृति से भरपूर जुड़ाव रखना। स्लो लाइफ का मतलब है रिश्तों की गुणवत्ता बढ़ाना, न कि उनकी संख्या बढ़ाना। और स्लो लाइफ का एक अंतिम मतलब है हर पल उपलब्ध होने की मजबूरी से मुक्त होना। **दुनिया इसलिए थकी रफ्तार से:** द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से लगातार दुनिया तेज रफ्तार जीवनशैली को कामयाबी और स्टेटस सिंबल की तरह पेश करती रही है, तो सवाल है फिर आखिर 21वीं सदी के दो दशक बाद आकर दुनिया का तेज रफ्तारी से मोहभंग क्यों हो गया? इसके पीछे कई महत्वपूर्ण कारण हैं। कोविड के बाद लोगों को जिंदगी की असलियत का एहसास हो गया है कि चाहे जितनी बड़ी कामयाबी हो, चाहे जितनी सुख-सुविधाएं हों और चाहे जितनी संपन्नता हो, लेकिन अगर प्रकृति खफा हो गई, तो जिंदगी की कोई कीमत नहीं रहती। पल भर में सारी कामयाबी, सारी तेज रफ्तारी धरी की धरी रह जाती है। कोविड ने एहसास कराया कि जीवन अस्थायी है। लोग

पहली बार जीवन के अस्थायीपन और नश्वरता से दो-चार हुए। यही वह समय था, जब बिना दफ्तर गए भी नौकरी कर सकने का विकल्प हासिल हुआ। जी हां, वर्क फ्रॉम होम ने लोगों को बताया कि अगर दफ्तर न जाना पड़े तो भले एक घंटे ज्यादा भी काम करना पड़े, लेकिन दफ्तर के रास्ते के जोखिम, तनाव और अनुपयोगी समय से बच सकते हैं। कोविड ने लोगों को डिजिटली ओवरलोड कर दिया। लगातार मीटिंग्स, सोशल मीडिया की इंगेजमेंट और नोटिफिकेशंस का सिरदर्द लगातार पेशेंस की परीक्षाएं लेती रही और अंततः लोग इस तेज

वे भी तेज रफ्तार महानगरों को छोड़कर स्लो मोशन की जिंदगी वाले जंगलों, पहाड़ों के बीच में गांव या गांवनुमा कस्बों की ओर रुख कर गए। मेट्रो शहरों में डेढ़ से दो फीसदी लोग छोटे शहरों या कस्बों की तरफ लौटे। हालांकि भारत में शहरों से गांव की ओर वापसी का आंकड़ा लगभग न के बराबर रहा, क्योंकि भारत के गांव सामान्य सुख-सुविधा वाली जिंदगी के अनुकूल नहीं हैं। इसलिए भारत में बड़े लोग या तो पहाड़ों में बसे छोटे शहरों या कम औद्योगिक और धुर खेतिहर इलाकों के कस्बों की तरफ लौटे। कोविड के बाद ही लोगों ने अपनी छतों पर बागवानी को रोमांच महसूस करना शुरू किया। स्थानीय बाजारों की वापसी हुई, पारंपरिक जीवनशैली में योग और ध्यान की हिस्सेदारी बढ़ी और मानसिक स्वास्थ्य को भी महत्वपूर्ण माना जाने लगा। इससे लोगों ने नौका का सुख महसूस किया, खुद उगाकर सब्जियां खाईं तो स्वाद के साथ आत्मसंतोष महसूस किया, रिश्तों में स्थायित्व और हार्मोनल हेल्थ में बेहदरी का एहसास किया। इसलिए स्लो लाइफ की रेंटिंग जो हमेशा फास्ट

लाइफ से नीचे रहती थी, पहली बार उससे ऊपर हुई।

कुछ भ्रम भी टूटे: दूसरे विश्वयुद्ध के बाद से ही पूरी दुनिया में यह मान लिया गया था कि स्लो लाइफ का मतलब है- धीमा उत्पादन, धीमा पूंजी निर्माण, मतलब गरीबी और बदहाली। लेकिन कोविड के दौरान और उसके बाद स्लो लाइफ का मतलब यह नहीं रहा। लोगों की सोच में बदलाव आया। कोविड के बाद की स्लो लाइफ ने दुनिया को दिखाया कि धीमे होने का मतलब नाकाम होना नहीं है। धीमे होने का मतलब अर्थव्यवस्था का नुकसान नहीं है और न ही धीमे होने का मतलब उत्पादनहीनता है। स्लो जीवनशैली ने ज्यादा संतुष्टि दी और बेचैन उपभोगवाद पर लगाम लगाया। सबसे बड़ी दौलत रिश्तों में आई मजबूती से मिली। लब्धोलुआब यह कि लोगों को, मजबूरी और उदासीनता में शुरू की गई स्लो लाइफ रास आ गई और अब धीरे-धीरे इससे मोहब्बत बढ़ती ही जा रही है। *

स्लो लाइफ की तरफ धीरे-धीरे बढ़ने के तरीके

- ▶ हर दिन 30 मिनट किसी भी तरह की स्क्रॉल से दूर रहें। चाहे टीवी की स्क्रॉल हो, मोबाइल की या लैपटॉप की। इस दौरान फोन से नहीं, आस-पास की दुनिया से जुड़ें।
- ▶ सप्ताह में कम से कम एक दिन ऐसा रखें, जिसकी पहल से कोई प्लानिंग न हो। एक तरह से इस दिन को कुछ न करने की मस्ती का दिन बनाएं यानी को प्लान डे।
- ▶ पैदल चलना सीखें। एक जमाने में आम आदमी हर दिन कम से कम 5-7 किलोमीटर पैदल चलता था। अब कई लोग ऐसे हैं, जो घर से बाहर सौ मीटर भी हर दिन पैदल नहीं चलते। अगर स्लो लाइफ का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो फिर से पैदल चलने की तरफ लौटें। पैदल चलने से मन भी प्रसन्न रहता है और तब भी स्वस्थ रहता है।
- ▶ काम की सीमाएं तय करें। दिन में निश्चित घंटों तक ही काम करें और हर दिन के काम की एक मात्र तय कर लें। यह नहीं कि जब तक जग रहे हैं, काम करते रहें।
- ▶ धीमी गतिवृत्ति का रोमांच महसूस करने के लिए दुनिया से भले कम जुड़ें, पर अपने आपसे दोस्ती जरूर करें। खुद से दोस्ती करना भी एक अव्यक्त सुख की स्थिति में रहना है।



वांसी तोहे घमंडीलाल अग्रवाल

टेसू की सरगम छिड़ी

धरती ने सत्र-धन किया, दुलहन-स शृंगार। पीत-वसन से झांकता, गानो पहला प्यार। जगा रही है कोकिला, मन में गीठी हूक। गोरी पी की बाट में, बैठी बन कर मूक। भ्रमर सभी हैं पी रहे, फूलों का मकरंद। पंचम सुर में गुंजते, युधिष्ठिर वाते छंद। धीमे-धीमे गये मैं, पवन घंटे है खुब। प्राणी-प्राणी जा राख, अन्न नशे मैं डूब। उर में जागी श्राम-सी, श्रंग-श्रंग उन्माद। संग उब्धें भी श्राज लाए जा री सौतन याद। कण-कण से गायब हुआ, सर्दी का श्रांतक मुस्कानों ने पा लिए, सबसे ज्यादा श्रंक। धूप कुनकुनी डोलती, गरमाया परिवेश। मधुर गंध का बांटा, हर उपवन संदेश। सरसों रानी पर यदा, यों यौवन का रंग। ठुमक-ठुमक कर बोलती, चली पिया के संग। बैरागी मन पूछता, किसका है यह खेल। गौसम का जादू बता, फली प्रीति की बेत। टेसू की सरगम छिड़ी, गड्ढा के हैं ठाठ। जरा देखिए खुल गई, फगुनारट की राट।।

खंग्य / अजय अनुगामी

सुना था कानून के हाथ बहुत लंबे होते हैं, लेकिन देखा यह भी गया है कि कुछ अफसरों की टांग भी बहुत लंबी होती है। ऐसे ही एक अफसर की टांग दूर तक पसरी रहती थी। वह बैठता इस कक्ष में था, और टांग उस कक्ष तक फैलाए रखता था। कार्यालय के जिस कक्ष में जाओ वहीं अफसर की टांग घूमती नजर आती थी। अफसर जहां नहीं पहुंच पाता था, वहां भी उसकी टांग पहुंच जाती थी। कई बार अफसर से पहले उसकी टांग उपस्थित रहा करती थी। लोग अफसर से कम उसकी टांग से ज्यादा परेशान रहा करते थे। अब अफसर की टांगों में घंटी कौन बांधे भला!

टांग अफसर से भी ज्यादा चालाक थी। किसी को पास फटकने नहीं देती थी। अफसर की अनुपस्थिति में अफसर की टांग शासन किया करती थी। लोग चाहते थे कि अफसर टांग को थोड़ा लुज करें, तो चैन की सांस आ सके। हालांकि अफसर छोटा-मोटा था, लेकिन उसकी टांग बहुत बड़ी थी। उसकी टांग भरसे लायक तो थी ही नहीं, फिर भी उस पर भरसा करना पड़ता था। वह चालाक था और दूसरों की टांग को अपने हित में इस्तेमाल

अफसर की टांग



करना जानता था। इसलिए लोग अफसर की टांगों से अपनी टांगें बचाते फिरते थे, क्योंकि उन्हें डर था कि अफसर उनकी टांगों को अपनी टांगों में न बदल डाले। अफसर टांग का बहुत कच्चा था, इसलिए अपनी टांग को हर जगह टांग कर

शक

शाम को ऑफिस से घर लौटते ही पति हरीश से उपासना ने कहा, 'देखिए, रोज शाम को पता नहीं पिताजी कहाँ जाते हैं और देर तक लौटते हैं।' 'कहाँ जाएंगे पार्क के अलावा। वहाँ इनके हम उग्र लोग मिलते होंगे। बस उनके साथ ही पणशप करते होंगे।' हरीश ने जवाब दिया। 'नहीं मुझे ऐसा नहीं लगता पिताजी कहीं और ही जाते हैं और मुझसे रोज अलग-अलग तरह का नाश्ता बनवाते हैं।' उपासना ने बताया। 'तुम भी बेवजह पिताजी पर शक कर रही हो। जो उनकी इच्छा है उन्हें करने दो। मां के चले जाने के बाद उनकी इच्छाओं का ख्याल हम नहीं रखेंगे तो भला कौन रखेगा?' हरीश ने समझाया। उसी समय पिताजी कमरे के अंदर आए और बोले, 'बहू आज गर्मा-गर्मा समोसे बनाकर पैक कर दो, मुझे जाना है।' 'ही पिताजी।' उपासना ने धीरे से कहा। समोसे लेकर

ले जाता था। टांग के बिना कहीं जाता भी नहीं था। टांग ने इतना प्रभाव जमा लिया था कि अफसर प्रभावहीन होने लगा था। अफसर की दोनों टांगों की दो अलग-अलग परंपराएं थीं। मगर अफसर दोनों को साथ लेता था। अफसर लोग अफसर की पहली टांग के भरसे दूसरी टांग से धोखा खा बैठते थे।

अफसर की टांगों को लेकर लोगों में बड़ा कफ्युजन था। पता नहीं पड़ता था कि पहली कौन सी है और दूसरी कौन सी है? लोग जिसे पहली समझते थे, वह दूसरी निकलती थी। जिसे दूसरी समझते थे, वहां टांग होती ही नहीं थी। चालाक अफसर हर मुद्दे पर एक टांग को फंसा कर रखता था तथा दूसरी टांग को बचाकर रखता था। टांग विहीन अफसर नख-दंत विहीन शेर की तरह होता है, जो गुर्रा तो सकता है मगर दबोच नहीं सकता। वह अफसर ही क्या जिसके पास टांग न हो! वह टांग ही क्या जो अड़ना न जाने। अफसर की टांगों की करामात यह थी, कि पहली उठ जाती थी तो दूसरी बैठी रहती थी, और दूसरी उठ जाती थी तो पहली लोट जाती थी। अफसर चाहता था एक साथ, एक टांग, दो काम करती रहे, ताकि टांग की स्ट्रेटजी कोई पकड़ ना पाए। टांग से परेशान लोग, टांग को उखाड़ फेंकने के लिए, एकजुट हुए। अंत में हुआ यह कि अफसर उखड़ गया, मगर उसकी टांग नहीं उखड़ पाई। *

जैसे ही पिताजी घर से निकले, उपासना भी छुपते हुए उनके पीछे-पीछे चल दी। एक-डेढ़ किलोमीटर चलने के बाद पिताजी एक वृद्धाश्रम के भीतर चले गए। 'अच्छा तो यह बात है। अपने किसी यार-दोस्त की खिलाने लाते हैं पकवान।' उपासना मन ही मन बुदबुदाई। फिर दावाजे की ओट लेकर खड़ी हो गई। पिताजी किसी के साथ बैठकर समोसे खाते हुए ठाकने लगाने लगे। 'अरे, यह आवाज तो बहुत जानी-पहचानी लग रही है। कौन हैं वो, जिसके लिए पिताजी रोज नाश्ता बनवाकर लाते हैं?' मन ही मन बुदबुदाते हुए उपासना ने कमरे के भीतर झांका। 'अरे यह क्या!' वह आवाक रह गई। उसके पैरों तले की जमीन खिसक गई। 'मेरे बाबूजी वृद्धाश्रम में।' खुद से कहकर वह रौने लगी। दरअसल, उपासना के बाबूजी पिछले एक महीने से वृद्धाश्रम में रह रहे थे, जिसकी खबर केवल हरीश के पिताजी को ही थी। इसलिए वे रोज उपासना और हरीश से बताए बिना अपने समधी से मिलने यहां आया करते थे। *



हूमन नेचर शैलेह सिंह

आमतौर पर माना जाता है कि इंद्रोवर्ट स्वभाव के लोगों में आत्मविश्वास और योग्यता की कमी होती है। जबकि यह केवल अलग तरह की एक पर्सनालिटी होती है। इस पर्सनालिटी के कुछ फायदे हैं तो वहीं कुछ नुकसान भी हैं।

न तो वीकनेस-न ही बीमारी अलग होती है इंद्रोवर्ट पर्सनालिटी

आधुनिक मुखर और सोशल मीडिया प्रधान समाज में अंतर्मुखी यानी इंद्रोवर्ट होना अकसर गलतफहमियों का विषय बन जाता है। जबकि अनेक वैज्ञानिक शोध यह साबित करते हैं कि अंतर्मुखी होना न तो किसी तरह की कोई कमजोरी है और न ही बीमारी। हांस आइजेंक के व्यक्तित्व सिद्धांत के मुताबिक अंतर्मुखी और बहिर्मुखी होना व्यक्तियों में मस्तिष्क की उत्तेजना के अलग-अलग स्तरों का होना है। अंतर्मुखी लोगों का बेसलाइन पहले से अधिक होता है, इसलिए वे शोर, भीड़ और अत्यधिक सामाजिक उत्तेजना से जल्द थक जाते हैं। इसलिए वह बहिर्मुखी लोगों के विपरीत

खासकर अगर वैज्ञानिकों, लेखकों आदि से जुड़ा कार्य हो। अडम ग्रांट ने अपने शोध से साबित किया कि प्रो-एक्टिव टीमों में अकसर ऐसे लीडर ज्यादा सफल होते हैं। **इंद्रोवर्ट होने के फायदे:** इंद्रोवर्ट पर्सनालिटी होने के कई फायदे होते हैं। जैसे-अंतर्मुखी लोगों में गहन सोच और निर्णय क्षमता होती है। ये किसी भी विषय पर अकसर जानकारियों को बहुत गहराई तक प्रोसेस करते हैं और जल्दी में निर्णय लेने से बचते हैं। इसलिए उनके निर्णय अधिकतर सफल, सुरक्षित और सुलझे हुए होते हैं। यही कारण है कि रचनात्मक और जटिल कार्यों में उनकी गुणवत्ता उच्च स्तर की होती है। ऐसे लोगों में सुनने और सहानुभूति की क्षमता बहिर्मुखी लोगों से ज्यादा होती है। अंतर्मुखी लोग बेहतर श्रोता होते हैं, जिससे रिश्तों में विश्वास और गहराई बनती है। टीम लीडरशिप में यह गुण सहकर्मियों के हुनर को बाहर निकालने में मदद करता है। अंतर्मुखी लोगों में अकेले में लंबे समय तक काम करने की क्षमता और फोकस में बने रहने की प्रवृत्ति होती है। इस कारण ऐसे लोग अनुसंधान, लेखन, डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में काफी सफल होते हैं।



ऐसी तमाम स्थितियों में शांत और खुद तक सीमित रहते हैं। यह उनकी मात्र जैविक वास्तविकता होती है। **मुखर दौर में शांत लोग:** आज के तेज आवाजों या शोरगुल से भरे दौर में कई बार अंतर्मुखी लोग खुद को हाशिए पर महसूस करने लगते हैं। लेकिन अगर अंतरराष्ट्रीय मनोवैज्ञानिक शोधों की नजर से देखें तो अंतर्मुखी लोगों का यह हाशियाकरण उनकी अक्षमता नहीं बल्कि समाज की अपेक्षाओं का नतीजा है। इसलिए जेरोम कगन और हांस आइजेंक जैसे वैज्ञानिकों ने अपने शोध के जरिए साबित किया था कि अंतर्मुखी होना कोई ऐसा व्यवहार नहीं होता, जिसे लोग सीखें या उनमें वह परवरिश के कारण आए। इनके मुताबिक वास्तव में अंतर्मुखी होना एक किस्म की जैविक संरचना से जुड़ा तथ्य है, क्योंकि अंतर्मुखी लोगों का नर्वस सिस्टम दूसरे सामान्य लोगों के मुकाबले कहीं अधिक संवेदनशील होता है। लेकिन आधुनिक दौर में एक्सट्रोवर्ट यानी बहिर्मुखी लोगों को ही आदर्श मान लिया जाता है। इसके विपरीत इंद्रोवर्ट लोगों को महत्व और मान्यता नहीं दी जाती, जो महत्व और मान्यता बहिर्मुखी लोगों के खाते में आती है और इसकी शुरूआत बचपन से ही पहले घर में और फिर स्कूल में हो जाती है। वहां शांत रहने वाले बच्चों को उपेक्षित किया जाता है, भले ही वह कितना भी योग्य क्यों न हो। इसके बाद कॉर्पोरेट दफ्तरों में भी लीडर वही माना जाता है, जो ज्यादा बोलता हो और किसी भी तरह के मामले में त्वरित प्रतिक्रिया करता हो। जबकि कई बार संकट के समय अंतर्मुखी लोग ज्यादा बेहतर निर्णय लेते हैं।

का कारण इन लोगों में कुछ खामियां भी देखी जाती हैं। मसलन- अकसर ऐसे लोग वर्बल नेटवर्किंग, पब्लिक फेसिंग जॉब्स, सेल्स या राजनीतिक भूमिकाओं में फिट नहीं बैठते। ऐसी जगहों में अव्वल तो ये आते ही नहीं और आते हैं तो सफल नहीं होते हैं। दुनिया में कई काम और कई गतिविधियां ऐसी होती हैं, जो खुले रूप से बातचीत और आत्मप्रचार को तरजीह देती हैं। इस मामले में ये कमजोर पड़ते हैं। कई अध्ययनों में यह सामने आया है कि ऐसे लोगों में



अवसाद या अकेलेपन से घिरने का जोखिम बना रहता है। लेकिन यह सभी अंतर्मुखी लोगों के लिए सच नहीं होता। आज के मुखर युग में शांत या गंभीर रहना अकसर आत्मविश्वास की कमी समझ लिया जाता है। इसलिए आज के दौर में ऐसे लोग कई बार प्रतीतिमान पाने, मान्यता हासिल करने और सार्वजनिक मंचों पर अपनी कामयाब उपस्थिति बनाने में नाकाम रहते हैं। *

पुस्तक रचा / सरस्वती रमेश

स्त्री के आंतरिक द्वंद्व की कहानियां

यह सही है कि बदलते समय के साथ परिवार और घर से बाहर भी स्त्री की भूमिका में बड़ा बदलाव आया है। मगर कमोबेश उसकी पीड़ा, घुटन और त्रासदियां अब तक नहीं बदलीं। हां, उसके रूप जरूर बदले हैं। वरिष्ठ लेखिका कल्पना मनोरमा ने अपने कहानी संग्रह 'एक दिन का सफर' में स्त्री के इसी बहुआयामी द्वंद्व को बड़ी बारीकी और मार्मिकता से उकेरा है। इन कहानियों में उन्होंने बेशुमार दबावों, तनावों से आहत स्त्री की पीड़ा को स्वर दिया है। संग्रह की कहानियां सशक्त होने के साथ ही समकालीन संदर्भों में प्रासंगिक भी हैं। इसमें आज के दौर की महिलाओं के संघर्ष को भी देखा जा सकता है।

इस संग्रह की पहली कहानी 'कितनी कैद' के निर्मादार की घुटन, जैसे आत्मा को किमटाता से छील कर लहलुहान कर देती है। मर्यादा, इज्जत के नाम पर किस तरह बेटियां बिना अपराध के बलि पर चढ़ा दी जाती हैं, इस कटु सत्य को कहानी बड़े मार्मिक तरीके से बयान करती है। शीर्षक कहानी 'एक दिन का सफर' में नायिका के भीतर का द्वंद्व उसका अपना नहीं है। यह स्त्री का सामूहिक द्वंद्व है। 'दुख का बोनसाई' मायके से लड़की के अटूट रिश्ते की कहानी है। ये कहानियां ऐसी हैं, जिनसे सहज ही हर स्त्री जुड़ाव महसूस करेगी। सटीक-जीवंत रूपकों के प्रयोग से भाषा जीवंत हो उठी है। कहानियों की भाषा ही नहीं कहन का शिल्प भी बेहतरीन है। *



पुस्तक: एक दिन का सफर, लेखिका: कल्पना मनोरमा, मूल्य: 195 रुपये, प्रकाशक: अनन्य प्रकाशन, दिल्ली

एजेसी»» कोलंबो

आधुनिक टी20 क्रिकेट में डेटा की भूमिका काफी अहम होती है और इसी वजह से मैच-अप (एक टीम के खिलाड़ी विशेष का दूसरे टीम के खिलाड़ी विशेष से मुकाबला) को शीर्ष अंतरराष्ट्रीय टीमों के कोचिंग स्टाफ की चर्चा में अहम स्थान प्राप्त होता है। गौतम गंभीर और माइक हेसन दोनों के लिए उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर 'मैच-अप' पर फोकस करना बहुत महत्वपूर्ण होगा। भारत-पाक मुकाबलों की कमी के कारण ज्यादा डेटा नहीं है। प्रशंसकों के लिए पांच संभावित रोमांचक मैच-अप पेश कर रहे हैं। मैच में अगर बारिश ने खेलल नहीं डाला तो यह काफी दिलचस्प होगा।

मैच-अप : बुमराह-फरहान और हार्दिक-तारिक की भिड़ंत बनेगी हाइलाइट

साहिबजादा फरहान बनाम जसप्रीत बुमराह

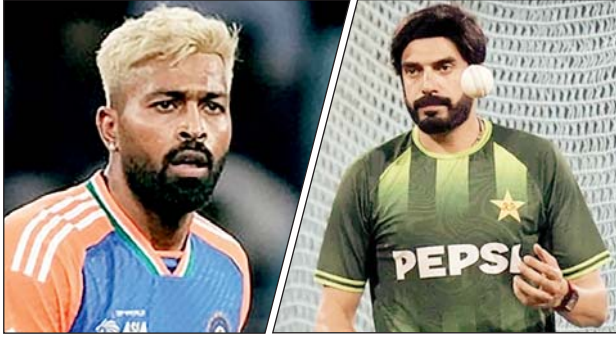


पिछली बार जब ये दोनों आमने-सामने आए थे तब फरहान दो छक्के लगाकर बुमराह पर भारी पड़े थे और ऐसे चुनिंदा अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों में शामिल हो गए, जिन्होंने एक ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में बुमराह को दो छक्के मारे। फरहान ने इस प्रदर्शन का जिक्र एक विज्ञापन वृत्तचित्र में भी किया था। नामीबिया के खिलाफ बुमराह को पावरप्ले में नहीं गेंदबाजी करने का मौका मिला, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ गंभीर की रणनीति देखने में रोचक होगी। आंकड़े बताते हैं कि फरहान ने तीन मैचों में बुमराह की 34 गेंदों का सामना किया और बिना आउट हुए 51 रन बनाए।

बाबर आजम बनाम कुलदीप यादव

कुलदीप यादव ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में बाबर आजम को कभी गेंदबाजी नहीं की है, लेकिन वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के इस बल्लेबाज को तीन मैचों में आउट किया। बाबर ने कुलदीप के खिलाफ 52 गेंदों में सिर्फ 28 रन बनाए हैं। कुलदीप का पाकिस्तान के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार रहा है। एशिया कप टी20 में भी जब बाबर टीम में नहीं थे। उन्होंने तीन मैचों में पाकिस्तान के आठ विकेट लिए, जिनमें फाइनल में चार विकेट शामिल थे। कुलदीप बनाम बाबर मुकाबला देखने के लिए गंभीर को अर्शदीप सिंह की जगह इस कलई के खंबू स्पिनर को एकादश में शामिल करना होगा।

हार्दिक पंड्या बनाम उस्मान तारिक



अगर किसी भारतीय बल्लेबाज के पास उस्मान तारिक की 'स्टॉप एंड स्लिंग एक्शन' की रहस्य को तोड़ने का सबसे अच्छा मौका है, तो वह हार्दिक पंड्या हैं। यह देखने में मजा आएगा कि सलमान अली आगा तारिक का उपयोग कैसे करते हैं, खासकर सातवें से 16वें ओवर में जब इस मैच-अप के मुकाबले के अवसर ज्यादा होंगे। तारिक का क्रीज पर रुकना बल्लेबाज की योजना बिगाड़ सकता है, लेकिन पंड्या की बैक-लिफ्ट, मजबूत कोर और बड़े शॉट के लिए समान बल्ले की गति बनाने की क्षमता उन्हें फायदा देती है।पंड्या आम तौर पर गेंद फेंके जाने के बाद ही प्रतिक्रिया देते हैं।

शिवम दुबे बनाम अबरार अहमद, शादाब अहमद

स्पिनरों और खासकर कलाई के स्पिनरों के खिलाफ शिवम दुबे का रिकॉर्ड शानदार रहा है। बाएं हाथ के इस लंबे कद के बल्लेबाज का स्पिनरों के खिलाफ स्ट्राइक रेट 193 से अधिक का रहा है। ईश सोढ़ी जैसे दायें हाथ के लेग स्पिनर के खिलाफ भी दुबे ने हाल ही में टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में कड़ा प्रहार किया है। पाकिस्तान के अबरार अहमद और शादाब अहमद के खिलाफ दुबे अपने बड़े शॉट को आजमाने से पीछे नहीं हटेंगे।

ईशान किशन बनाम अफरीदी

अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में ईशान किशन शाहीन शाह अफरीदी के खिलाफ अपने स्ट्रोक की रेंज के साथ धावा बोल सकते हैं। वहीं, यह देखना रोमांचक होगा कि अफरीदी शॉर्ट-बॉल का प्रभावी इस्तेमाल कैसे करते हैं, क्योंकि किशन बहुत लंबे नहीं हैं। किशन का उसका जवाब देना काफी रोचक होगा।

खबर संक्षेप



प्रनोद ने रिकॉर्ड छठा विश्व खिताब किया अपने नाम

मनामा। भारत के प्रमोद भगत ने शनिवार को बीडब्ल्यूएफ पेश विश्व चैंपियनशिप में इंडोनेशिया के मोहम्मद अदल इमरान पर सीधे गेम में शानदार जीत दर्ज करते हुए पुरुषों के एसएल3 वर्ग का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। सैतीस वर्षीय भगत ने फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वी को 21-12, 21-18 से हराकर विश्व चैंपियनशिप में लगातार चौथा एकल स्वर्ण और इस वर्ग में कुल मिलाकर छठा विश्व खिताब जीता। यह जीत एसएल3 वर्ग में भगत के दबदबे को दर्शाती है। एसएल3 वर्ग में वे खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, जिनके निचले अंगों में गंभीर विकलांगता होती है। भगत को पांच साल की उम्र में पोलियो हो गया था। उन्होंने 2009, 2015, 2019, 2022 और 2024 में विश्व चैंपियनशिप एकल स्वर्ण पदक जीते थे।

कनाडा को एक्सपोजर की जरूरत : बाजवा नई दिल्ली। कनाडा के कप्तान दिलप्रीत बाजवा का मानना है कि उनके जैसे एसोसिएट देश को क्रिकेट जगत से हमदर्दी की नहीं बल्कि फ्रेंचाइजी लीग और द्विपक्षीय क्रिकेट के जरिए एक्सपोजर की जरूरत है।

बाजवा ने कनाडा में फ्रेंचाइजी क्रिकेट के प्रचार को खिलाड़ियों के लिए मनोबल बढ़ाने वाला बताया क्योंकि उसके बिना उन्हें लगातार मैच अभ्यास नहीं मिल रहा था। उन्होंने कहा, ' मैं युवराज सिंह को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो कनाडा सुपर 60 लेकर आए। हमें इसी की कमी खल रही थी। ग्लोबल टी20 कनाडा पिछले साल नहीं हुआ था लेकिन युवराज और अभिषेक शाह को धन्यवाद , जो उत्तरी अमेरिका में फ्रेंचाइजी क्रिकेट लेकर आए।' उन्होंने कहा, 'इससे काफी मदद हुई क्योंकि हमें लगातार क्रिकेट खेलने को नहीं मिलता था। पहली बार हमने इंडोर फ्रेंचाइजी क्रिकेट देखा। अब बर्फ गिरे या बारिश हो, हम क्रिकेट खेल रहे हैं। यह काफी गर्व का पल है कि कनाडा में इंडोर स्टेडियम है।'

सोनी पिक्चर्स पर देख सकेंगे आईएसएल नई दिल्ली। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया (एसपीएनआई) इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 2025-26 सत्र का प्रसारण करेगा क्योंकि लीग के मीडिया अधिकार धारी 'फैनकोड' ने ब्रॉडकास्टर को 'लीनियर टेलीविजन' अधिकार का सबलाइसेंस दिया है। इस करार के अंतर्गत एसपीएनआई के पास भारत में आईएसएल 2025-26 सत्र के लिए एक्सक्लूसिव टीवी प्रसारण अधिकार होंगे जबकि अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, मालदीव, नेपाल और श्रीलंका में गैर एक्सक्लूसिव अधिकार होंगे। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के उप महासचिव सत्यनारायण ने कहा, 'यह भागीदारी आईएसएल की पहुंच को विस्तार करने की एआईएफएफ की प्रतिबद्धता दिखाती है।'

एजेसी»» कोलंबो

कप्तान लोरकान टकर के 51 गेंद में 94 रन की मदद से आयरलैंड ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के एकतरफा मैच में शनिवार को ओमान को 96 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर आयरलैंड ने 5 विकेट पर 235 रन बनाए। टकर ने अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के लगाए और उनकी पारी के दम पर आयरलैंड ने 3 विकेट पर 47 से उबरते हुए इस टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर बनाया।

जवाब में ओमान की टीम 18 ओवर में 139 रन पर आउट हो गई। आमिर कलीमी ने 50 और हमाद मिर्जा ने 46 रन बनाए। ओमान के 8 बल्लेबाज दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सके। आयरलैंड के लिए जोश लिटिल ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट लिए। मैथ्यू हंफ्रिस और बैरी मैकार्थी को दो-दो विकेट मिले। इस जीत के बावजूद आयरलैंड चौथे स्थान पर है जबकि श्रीलंका, जिम्बाब्वे और आस्ट्रेलिया शीर्ष तीन स्थानों पर हैं।



ओमान ने पावरप्ले के पांच ओवर स्पिनरों से कराए

इससे पहले गेंदबाजी चुनते हुए ओमान ने पावरप्ले के छह में से पांच ओवर स्पिनरों से कराए । इसका फायदा भी मिला जब 38 वर्ष के शकील ने तीन ओवरों में तीन विकेट लेकर आयरलैंड का स्कोर तीन विकेट पर 47 रन कर दिया। उन्होंने पहले ओवर में टिम टेंटर को आउट किया, जिसके बाद रॉस एडेंयर का विकेट लिया। एडेंयर ने शाह फैसल को तीन चौके लगाकर अच्छी शुरुआत की थी लेकिन टिक नहीं सके। पांचवें ओवर में शकील ने हैरी टेंटर को भी

पवेलियन भेजा। टूर्नामेंट में सबसे उमदराज खिलाड़ी 44 वर्ष के अनुभवी आमिर कलीमी ने कुटिस कैम्पर का विकेट लिया। इसके बाद हालांकि टकर ने एक छोर संभालकर आयरलैंड की पारी को संभाला । आयरलैंड के कप्तान ने जरेथ डेलानी (56) के साथ 56 गेंद में 101 रन की साझेदारी की। इसके बाद जॉर्ज डॉकरेल (35) के साथ 19 गेंद में 70 रन जोड़े। डॉकरेल ने भी गेंद की पारी में पांच छक्के जड़े। आयरलैंड ने आखिरी चार ओवरों में 86 रन बनाए।

आमिर ने लगाया 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक



ओमान के अनुभवी ऑलराउंडर आमिर कलीमी टी20 वर्ल्ड कप में अर्धशतक लगाने वाले सबसे उमदराज खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने शनिवार को सिंहली स्पोर्ट्स क्लब में आयरलैंड के विरुद्ध 44 साल 86 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया। 28 गेंदों में अर्धशतक लगाते हुए आमिर कलीमी ने अपनी ही टीम के साथी मोहम्मद नदीम के रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने इसी विश्व कप में श्रीलंका के विरुद्ध 43 साल और 161 दिन की उम्र में अर्धशतकीय पारी खेली थी। इस लिस्ट में श्रीलंकाई दिग्गज सन्थ जयसूर्या तीसरे पायदान पर हैं, जिन्होंने टी20 वर्ल्ड कप 2009 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 39 साल 345 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

आमिर सबसे उमदराज खिलाड़ी

आमिर हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वाले सबसे उमदराज खिलाड़ी बने थे, उन्होंने 2016 एडिशन में हांगकांग के पूर्व कप्तान रयान कैम्बेल (44 साल और 30 दिन) का रिकॉर्ड तोड़ा था। कलीमी 2016 में ओमान की पहली टी20 वर्ल्ड कप टीम का हिस्सा थे और उन्होंने कई एशिया कप क्वालिफायर और वर्ल्ड कप क्वालिफिकेशन कैपेन में हिस्सा लिया है। उन्होंने 54 टी20 मुकाबलों में 718 रन जमा करके अलावा 48 विकेट भी हासिल किए हैं।

टॉम बैटन का तूफानी अर्धशतक

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को पांच विकेट से हराया



एजेसी»» कोलकाता

इंग्लैंड ने स्कॉटलैंड को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के 23वें मुकाबले में 5 विकेट से मात दी। यह टूर्नामेंट में इंग्लैंड की दूसरी जीत रही, जिसके साथ टीम ने ग्रुप-सी की च्वाइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है।इंडन गार्डन्स में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी स्कॉटलैंड की टीम 19.4 ओवरों में महज 152

रन पर सिमट गई। इस टीम को 18 के स्कोर तक 2 झटके लग चुके थे, जिसके बाद कप्तान रिची बेरिंगटन ने माइकल जोन्स के साथ तीसरे विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी की। जोन्स 20 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 33 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद बेरिंगटन ने टॉम ब्रूस के साथ चौथे विकेट के लिए 41 गेंदों में 71 रन जोड़ते हुए टीम को 113 के स्कोर तक पहुंचाया।

रशीद ने हासिल किए 3 विकेट

रिची बेरिंगटन ने 32 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 49 रन बनाए, जबकि टॉम ब्रूस 24 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इनके अलावा, ऑलिवर डेविडसन ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। विपक्षी खेमे से आदिल रशीद ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि जोफ्रा आर्चर और लियाम डॉसन ने 2-2 विकेट निकाले। एक-एक विकेट जेमी ओवरटन और सेम करन ने हासिल किया।

इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में दर्ज की जीत

इसके जवाब में इंग्लैंड ने 18.2 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। इस टीम ने 13 के स्कोर तक अपने 2 विकेट खो दिए थे। यहां से जैकब बेथेल ने टॉम बैटन के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 गेंदों में 66 रन की साझेदारी की। बेथेल ने 28 गेंदों में 32 रन की पारी खेली। कुछ देर बाद कप्तान हैरी ब्रूक (4) भी पवेलियन लौट गए। इस टीम ने 86 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे, जहां से सैम करन ने टॉम बैटन के साथ 33 गेंदों में 46 रन जुटाकर टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

डब्ल्यूटीटी : फाइनल में हरमीत और यशस्विनी

चेन्नई। हरमीत देसाई और यशस्विनी घोरपड़े की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेडर चेन्नई के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई जबकि जी साधियन पुरुष एकल क्वाटरफाइनल में पहुंचे। देसाई और घोरपड़े ने मिश्रित युगल सेमीफाइनल में पायस जैन और सिंदूला दास की भारत की वाइल्डकार्ड जोड़ी को 3-0 (11-9, 11-6, 11-9) से हराया। अब उनका सामना एडुआर्ड आयोनेस्कु और बर्नाडेटे जोक्स की दूसरी वरीयता प्राप्त रोमानियाई जोड़ी से होगा। इससे पहले साधियन ने पुरुष एकल में भारत की उम्मीदों को जीवंत रखते हुए 1-2 से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी की और आयोनेस्कु को 3-2 (9-11, 11-3, 10-12, 11-7, 11-5) से हराकर क्वाटरफाइनल में प्रवेश किया। अब उनका सामना चेक गणराज्य के लुबोमीर जानकारिक से होगा, जिन्होंने भारत के मनुष शाह को 3-1 (11-4, 13-11, 5-11, 13-11) से हराया। महिला एकल में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब क्वालीफायर नित्या मणि प्री-क्वाटरफाइनल में हार गई।

करन और धामने को मिला एकल वाइल्ड कार्ड

एजेसी»» नई दिल्ली

डेविस कप खिलाड़ी करन सिंह और मानस धामने को सोमवार से डीएलटीए परिसर में शुरू हो रहे एटीपी दिल्ली ओपन के मुख्य ड्रॉ एकल मुकाबलों के लिए वाइल्ड कार्ड प्रदान किए गए हैं। दिल्ली लॉन टेनिस संघ (डीएलटीए) ने हाल ही में नीदरलैंड के खिलाफ खेले गए डेविस कप मुकाबले में भारतीय टीम के रिजर्व सदस्य रहे दिग्विजय प्रताप सिंह को भी मुख्य ड्रॉ वाइल्ड कार्ड देने की पुष्टि की है। इसके साथ ही चार क्वालीफाईंग वाइल्ड कार्ड भी घोषित किए गए हैं। करन को यह मौका बेंगलुरु में डेविस कप टाई में भारत की जीत में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बाद मिला है, जबकि



18 वर्षीय मानस को भारतीय टेनिस की सबसे उज्ज्वल युवा प्रतिभाओं में से एक माना जाता है।

आज से शुरू होगा रणजी ट्रॉफी का सेमीफाइनल

दिग्गजों को हराने पर जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें

एजेसी»» कोलकाता

पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचे जम्मू कश्मीर और उत्तराखंड की नजरें रविवार से शुरू हो रहे रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में अपनी लय कायम रखते हुए बंगाल और कर्नाटक जैसे दिग्गजों को हराने पर लगी होंगी। जम्मू कश्मीर ने इंदौर में मध्यप्रदेश को 56 रन से हराकर पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई।

रणजी ट्रॉफी में 1959-60 में पदार्पण करने के बाद से यह उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। तेज गेंदबाज आकिब नबी ने 110 रन देकर 12 विकेट चटकाते हुए जीत की नींव रखी। नबी अब तक टूर्नामेंट में 46 विकेट ले चुके हैं जबकि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज सुनील कुमार ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 22 विकेट लिए हैं।



अब बंगाल की चुनौती

बल्लेबाजी में अब्दुल समद 543 रन बना चुके हैं जबकि अनुभवी कप्तान पारस डोगरा ने 484 रन का योगदान दिया है। अब उनके पास बंगाल की चुनौती है, जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में मजबूत टीम है और कल्याणी में अपने मैदान पर खेलने का उसे फायदा भी मिलेगा। सुदीप कुमार घरामी के 299 रन की मदद से बंगाल ने क्वाटर फाइनल में आंध्र को एक पारी और 90 रन से हराया। घरामी अभी तक 651 रन बना चुके हैं जबकि सुमंत गुप्ता ने 506 , अभिमन्यू ईश्वरन ने 373 और अनुसूप मजूमदार ने 367 रन बनाए हैं। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद 39 विकेट ले चुके हैं जबकि मोहम्मद शमी ने 28 और आकाश दीप ने 19 विकेट लिए हैं।

उत्तराखंड का सामना कर्नाटक से

दूसरा सेमीफाइनल लखनऊ के लिए स्पिनर मयंक मिश्रा ने आठ विकेट लिए और टूर्नामेंट में अब तक सर्वाधिक 52 विकेट ले चुके हैं। हरफनमौला जगदीश सुचित ने 25 विकेट लिए और 414 रन बनाए हैं। कप्तान गुणाल चंदेला 709 रन बना चुके हैं।



बोलींग इन्स्टीट्यूट ऑर सायथ एशिया (BISA) अपने लखनवाड़ा (ग्राम सोनपुर के निकट, जबलपुर) स्थित अनुसंधान केंद्र में उपलब्ध बहु-फसली अनाज, धान, मक्का, खड़ी मूंग, खड़ी उड़द, सोयाबीन, बीज, सरसों एवं चना (अवशिष्ट बीज, मिश्रित-प्रजाति अनाज, छोटे आकार एवं छोटे आकार II) के लिए निरिया/बोली आमंत्रण करता है।

आरएफएच (RFQ): तथा नियम एवं शर्तों सहित अधिक विवरण हासिल करने के लिए कृपया <https://bisa.org/job/request-for-quotation-rfq-for-sale-of-multi-crop-leftover-seed-and-grain/> पर जाएं/कॉ अवलोकन करें।

हाथों-हाथ/भारतीय डाक द्वारा सीलबंद कोटेशन जमा करने की अंतिम तिथि : 23 फरवरी 2026 है।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूक सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।

24x7 Helpline: 77108 44444 • www.sachisaheli.in



Clinically Tested

INDIA'S MOST TRUSTED BRAND

67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना 'सच्ची सहेली' आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



एनजीटी में याचिका के जरिए कार्रवाई की अंतरिम मांग नर्मदा, परियट व गौर से 500 मीटर के भीतर की डेयरिया कब हटेगी

जबलपुर। एनजीटी में एक जनहित याचिका के जरिए नर्मदा, परियट व गौर से 500 मीटर के भीतर की डेयरियों को हटाने के दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। जनहित याचिकाकर्ता नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच, जबलपुर के अध्यक्ष डा. पीजी नाजपांडे का कहना है कि अनिवार्य नीति के अनुसार नदियों से 500 मीटर दूरी पर डेयरीया नहीं होना चाहिए। जनहित याचिकाकर्ता के वकील प्रभात यादव के अनुसार 28 जनवरी, 2026 को एनजीटी ने नौ वर्ष पूर्व के आदेश का सख्त रूप से पालन करने के निर्देश दिए थे। डेयरियों के अपशिष्ट से नर्मदा जल प्रदूषित होने से बचाव के लिए डेयरिया हटाकर नई जगहों पर शिफ्ट करने कहा गया था। एनजीटी के अनुसार नर्मदा के किनारे 25, परियट के किनारे 40 तथा गौर के किनारे 12 डेयरीयां पाई गई हैं। लेकिन नौ वर्ष बीतने के बावजूद न तो डेयरी हटाई गई और न ही उन्हें



डेयरी स्टेट खमरिया में शिफ्ट किया गया है। जबकि डेयरी स्टेट का उद्घाटन 24 फरवरी, 2022 में हो चुका है। सात वर्ष पूर्व राज्य शासन ने स्वयं माना है कि परियट, गौर व नर्मदा के किनारों में स्थापित डेयरियां से नर्मदा प्रदूषित हुई है। मांग की गई है कि एनजीटी स्वयं समिति का गठन कर जांच करें कि नर्मदा सेवा यात्रा मिशन ने नर्मदा, गौर व परियट को संरक्षित व प्रदूषण मुक्त करने की दिशा में अब तक में कितना कार्य किया।

अब्दुल रज्जाक मामले में सरकार का रुख हुआ कड़ा, अगली सुनवाई 16 मार्च को

जबलपुर। अब्दुल रज्जाक के मामले में अब सरकार ने अपना रुख तेज किया है। शासन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि रज्जाक की इस याचिका के दाखिल होने के दिन तक उसके खिलाफ एनएसए की कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। शासन की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता एचएस रूपराह ने बताया कि रज्जाक की पत्नी सुबीना बेगम ने भी पूर्व में अपनी याचिका वापस ले ली थी। उन्होंने दलील दी कि याचिकाकर्ता के पास उचित आपराधिक मामले में जमानत मांगने का ही उपाय है, जिसमें उसे जेल में रखा गया है। रज्जाक चाहे तो आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की भी मांग कर सकते हैं। वहीं, रज्जाक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मोहम्मद अली ने इस प्रस्ताव का खंडन किया। उन्होंने स्पष्टीकरण पेश करने मोहलत मांगी। जस्टिस विवेक अग्रवाल एवं जस्टिस आरके वाणी की खंडपीठ ने मामले पर अगली सुनवाई 16 मार्च को नियत की है। गौरतलब है कि अब्दुल रज्जाक की ओर से खुलकर विधायक संजय पाठक पर आरोप लगाया गया था कि व्यावसायिक प्रतिस्पर्द्धिता के कारण उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा रही है। दलील दी गई थी कि रज्जाक के खिलाफ दर्ज कई मामलों में अभी तक अंतिम रिपोर्ट दाखिल नहीं की गई है। जैसे ही एक मामले में जमानत मिलती है, उसी समय दूसरे प्रकरण में गिरफ्तारी दिखा दी जाती है। यह न्यायिक प्रक्रिया के साथ खल्लाव है।

सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत

जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र में गत दोपहर सड़क दुर्घटना में घायल एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गत दोपहर लगभग 1.30 बजे सड़क दुर्घटना में घायल इमलई पनागर निवासी 23 वर्षीय अजय चौधरी को स्वास्तिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार दौरान शाम लगभग 7.40 बजे अजय चौधरी की मौत हो गई। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

पिकअप वाहन की टक्कर से ई-रिक्शा सवार 4 घायल

जबलपुर। बरगौ थाना अंतर्गत मानेगांव शराब दुकान के पास एक पिकअप वाहन ने एक ई रिक्शा में साईड से टक्कर मार दी, जिसमें सवार चार सवारों नीचे गिरकर घायल हो गए। बरगौ पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार मदनमहल कुपाल चौक गोरखपुर निवासी 24 वर्षीय देव कुशवाहा गत रात लगभग 11 बजे रोहन की स्कूटी से तथा बुक किए हुए ई रिक्शा में सौरभ साहू, सुशील साहू, जितेन्द्र कोष्टा, राधेश्याम विसैन अपने घर जा रहे थे। ई रिक्शा उसकी स्कूटी के आगे चल रहा था जैसे ही मानेगांव शराब दुकान के पास पहुंचे, तभी बरगौ तरफ से आ रही पिकअप क्रमांक एमपी 19 जीए 4504 के चालक ने ई रिक्शा में साईड से टक्कर मार दी।

जूड़ा ने खोला मोर्चा, कहा- मरीज को थप्पड़ मारने का आरोप

मेडिकल सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में 'थप्पड़ कांड' पर विवाद गहराया

जबलपुर। नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में मरीज से मारपीट के आरोपों को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन (जूडा) ने आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. नवनीत सक्सेना को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और डॉक्टरों की सुरक्षा की मांग की है। जूडा के अनुसार, टीबी विभाग में भर्ती मरीज कुलदीप रैकवार अल्ट्रासाउंड जांच के लिए ओपीडी पहुंचे थे। वहां मौजूद महिला रजिडेंट डॉक्टर ने संक्रमण के खतरे को देखते हुए उन्हें मास्क पहनने की सलाह दी, जो

चिकित्सकीय मानकों के तहत आवश्यक है। एसोसिएशन का कहना

इसे डॉक्टरों को बदनाम करने की साजिश बताया है। एसोसिएशन का दावा है कि अटेंडर ने हंगामा किया और टीबी विभाग में जाकर सीएम हेल्पलाइन पर झूठी शिकायत दर्ज कराई। जूडा ने स्पष्ट किया कि अस्पताल परिसर में किसी प्रकार की हिंसा नहीं हुई और लगाए गए सभी आरोप मनगढ़ंत हैं। एसोसिएशन ने रजिडेंट डॉक्टरों की सुरक्षा और महिला चिकित्सकों की गरिमा सुनिश्चित करने के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी करने तथा भ्रामक जानकारी फैलाने वाले संबंधित अटेंडर के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है।



रेल प्रशासन की तत्परता से बिछड़ी यात्री परिजनों से मिली

हरिभूमि, जबलपुर।

जबलपुर रेलवे स्टेशन पर रेल प्रशासन की संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई से एक बिछड़ी महिला यात्री को सुरक्षित उनके परिजनों से मिलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, श्रीमती उषा त्रिपाठी अपने पुत्र राहुल के साथ प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 पर जबलपुर-कटनी यात्रा के लिए पहुंची थीं। टिकट लेने के लिए पुत्र के जाने के दौरान वे अनजाने में गाड़ी संख्या 11265 जबलपुर-अंबिकापुर इंटरसिटी एक्सप्रेस में सवार हो गईं। राहुल द्वारा तलाश करने पर जब वे नहीं मिलीं तो स्टेशन प्रबंधक



(वाणिज्य) जबलपुर से संपर्क किया गया। करीब 15-20 मिनट तक

स्टेशन परिसर में लगातार उद्घोषणाएँ कराई गईं, लेकिन

उनका पता नहीं चल सका। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उप स्टेशन प्रबंधक (वाणिज्य) ने जबलपुर से कटनी साउथ (KTES) की ओर जाने वाली गाड़ियों की सूची के आधार पर समन्वय स्थापित किया। कटनी साउथ स्टेशन के स्टेशन मास्टर कार्यालय से संपर्क कर संबंधित ट्रेन के आगमन पर विशेष उद्घोषणा कराई गई। उद्घोषणा के माध्यम से श्रीमती उषा त्रिपाठी को सुरक्षित स्टेशन मास्टर कार्यालय बुलाया गया और परिजनों से संपर्क कर सकुशल मिलवाया गया। इस मानवीय पहल के लिए यात्री एवं उनके परिजनों ने रेल प्रशासन का आभार व्यक्त किया।



नए रिश्तों की शुरुआत, हीरो पे सवार.



Splendor+

शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत	GST लाभ	कॉर्पोरेट ऑफ़र्स/किसान योजना	डाउन पेमेंट	EMI पर इंस्टेंट कैश बैक
₹ 79,826	₹ 73,839 [#]	₹ 2,200 [~] तक	₹ 7,999 ^{\$} से शुरू	₹ 10,000 [^] तक





Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits*

Hero MotoCorp Ltd. Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No.2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi - 110070, India. | CIN:L35911DL1984PLC017354 | For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorized outlet or visit us on www.HeroMotoCorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. -Offer amount and combination of offer may vary for model/variant and states and it is applicable on select models only, for a limited time period or till stock lasts. *Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. ^T&C apply. Offer available only on limited stores. ~Limited period offer, T&C apply. As per cumulative dispatch numbers till August 2025. *Ex-showroom price of Splendor+ Drum Brake Variant in Madhya Pradesh.

अधिकृत डीलर: जबलपुर: सुपर हीरो (साउथ सिविल लाइन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉन 9289922353, मदन महल 911100352, दमोह नाका 911100344), बालाघाट: जायसवाल हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: शुभा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, रीवा: बद्रीका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बद्रीका हीरो 9289923108, शहडोल: बिभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, वैदुन: कुन्दन हीरो 9289922743, वजरंग मोटर्स 7354559000, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदर्शन हीरो 9821745435, चोर्टई: श्रीजी ऑटोमोबाइल्स, 9821749342, एमोंशिष्ट डीलर: पथरिया: एसएस ऑटोमोबाइल्स, 9691147568, सेमरिया: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अप्पित ऑटोमोबाइल्स 7428595943, ब्योहारी: श्री राम ऑटोमोबाइल्स 9424683246, बुइदा: श्री ऑटोमोबाइल्स 9425181937, डिंडोरी: अवधिया ऑटो 8959777333, नैनपुर: स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: शेखट कीकल्स 9425467409, नूनारदेव: लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाइल्स 7987519546, मैहर: वैशाली ऑटोमोबाइल्स 9424741022, मउगज: सेंगर मोटर्स 9425185568, लांझी: श्रीखण्ड ऑटोमोबाइल्स 7428390262, पांडुरना: जय भवानी ऑटोमोबाइल्स 7428390263, परासिया: श्री महावीर ऑटोमोबाइल्स 7354460008, रामपुर वधेलान: सॉई ऑटोमोबाइल्स 9993224296, रांडी: गुरुकुपा ऑटो 9424728007, सिहोरा: बाईक प्वांट 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेंसी 9285505630, वारासिनी: रुसिया मोटर्स 9425822392, जतारा: शारदा मॉ ऑटोमोबाइल्स 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइजेज 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुल्तारी: शारदा श्री मोटर्स 9522870001, चितरंगी: ओम मोटर्स 9685416118, बरगवा: वजरंग मोटर्स 9926183734, बहरी: श्याम एजेंसी 9981238133, बहरी: अजीत ऑटोमोबाइल्स 7568217410, 9131739086, अनूपपुर: बाल गोविंद ऑटोव्हील्स 9770531138, 9770744844, नागोद: चौरसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, देवसद: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: दिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, स्लोमनावाद: अनिल मोटर्स 9425466101, रामनगर: विजय ऑटोमोबाइल्स 9893252517, धनोटा: भवानी कीकल्स 9424950703, सरई: यश मोटर्स, 9981718853, सालीचोका: अभिषेक इंटरप्राइजेज 9898434793, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रचना हीरो 8815396340, दमोह: इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079

TOLL FREE 1800 266 0018

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचित महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिखाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिखाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240